नई दिल्ली । रविवार, 21 जून, 2026
ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष सप्तमी, सिद्धार्थि संवत्सर विक्रम संवत 2083
वर्ष :12, अंक :166/ मूल्य 3.00 रुपए । पृष्ठ 12

दैनिक
विश्व केसरी
सिर्फ पत्रकारिता...
नई दिल्ली संस्करण
vishwakesari.com
@vishwakesariTV
@vishwakesari
vishwa_kesari_official
आर. एन. आई. संख्या डीईएलएच आईएन/2015/61415

@ खेल फीफा वर्ल्ड कप : ब्राजील ने हैती को 3-0 से हराया...
@ साहित्य केसरी पिता की सीख...
@ व्यापार सस्ते में सोना और चांदी खरीदने का मौका...

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना की शुरूआत 50 लाख किसान को मिलेगा फायदा

9.44 करोड़ किसानों के खातों में भेजे गए 18,880 करोड़ रुपए

एजेंसी ■ कोलकाता

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को हुगली जिले के तारकेश्वर में पश्चिम बंगाल दिवस समारोह के मंच से रेलवे, सड़क, कृषि, ग्रामीण विकास, मत्स्य पालन और पशुपालन से जुड़ी 820 करोड़ रुपये की विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन व शिलान्यास भी किया।

इसी कार्यक्रम में मोदी ने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की 23वीं किस्त भी जारी किया, जिसके तहत देशभर के 9 करोड़ 44 लाख किसानों के खातों में 18,880 करोड़ रुपये ट्रांसफर किए गए।

इनमें अकेले बंगाल के 45 लाख से अधिक किसानों के खातों में 900 करोड़ रुपये से ज्यादा की राशि हस्तांतरित की गई है, जिससे राज्य में इस योजना के अंतर्गत कुल वितरण राशि 15,000 करोड़ रुपये से अधिक हो गई है।

2019 में इस योजना के शुभारंभ के बाद से देशभर में कुल वितरण राशि 4.46 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गई है। यह पहली बार है जब पीएम ने बंगाल से पूरे देश के लिए

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की किस्त जारी की है।

राज्य में सत्ता परिवर्तन व पिछले माह पहली बार यहां भाजपा की सरकार गठित होने के बाद अपने पहले दौरे में पीएम ने बंगाल में कई महत्वपूर्ण केंद्रीय कृषि योजनाओं का भी शुभारंभ किया।

इन योजनाओं में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, डिजिटल एग्रीकल्चर मिशन, नेशनल मिशन आन नेचुरल फार्मिंग (प्राकृतिक खेती) और प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना शामिल हैं।

बंगाल में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना की भी शुरुआत

बंगाल में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना (पीएमएफबीवाइ) की शुरुआत से विश्व की सबसे बड़ी फसल बीमा योजना का लाभ राज्य के किसानों तक पहुंचेगा।

2026-27 के दौरान, इस पहल का उद्देश्य बंगाल राज्य में लगभग 14 लाख हेक्टेयर कृषि भूमि पर लगभग 50 लाख किसानों को बीमा कवरेज प्रदान करना है, जिससे लगभग 28,140 करोड़ रुपये के अनुमानित बीमित मूल्य की फसलों की सुरक्षा हो सकेगी और किसानों को पर्याप्त प्रीमियम सब्सिडी के माध्यम से सहायता प्रदान की जा सकेगी। डिजिटल कृषि मिशन के अंतर्गत, प्रधानमंत्री पश्चिम बंगाल में एग्रीस्टैक का शुभारंभ करेंगे। इसके अंतर्गत उर्वरक वितरण, किसान क्रेडिट कार्ड, प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण और न्यूनतम समर्थन मूल्य प्रणाली के अंतर्गत खरीद जैसी सत्यापित कृषि संबंधी सेवाओं के लिए एक एकीकृत डिजिटल प्लेटफार्म उपलब्ध होगा। यह पहल कृषि क्षेत्र में डिजिटल शासन को मजबूत करेगी और किसान-केंद्रित सेवाओं के कुशल वितरण को सुगम बनाएगी।

590 करोड़ रुपये की रेल परियोजनाओं का शुभारंभ

प्रधानमंत्री ने लगभग 590 करोड़ रुपये की महत्वपूर्ण रेल परियोजनाओं की आधारशिला रखने के साथ इन्हें राष्ट्र को समर्पित किया। प्रधानमंत्री ने हावड़ा जिले में संकराइल- संतरागाछी लिंक लाइन परियोजना को राष्ट्र को समर्पित किया। प्रधानमंत्री हावड़ा में 300 बिस्तरों वाले नए मंडल रेलवे अस्पताल की आधारशिला भी रखीं।

नीट री-एग्जाम आज, कड़ी सुरक्षा में 22 लाख परीक्षार्थी होंगे शामिल

हाईटेक जैमर्स की निगरानी में होगी परीक्षा

एजेंसी ■ नई दिल्ली

देशभर में आज 21 जून को NEET UG Re-E&am आयोजित कराई जाएगी। नीट यूजी पेपर लीक और धांधली के आरोपों के बाद दोबारा हो रही परीक्षा को पारदर्शी बनाने के लिए नेशनल टेस्टिंग एजेंसी और राज्य प्रशासनों ने पूरी तैयार कर ली है। परीक्षा में नकल रोकने के लिए इस बार CCTV कैमरों की संख्या बढ़ाने के साथ-साथ हाई-टेक जैमर्स लगाए गए हैं।

दिल्ली मुख्यालय से सेंटर्स की लाइव निगरानी

राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी ने सोशल मीडिया पर जानकारी दी है कि दिल्ली स्थित मेन ऑफिस में अल्ट्रा मॉडर्न सेंट्रल कंट्रोल रूम बनाया गया है। इसके जरिए देशभर के सभी 5000 से ज्यादा परीक्षा केंद्रों की लाइव वीडियो स्ट्रीमिंग देखी जाएगी।

NTA के सीनियर अधिकारी खुद इस मॉनिटरिंग टीम का हिस्सा हैं, जो किसी भी केंद्र पर होने वाली संदिग्ध गतिविधि या तकनीकी गड़बड़ी पर तुरंत एक्शन लेंगे और परीक्षा में पारदर्शिता बनाए रखेंगे।

आज देश भर में मॉक ड्रिल

पूरे देश में 21 जून को आयोजित होने जा रही नीट यूजी री-एग्जाम की तैयारियां आखिरी चरण में हैं। इसके तहत आज नेशनल टेस्टिंग एजेंसी देशव्यापी मॉक ड्रिल कर रही है। इस मॉक ड्रिल के जरिये सभी परीक्षा केंद्रों पर जमीनी स्तर की तैयारियों को बारीकी से परखा जा रहा इससे कल किसी भी तरह की चूक या तकनीकी गड़बड़ी न हो।

मदद के लिए वाट्सएप नंबर जारी

एनटीए ने नीट-यूजी के 21 जून को दोबारा आयोजन में शामिल हो रहे छात्रों को किसी तरह के झूठ और अफवाहों से बचाने के लिए वाट्सएप चैनल शुरू किया है। इसके जरिये छात्रों को परीक्षा से जुड़ी हर तरह की सूचना दी जाएगी।

छात्रों को सचूना इस वाट्सएप 91-7827980287 के माध्यम से ही भेजे जाएंगे। लिहाजा किसी भी संदेश पर भरोसा करने से पहले व्हाट्सएप के वेरिफाइड ब्लू टिक और एनटीए के नाम को जांचने का सुझाव दिया गया है। एनटीए ने एक्स के जरिये बताया कि एसएमएस, ई-मेल एवं व्हाट्सएप के जरिये अब सिर्फ उन्हीं छात्रों को संदेश भेजे जा रहे हैं, जिन्होंने अभी तक अपने नए एडमिट कार्ड डाउनलोड नहीं किए हैं।

सक्षिप्त खबर

नीट परीक्षा : अजमेर में पेपर बेचने का दावा!

अजमेर। राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा से ठीक पहले अजमेर में पेपर बेचने के नाम पर छात्रों को झांसे में लेने का मामला सामने आया है। डीएवी कॉलेज के छात्रसंघ अध्यक्ष एवं एबीवीपी प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य कृष्ण सिंह ठाकुर ने इस संबंध में पुलिस प्रशासन को मौखिक शिकायत दी है।

जानकारी के अनुसार, डीएवी कॉलेज की एक छात्रा के मोबाइल पर अज्ञात नंबर से कॉल आया। कॉल करने वाले व्यक्ति ने दावा किया कि उसके पास NEET परीक्षा का प्रश्न पत्र उपलब्ध है और वह परीक्षा से पहले इसे उपलब्ध करा सकता है। छात्रा ने जब इसकी पुष्टि के लिए प्रमाण मांगा तो आरोपी ने वीडियो कॉल के माध्यम से कथित प्रश्न पत्र दिखाया। मामले की जानकारी मिलने के बाद कृष्ण सिंह ठाकुर ने स्वयं संबंधित नंबर पर संपर्क किया। आरोप है कि कॉल करने वाले व्यक्ति ने कथित रूप से पूरा प्रश्न पत्र उपलब्ध कराने के बदले 30 हजार रुपये की मांग की। रकम लेने के लिए उसने QR कोड भी भेजा।

महाराष्ट्र के परभणी में हनुमान मंदिर की छत गिरी : 7 की मौत, 25 घायल

शनिवार को प्रसाद लेने के लिए भीड़ जुटी थी

एजेंसी ■ परभणी

महाराष्ट्र के परभणी जिले में यशवाड़ी देवस्थान में हनुमान मंदिर के हॉल की निर्माणाधीन छत शनिवार दोपहर गिर गई। मलबे में में दबने से 7 लोगों की मौत हो गई, जबकि 25 लोग घायल हुए, जिन्हें अस्पताल पहुंचा दिया गया है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक यहां मंदिर के ठीक सामने सभामंडप बनाने का काम चल रहा था। दोपहर के समय लोग प्रसाद ले रहे थे। अचानक मंदिर का स्ट्रक्चर और पत्थर भरभराकर गिर पड़े। हादसे का CCTV फुटेज भी सामने आया है। वीडियो के मुताबिक दोपहर 3 बजे कई लोग लाइन में खड़े होकर प्रसाद दर्शन-पूजा कर रहे थे। तभी बांस और लोहे की रॉड से बना सेंट्रिंग स्ट्रक्चर टूट गया। शनिवार होने के कारण मंदिर में भीड़ ज्यादा थी। हादसे के बाद पुलिस और स्थानीय प्रशासन ने घटनास्थल पर रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया। यशवाड़ी गांव मनवत रोड पर स्थित है, जो छत्रपति संभाजीनगर से लगभग 190 किलोमीटर दूर है। यहां त्रिमूर्ति मंदिर में हनुमान जी की काली प्रतिमा स्थापित है।

कॉकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शनकारी रात में भी डटे रहे, शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग

जंतर मंतर पर रातभर धरने की तैयारी, सीजेपी समर्थकों का हटने से इनकार

एजेंसी ■ नई दिल्ली

जंतर मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी को प्रदर्शन की अनुमति बढ़ाने से दिल्ली पुलिस ने इनकार कर दिया है। पुलिस लगातार प्रदर्शनकारियों से धरना स्थल खाली करने की अपील कर रही है। इसी क्रम में पुलिस ने तीसरी बार लाउडस्पीकर के जरिए चेतावनी जारी करते हुए प्रदर्शन समाप्त कर निर्धारित स्थल खाली करने को कहा है। इसके बावजूद प्रदर्शनकारी मौके पर डटे हुए हैं। वहीं प्रदर्शन के दौरान एक महिला बेहोश हो गई।

दिल्ली के जंतर मंतर पर सीजेपी का प्रदर्शन तय समय सीमा के बाद भी जारी है। पुलिस ने धरना स्थल खाली करने की अपील की, लेकिन प्रदर्शनकारी नहीं हटे। अभिजीत दीपके ने कहा कि धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे तक आंदोलन जारी रहेगा और कार्यकर्ता रातभर जंतर मंतर पर डटे रहेंगे। अभिजीत दीपके ने दिल्ली पुलिस से जंतर-मंतर पर प्रदर्शन की अनुमति की अवधि बढ़ाने की भी अपील की। हालांकि दीपके की अपील के बाद दिल्ली पुलिस ने सीजेपी के प्रदर्शन की अनुमति बढ़ाने से इनकार कर दिया है। दीपके ने कहा कि यदि धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे पर सरकार सकारात्मक पहल करती है तो बातचीत का रास्ता भी खुल सकता है।

कांग्रेस और उद्धव ठाकरे राजनीति में टिके रहने के लिए घुसपैठियों पर निर्भर : शाह

अंबाबाई का धाम करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र

एजेंसी ■ कोल्हापुर

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने शनिवार को कोल्हापुर में एक सभा को संबोधित करते हुए महाराष्ट्र सरकार की ओर से करवीर निवासिनी माता अंबाबाई मंदिर के जीर्णोद्धार और भव्य कॉरिडोर निर्माण कार्य की सराहना की।

उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र की इस पवित्र भूमि पर स्थित माता अंबाबाई का धाम करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र है और यहां शुरू हुआ विकास कार्य भक्तों के लिए खुशी और गर्व का विषय है।

अमित शाह ने कहा कि करवीर नगर में सदियों से माता अंबाबाई का निवास रहा है और अब महाराष्ट्र सरकार मंदिर के पुनर्निर्माण तथा कॉरिडोर निर्माण का कार्य कर रही है। इस परियोजना पर करीब 1,500 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। इससे न केवल मंदिर परिसर का विकास होगा, बल्कि श्रद्धालुओं को भी बेहतर सुविधाएं मिलेंगी। उन्होंने कहा कि देश में यह सांस्कृतिक पुनर्जागरण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'विकास भी, विरासत भी' के विजन के तहत हो रहा है। महाराष्ट्र के सभी ज्योतिर्लिंगों और शक्तिपीठों के विकास और पुनरोद्धार का काम तेजी से चल रहा है। संबोधन में गृह मंत्री ने कहा कि पिछले 12 वर्षों में प्रधानमंत्री मोदी ने ऐसे कई कार्य पूरे किए हैं जिन्हें कभी असंभव माना जाता था। राम मंदिर का जिक्र करते हुए कहा कि एक समय लोगों को लगता था कि उनके जीवनकाल में अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण नहीं हो पाएगा, लेकिन 2014 में भाजपा सरकार बनने और नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद आज भव्य राम मंदिर भगवा ध्वज के साथ खड़ा है।

ईरान ने होर्मुज स्ट्रेट फिर बंद किया

लेबनान पर इजराइली हमलों में 16 लोगों की मौत के बाद फैसला, नेतन्याहू बोले- अटैक जारी रहेगा

एजेंसी ■ तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन

ईरान ने फिर से होर्मुज स्ट्रेट को बंद कर दिया है। ईरान की जॉइंट मिलिट्री कमांड ने सरकारी टीवी पर ऐलान करते हुए कहा कि इसकी वजह लेबनान में हो रहे इजराइली हमले हैं।

अमेरिका और ईरान के बीच 17 जून की रात शांति समझौते पर दस्तखत हुए थे। इसमें होर्मुज को खोलने और लेबनान में हमले बंद करने की शर्तें थीं। पीस डील पर साइन के बाद भी इजराइल ने लेबनान में हमले जारी रखे थे।

इसके बाद ट्रम्प की पहल पर 19 जून की रात इजराइल और लेबनान के बीच सीजफायर का ऐलान हुआ था। हालांकि सीजफायर के ऐलान के 8 घंटे बाद ही इजराइल और लेबनान के बीच संघर्ष शुरू हो गया। अल जजीरा के मुताबिक, इजराइली सेना ने ड्रोन और तोपों से नबाहितए इलाके में हमला किया जिसमें कम से कम 16 लोगों की मौत हो गई।

इजराइली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा है कि इजराइल अपनी सुरक्षा से कोई

समझौता नहीं करेगा। उन्होंने कहा कि इजराइल गाजा और लेबनान में अपने सैन्य अभियान जारी रखेगा।

ईरान 28 लाख करोड़ के फंड पर अड़ा, खाड़ी देश इस पर राजी नहीं

ईरान की रणनीति क्या है? ईरान डील में 28 लाख करोड़ के फंड पर अड़ा है, जबकि खाड़ी देश इस पर राजी नहीं हैं। शांति की चाबी ईरान के पास है, वह होर्मुज चोकपॉइंट पर सौदेबाजी करेगा। क्या इजराइल हमले रोकेगा? पश्चिम एशिया में इजराइल का वजूद अमेरिका की बदौलत है। इजराइल अभी लेबनान पर हमले कर अपनी ताकत दिखाएगा, पर अमेरिका उसे जल्द रोक देगा। ट्रम्प अब आगे क्या करेंगे? ट्रम्प सबसे पहले खाड़ी देशों को ईरान पुनर्निर्माण फंड के 28 लाख करोड़ देने का दबाव डालेंगे। अभी ट्रम्प ईरान के खिलाफ सीधे बयान देने से परहेज करने वाले हैं। रूस-चीन का क्या रोल रहेगा? रूस और चीन ईरान के पक्ष में ही रहेंगे। ईरानी तेल के सबसे बड़े आयातक चीन को होर्मुज बंद होने से फर्क नहीं पड़ेगा। ईरान जहाज नाकाबंदी में भी उसे तेल देते रहे।

ईरान बोला- इजराइल पर लगाम नहीं लगा पा रहा अमेरिका

ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बकई ने कहा कि ईरान ने अपनी सभी जिम्मेदारियां पूरी की हैं, लेकिन अमेरिका, इजराइल को लेबनान पर हमले रोकने के लिए मजबूर करने में फेल रहा है। होर्मुज बंद करने की घोषणा के कुछ ही समय बाद बकई ने कहा कि लेबनान में सीजफायर का उल्लंघन पूरे समझौते को संकट में डाल रहा है। उन्होंने कहा कि ईरान, अमेरिका के साथ बातचीत के लिए एक प्रतिनिधिमंडल स्विट्जरलैंड भेज रहा है।

भारत ने अफगानिस्तान का सुपड़ा साफ किया, 3-0 से क्लीन स्वीप

एजेंसी ■ चेन्नई

भारत ने शनिवार को एमए चिदंबरम स्टेडियम में खेले गए वनडे सीरीज के अंतिम मुकाबले में अफगानिस्तान को 9 विकेट से मात देकर 3-0 से क्लीन स्वीप किया है। इस मैच में टीम इंडिया की तरफ से प्रसिद्ध कृष्णा ने सर्वाधिक 5 विकेट हासिल किए, जिसके बाद रोहित शर्मा और यशस्वी जायसवाल ने पहले विकेट के लिए 170 रन की मजबूत साझेदारी की। यह बतौर कप्तान शुभमन गिल की पहले वनडे सीरीज जीत है।

चेन्नई में टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने उतरी अफगान टीम 44.2 ओवरों में महज 218 रन पर सिमट गई। मेहमान टीम 36 के स्कोर तक अपने 4 विकेट गंवा चुकी थी। इसके बाद कप्तान हशमतुल्लाह शाहिदी ने अजमतुल्लाह ओमरजाई के साथ पांचवें विकेट के लिए 114 गेंदों में 105 रन जोड़कर टीम को संभाला। ओमरजाई 56 गेंदों में 2 छक्कों और 5 चौकों के साथ 50 रन बनाकर पवेलियन लौटे, जिसके बाद कप्तान ने मोहम्मद नबी के साथ छठे विकेट के लिए 57 रन जुटाए। नबी 21 रन टीम के खाते में जोड़कर आउट हुए। अफगानिस्तान ने 198 के स्कोर पर अपना छठा विकेट गंवाया, जिसके बाद महज 218 के स्कोर तक पूरी टीम सिमट गई। कप्तान शाहिदी आउट होने वाले अंतिम बल्लेबाज रहे, जिन्होंने 131 गेंदों में 1 छक्के और 13 चौकों के साथ 102 रन बनाए। भारत के लिए प्रसिद्ध कृष्णा ने 8.2 ओवरों में 23 रन देकर सर्वाधिक 5 विकेट हासिल किए, जबकि गुरनूर बरार, प्रिंस यादव और हर्ष दुबे ने 1-1 विकेट अपने नाम किया। इसके जवाब में भारत ने सिर्फ 28.4 ओवरों में मुकाबला अपने नाम कर लिया। टीम इंडिया को रोहित शर्मा और यशस्वी जायसवाल की सलामी जोड़ी ने शानदार शुरुआत दिलाई। दोनों खिलाड़ियों के बीच 137 गेंदों में 170 रन की साझेदारी हुई।

संक्षिप्त खबरें

विपक्ष मुक्त भारत बनाने पर तुले हुए हैं गृह मंत्री अमित शाह : तारिक अनवर

विश्व केसरी

नई दिल्ली। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता व सांसद तारिक अनवर ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि वे तो विपक्ष मुक्त भारत बनाने पर तुले हुए हैं। एक कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा था कि पहले हमें शिवसेना के शिंदे गुट को (एकनाथ) शिंदे गुट कहना पड़ता था। अब तो केवल शिवसेना है और कोई गुट नहीं रह गया है। नई दिल्ली में आईएएनएस से बात करते हुए कांग्रेस सांसद तारिक अनवर ने कहा कि अमित शाह चाहते हैं कि देश से विपक्ष खत्म हो जाए। शाह की मर्जी के मुताबिक भारत में वहीं पार्टी रहेंगी जो भाजपा को सपोर्ट करती हैं और जो उनके पाले में दूसरे दल को छोड़कर शामिल हो जाएं। पीएम मोदी के एक पुराने बयान का जिक्र करते हुए कांग्रेस सांसद ने कहा कि सभी जानते हैं पीएम मोदी कई बार कह चुके हैं कि उन्हें कांग्रेस मुक्त भारत बनाना है जबकि सच्चाई यह है कि उन्हें कांग्रेस मुक्त नहीं बल्कि विपक्ष मुक्त भारत बनाना है। बिहार के बेगूसराय में महिला के साथ गैंगरेप मामले पर कांग्रेस सांसद ने कहा कि इस घटना की जितनी निंदा की जाए कम है। उन्होंने कहा कि वर्तमान की एनडीए सरकार बिहार में जंगलराज की दुहाई देकर सत्ता में आई लेकिन बिहार में क्या हो रहा है? आए दिन हत्या, बलात्कार, और लूटपाट की घटनाएं हो रही हैं। राम मंदिर के चढ़ावे को लेकर एसआईटी जांच के आदेश पर कांग्रेस सांसद ने कहा कि भाजपा सरकार में राम मंदिर भी सुरक्षित नहीं है।

भोजपुर मुठभेड़ मामले की होगी न्यायिक जांच, सेवानिवृत्त हाईकोर्ट न्यायाधीश करेंगे जांच

विश्व केसरी

पटना। बिहार सरकार ने भोजपुर जिले के शाहपुर थाना क्षेत्र के बिलौटी गांव में हुई पुलिस मुठभेड़ में एक युवक की मौत के मामले की न्यायिक जांच कराने का निर्णय लिया है। सरकार ने मामले की स्वतंत्र, निष्पक्ष और पारदर्शी जांच सुनिश्चित करने के लिए उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश से जांच कराने का फैसला किया है। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने शनिवार को 'एक्स' पर पोस्ट शेयर कर बताया कि 17 जून 2026 को शाहपुर थाना क्षेत्र में हुई पुलिस मुठभेड़ की घटना को लेकर सरकार ने गंभीरता से संज्ञान लिया है। घटना के विभिन्न पहलुओं की निष्पक्ष जांच के लिए न्यायिक जांच कराने का निर्णय लिया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि न्यायिक जांच का मुख्य उद्देश्य पूरे मामले की स्वतंत्र एवं निष्पक्ष पड़ताल करना है, ताकि घटना से जुड़े सभी तथ्यों को सामने लाया जा सके। उन्होंने कहा कि जांच प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित की जाएगी और जांच रिपोर्ट के आधार पर आगे की आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। भोजपुर जिले के शाहपुर थाना क्षेत्र के बिलौटी गांव में 17 जून को हुई पुलिस मुठभेड़ में मानसिक रूप से परेशान युवक भरत भूषण तिवारी की मौत हो गई थी। घटना के बाद स्थानीय स्तर पर कई सवाल उठे थे और मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की जा रही थी। युवक के परिजनों और ग्रामीणों ने भी घटना को लेकर अपनी आपत्तियां दर्ज कराई थीं, जिसके बाद यह मामला चर्चा का विषय बन गया था। विपक्ष के साथ सत्ता पक्ष के नेता भी इस मामले को लेकर सवाल उठा रहे थे।

डीएमके नेता सेंथिल बालाजी के चेन्नई आवास पहुंची पुलिस, कई मामलों के बीच बढ़ी सियासी हलचल

विश्व केसरी

चेन्नई। द्रविड़ मुनेत्र कषगम (डीएमके) के वरिष्ठ नेता और तमिलनाडु के पूर्व बिजली एवं आबकारी मंत्री वी. सेंथिल बालाजी के चेन्नई स्थित आवास पर शनिवार को करूर जिले की पुलिस टीम पहुंची। इस कार्रवाई के बाद राज्य के राजनीतिक गलियारों में चर्चाओं का दौर तेज हो गया है, क्योंकि पूर्व मंत्री पहले से ही कई जांच एजेंसियों की जांच का सामना कर रहे हैं। सूत्रों के मुताबिक, करूर पुलिस की टीम एमआरसी नगर स्थित सेंथिल बालाजी के आवास पर पहुंची और वहां पूछताछ की। हालांकि, पुलिस के पहुंचने के समय सेंथिल बालाजी घर पर मौजूद नहीं थे। बताया जा रहा है कि पुलिस उनके भाई अशोक की भी तलाश कर रही थी और उससे जुड़े कुछ मामलों में जानकारी जुटा रही है। हालांकि, पुलिस की इस कार्रवाई का कारण अभी तक स्पष्ट नहीं हो पाया है। करूर जिला पुलिस और तमिलनाडु पुलिस मुख्यालय की ओर से इस संबंध में कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है कि पूछताछ किस मामले या शिकायत के आधार पर की गई। पश्चिमी तमिलनाडु के प्रभावशाली डीएमके नेताओं में गिने जाने वाले सेंथिल बालाजी पिछले कुछ वर्षों से कई जांच एजेंसियों के रडार पर हैं। उनके कार्यकाल से जुड़े कई मामलों की जांच अभी भी जारी है। इनमें सबसे चर्चित कथित 'नौकरी के बदले नकदी' (कैश-फॉर-जॉब) घोटाला है, जिसकी जांच प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत कर रहा है। इस मामले में ईडी पहले भी उनसे जुड़े परिसरों पर छापेमारी कर चुकी है।

नीट यूजी-2026 के उम्मीदवारों को डीटीसी में मिलेगी मुफ्त यात्रा की सुविधा : रेखा गुप्ता

विश्व केसरी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय पात्रता-सह-प्रवेश परीक्षा (नीट) यूजी 2026 की पुनर्परीक्षा की पूर्व संध्या पर दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि सभी उम्मीदवारों को रविवार को डीटीसी बसों में मुफ्त यात्रा करने की अनुमति दी जाएगी और उनके परिवार के सदस्य सभी 97 परीक्षा केंद्रों के बाहर स्पेशल कूलिंग जोन में प्रतीक्षा कर सकेंगे।

चिकित्सा प्रवेश परीक्षा के लिए छात्रों और उनके परिवारों को शुभकामनाएं देते हुए मुख्यमंत्री गुप्ता ने कहा कि दिल्ली सरकार ने यह सुनिश्चित किया है कि परीक्षा के दिन किसी भी परिवार को परिवहन, गर्मी या लंबे इंतजार से संबंधित अनावश्यक कठिनाइयों का सामना न करना पड़े।

उन्होंने कहा कि डीटीसी बसों में मुफ्त यात्रा का लाभ उठाने के लिए उम्मीदवारों को बस कंडक्टर को अपना वैध नीट एडमिट कार्ड दिखाना होगा। मुख्यमंत्री ने बताया कि शहर में नीट परीक्षा के लिए कुल 97 परीक्षा केंद्र निर्धारित किए गए हैं और जिला प्रशासन द्वारा इन सभी केंद्रों के पास स्पेशल कूलिंग जोन स्थापित किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह पहली बार है कि परीक्षा देने वाले छात्रों के साथ-साथ उनके माता-पिता और परिवार के सदस्यों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए विशेष प्रतीक्षा व्यवस्था की गई है। मुख्यमंत्री गुप्ता ने कहा कि जब तक उम्मीदवार परीक्षा केंद्रों के अंदर रहते हैं, तब तक बाहर घंटों इंतजार कर रहे अभिभावकों की चिंता, गर्मी और असुविधा अक्सर अनसुनी रह जाती है।

इस मानवीय पहलू को समझते हुए, दिल्ली सरकार ने परीक्षा केंद्रों के आसपास स्पेशल कूलिंग जोन बनाए हैं, जहां अभिभावकों को बैठने और आराम करने की सुविधा के साथ-साथ स्वच्छ पेयजल, चूने का पानी, ओआरएस, चाय और प्राथमिक चिकित्सा सहायता भी उपलब्ध होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली सरकार छात्रों को उनकी शिक्षा और प्रतियोगी परीक्षाओं के दौरान हर संभव सहायता और सुविधा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि जब अभिभावक सहज और आश्वस्त महसूस करते हैं, तो इसका छात्रों पर भी सकारात्मक प्रभाव पड़ता है, जिससे वे अधिक आत्मविश्वास के साथ परीक्षा में शामिल होते हैं।

महुआ बीनने के दौरान आकाशीय बिजली गिरने से दो की मौत, एक अन्य गंभीर घायल

विश्व केसरी

शहडोल। मध्य प्रदेश के शहडोल जिले में शनिवार को आकाशीय बिजली गिरने से एक महिला और उसकी आठ वर्षीय भतीजी की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि उनके साथ मौजूद एक अन्य महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। घटना के बाद पूरे गांव में शोक का माहौल है।

पुलिस के अनुसार, पपौंध थाना क्षेत्र के ओदारी गांव निवासी 50 वर्षीय इट्टो बाई गोंड अपनी आठ वर्षीय भतीजी सफीना सिंह और एक अन्य महिला के साथ घर से करीब एक किलोमीटर दूर महुआ बीनने गई थीं। इसी दौरान अचानक मौसम खराब हो गया और तेज गरज-चमक के साथ बारिश शुरू हो गई।

बताया गया कि पेड़ के पास अचानक आकाशीय बिजली गिर गई, जिसकी चपेट में आने से इट्टो बाई और सफीना सिंह की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं तीसरी महिला को बिजली का तेज झटका लगा और वह गंभीर रूप से घायल हो गई।

घटना की जानकारी मिलते ही ग्रामीणों ने परिजनों और पुलिस को सूचना दी। पपौंध थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। घायल महिला को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। यह हादसा ऐसे समय हुआ है जब मध्य प्रदेश में प्री-मानसून गतिविधियां तेज हो गई हैं। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने राज्य के 38 जिलों में गरज-चमक, आकाशीय बिजली और बारिश को लेकर अलर्ट जारी किया है।

मौसम विभाग के अनुसार, भोपाल, रायसेन, सीहोर, राजगढ़, विदिशा, इंदौर, बुरहानपुर, खंडवा, आगर-मालवा, शाजापुर, देवास, नर्मदापुरम, बैतूल, हरदा, ग्वालियर, गुना, शिवपुरी, दतिया, अशोकनगर, मुरैना, भिंड, श्योपुर, जबलपुर, कटनी, छिंदवाड़ा, सिवनी, नरसिंहपुर, बालाघाट, मंडला, डिंडोरी, पांढुर्णा, अनूपपुर, सागर, पन्ना, दमोह, छतरपुर, टीकमगढ़ और निवाड़ी सहित कई जिलों में तेज आंधी और बारिश की संभावना है। विदिशा, राजगढ़, गुना और रायसेन जिलों में 60 किलोमीटर प्रति घंटे तक की रफ्तार से तेज हवाओं और बिजली गिरने की चेतावनी जारी की गई है। वहीं सीहोर और आगर-मालवा जिलों के लिए ऑरेंज अलर्ट घोषित किया गया है।

मौसम विभाग ने बताया कि दक्षिण-पश्चिम मानसून अभी मध्य प्रदेश नहीं पहुंचा है और फिलहाल तेलंगाना के आसपास रुका हुआ है। यदि अगले दो-तीन दिनों में इसकी गति बढ़ती है तो मानसून 25 जून के आसपास राज्य में प्रवेश कर सकता है, जो सामान्य तिथि से करीब 8 से 10 दिन की देरी होगी।

आम आदमी पार्टी ने तरुण चुघ के घर के बाहर किया प्रदर्शन

विश्व केसरी

अमृतसर। आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने शनिवार को अमृतसर में केंद्र सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करते हुए भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुघ के घर का घेराव किया। इस दौरान पंजाब के मंत्री हरभजन सिंह, विधायक डॉ. इंद्रबीर सिंह निज्जर, कुलदीप सिंह धालीवाल और अजय गुप्ता ने केंद्र सरकार पर पंजाब के साथ भेदभाव करने का आरोप लगाया।

आईएएनएस से आप विधायक इंदरबीर सिंह निज्जर ने कहा, 'आज भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन अमृतसर आ रहे हैं और लुधियाना जा रहे हैं। हम चाहते हैं कि वे पंजाब के प्रति भाजपा की नीति साफ करें। चंडीगढ़ पर उनका क्या रुख है? क्या वे इसे पंजाब का हिस्सा मानते हैं या नहीं? नदी के पानी को लेकर उनकी क्या नीति है, पंजाब का हक कितना है और कितना नहीं? हमारे बांधों को लेकर उनकी क्या नीति है और उन पर किसका कंट्रोल होना चाहिए? जो हमें फंड देने थे, उसके बारे में बताएं कि कब जारी होगा।' मंत्री हरभजन सिंह ने कहा, आज अमृतसर में हम जो विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं, वह भाजपा की नीतियों और उसकी धर्म की राजनीति के खिलाफ है। भाजपा ने पंजाब में भी धार्मिक राजनीति लाने की कोशिश की है, लेकिन हम ऐसा नहीं होने देंगे। पंजाब गुरुओं और संतों की धरती है। हमारा संविधान धर्मनिरपेक्ष है और हमारा देश धर्मनिरपेक्षता के सिद्धांत पर बना है, हालांकि भाजपा इन सिद्धांतों का पालन नहीं कर रही है। केंद्र सरकार पंजाब के साथ भेदभाव कर रही है। पंजाब का फंड रोक दिया है।

अमेरिका और भारत के बीच होने वाले डील के विरोध में करेंगे प्रदर्शन : गुरनाम सिंह चढूनी

विश्व केसरी

चंडीगढ़। भारतीय किसान यूनियन (चढूनी) के राष्ट्रीय अध्यक्ष गुरनाम सिंह चढूनी भारत और अमेरिका के बीच होने वाले डील पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि हम इसके विरोध में आगामी 23 तारीख को विरोध प्रदर्शन करेंगे।

उन्होंने शनिवार को समाचार एजेंसी आईएएनएस से बातचीत में इस डील को असमानता का प्रतीक बताते हुए कहा कि अमेरिका के पास भारत से सात गुना ज्यादा रकबा है और चार गुना कम आबादी है। उसके पास पर्याप्त मात्रा में भी ज्यादा है। ऐसी स्थिति में हम उनकी शर्तों को मानें कि भारत उसके आयात पर टैक्स लगा सकता है और न ही उसकी सीमा निर्धारित कर सकता है। ऐसी स्थिति में अमेरिका की ओर से सारा उत्पाद भारत में बेचा जाएगा। भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय अध्यक्ष गुरनाम सिंह चढूनी ने कहा कि ऐसी स्थिति में भारत की खेती बर्बाद होगी और किसान भाई अपनी जमीन बेचने के लिए मजबूर होंगे। कंपनी की ओर से जमीनों को खरीदा जाएगा। इसके बाद कंपनियां खाने वाले को ब्लैक करेंगी। दूसरा भारत से जीएम वाले भी फैसलें आएंगी। उससे भारत में किस तरह की बीमारियां फैलेंगी, इस पर अभी क्या ही टिप्पणी करें। इतना साफ है कि इससे हम आर्थिक गुलामी की ओर बढ़ जाएंगे।

पहले हम ब्रिटेन के गुलाम थे और आने वाले समय में हम अमेरिका के गुलाम हो जाएंगे। लिहाजा हमें पूरी स्थिति पर अंकुश लगाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि आगामी 23 जून को इस पर हस्ताक्षर होने वाले हैं।

नकल माफियाओं के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करेगी सरकार : अजय आलोक

विश्व केसरी

नई दिल्ली। भाजपा प्रवक्ता अजय आलोक ने 21 जून को होने वाली नीट परीक्षा को लेकर कहा कि सरकार की सभी एजेंसियां सक्रिय बनीं हुई हैं। किसी भी प्रकार चूक नहीं हुई है और सारी व्यवस्थाएं की जा चुकी है। एनटीए फिलहाल कोई रिस्क नहीं लेना चाहती थी।

उन्होंने शनिवार को समाचार एजेंसी आईएएनएस से बातचीत में कहा कि हम हर कीमत पर नकल माफियाओं को पेपर लीक कराने वाले माफियाओं की कमर तोड़कर रहेंगे। इन माफियाओं को किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। अब इन लोगों के पूरे तंत्र पर सीधा हमला होगा।

भाजपा प्रवक्ता अजय आलोक ने पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी और टीएमसी की दुर्दशा पर भी प्रतिक्रिया दी। उनके मुताबिक, तब्लिगी मरगस कॉरपोरेशन ताश के पत्तों की तरह बिखर गया। आप सहज ही अंदाजा लगा सकते हैं कि इस पार्टी में किस घुटन में इसके नेता रह रहे थे। ममता बनर्जी के लोगों ने पश्चिम बंगाल में त्राहिमाम मचा रखा था।

साथ ही, उन्होंने एकनाथ शिंदे के उस बयान पर भी प्रतिक्रिया दी, जिसमें उन्होंने कहा था कि कांग्रेस के साथ अगर कोई जाएगा, तो उसे नुकसान ही होगा।

निंबालकर हत्याकांड : आरोपियों को बरी करने के फैसले को हाईकोर्ट में चुनौती देगी सीबीआई

विश्व केसरी

नई दिल्ली। पवनराजे निंबालकर हत्याकांड में सभी आरोपियों को बरी किए जाने के बाद अब सीबीआई ने इस फैसले को चुनौती देने का फैसला किया है। एजेंसी ने स्पष्ट किया है कि वह मुंबई की विशेष अदालत के फैसले के खिलाफ हाईकोर्ट में अपील दायर करेगी।

दरअसल, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पवनराजे निंबालकर की 3 जून 2006 को नवी मुंबई में दिनदहाड़े गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस हमले में उनके चालक समद काजी की भी मौत हो गई थी। उस समय इस हत्याकांड ने महाराष्ट्र की राजनीति में बड़ा भूचाल ला दिया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए बॉम्बे हाईकोर्ट के निर्देश पर जांच सीबीआई को सौंपी गई थी। सीबीआई ने विस्तृत जांच के बाद 20 अगस्त 2009 को पहली चार्जशीट और 4 जून 2010 को पूरक चार्जशीट दाखिल की थी। एजेंसी ने इस मामले में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) सांसद पद्मसिंह बाजीराव पाटिल समेत कुल नौ आरोपियों को नामजद किया था। सुनवाई के दौरान एक आरोपी सरकारी गवाह भी बन गया था। करीब दो दशक तक चली कानूनी प्रक्रिया के बाद मुंबई की विशेष सीबीआई अदालत (सेशन कोर्ट-55) ने 20 जून 2026 को अपना फैसला सुनाते हुए सभी नौ आरोपियों को बरी कर दिया। अदालत ने अपने फैसले में सबूतों की कमी और जांच में कई महत्वपूर्ण खामियों का हवाला दिया। हालांकि, सीबीआई इस फैसले से सहमत नहीं है। जांच एजेंसी का कहना है कि जांच के दौरान आरोपियों के खिलाफ मजबूत और पर्याप्त साक्ष्य जुटाए गए थे। इसी आधार पर सीबीआई अब ट्रायल कोर्ट के फैसले को हाईकोर्ट में चुनौती देगी।

पवनराजे निंबालकर हत्याकांड महाराष्ट्र के सबसे चर्चित राजनीतिक हत्या से जुड़े मामलों में से एक माना जाता है। 3 जून 2006 को हुई इस दोहरे हत्याकांड की गूंज वर्षों तक राजनीतिक और कानूनी गलियारों में सुनाई देती रही। अब ट्रायल कोर्ट के फैसले के बाद यह मामला एक बार फिर चर्चा में है और सबकी निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि हाईकोर्ट में सीबीआई की अपील पर क्या फैसला आता है।

सेला टनल ने तवांग की कनेक्टिविटी में लाई क्रांति, पूर्वोत्तर के इंफ्रास्ट्रक्चर बदलाव का प्रतीक : उपमुख्यमंत्री चौना मीन

विश्व केसरी

ईटानगर। अरुणाचल प्रदेश के उपमुख्यमंत्री चौना मीन ने शनिवार को कहा कि सेला टनल ने तवांग क्षेत्र की कनेक्टिविटी में क्रांतिकारी बदलाव लाया है। इस सुरंग के कारण अब पूरे साल हर मौसम में तवांग तक पहुंच संभव हो गई है, जिससे आवाजाही आसान हुई है, सामरिक बुनियादी ढांचे को मजबूती मिली है और क्षेत्र के विकास के नए अवसर खुले हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 9 मार्च 2024 को 13,000 फीट की ऊंचाई पर स्थित दुनिया की सबसे लंबी दो-लेन वाली सेला टनल का उद्घाटन किया था। दो सुरंगों और एक लिंक रोड से बनी यह परियोजना भारत-चीन (तिब्बत) और भूटान की त्रि-जंक्शन सीमा के निकट स्थित तवांग क्षेत्र को सालभर जोड़ने का काम करती है।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर किए गए कई पोस्ट में चौना मीन ने कहा कि सेला टनल ने पूरे क्षेत्र की तस्वीर बदल दी है। इससे सालभर सुरक्षित आवागमन सुनिश्चित हुआ है और भारतीय सशस्त्र बलों की आवाजाही भी अधिक सुगम हुई है। उन्होंने कहा, 'जो रास्ता कभी भारी बर्फबारी के कारण बाधित रहता था, वह अब पूरे साल खुला रहता है। सेला टनल ने तवांग की कनेक्टिविटी में क्रांति ला दी है। इससे हर मौसम में पहुंच संभव हुई है, रणनीतिक बुनियादी ढांचे को मजबूती मिली है और क्षेत्र में विकास की नई संभावनाएं पैदा हुई हैं।'

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) द्वारा निर्मित यह परियोजना पूर्वोत्तर में व्यापक आधारभूत ढांचा विकास अभियान का हिस्सा है। बेहतर सड़कें, आधुनिक रेलवे स्टेशन और नई इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजनाएं इस क्षेत्र को देश के बाकी हिस्सों से पहले की तुलना में कहीं अधिक मजबूती से जोड़ रही हैं।

राम मंदिर से चंदा चोरी मामले में सीएम योगी जानबूझकर दोषियों को बचाने की कोशिश कर रहे : रामजीलाल सुमन

विश्व केसरी

नई दिल्ली। राम मंदिर चंदे को लेकर अखिलेश यादव के बयान पर समाजवादी पार्टी के राज्यसभा सांसद रामजीलाल सुमन ने कहा, 'सच अब सामने आ गया है। जब जांच में यह साबित हो गया कि चोरी हुई थी, तो इसे वैसे ही स्वीकार किया जाना चाहिए। जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। इस मामले में ऐसी कार्रवाई की उम्मीद है। मुझे ऐसा लगता है कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जानबूझकर दोषियों को बचाने की कोशिश कर रहे हैं। इस मामले में तत्काल कार्रवाई होनी चाहिए।' रामजीलाल सुमन ने आईएएनएस से बातचीत में कहा, 'मुझे नहीं लगता कि मंदिर में चढ़ावा चढ़ाना बंद किया जाना चाहिए। हमारे देश में कई धार्मिक और आस्था रखने वाले लोग हैं, जिनकी अपने धर्म में गहरी आस्था है। वह एक अलग बात है। हालांकि, ऐसे चढ़ावे के प्रबंधन में पारदर्शिता होनी चाहिए। मेरा मानना है कि न केवल अयोध्या का राम मंदिर बल्कि सभी धार्मिक स्थल जहां भक्त दान और चढ़ावा देते हैं, वहां उचित ऑडिट और जांच होनी चाहिए। पारदर्शिता सुनिश्चित करने और भक्तों द्वारा दिए गए धन का दुरुपयोग या चोरी रोकने के लिए, यह जरूरी है।'

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने चंदे विवाद पर किसी को टिप्पणी न करने की बात कही है। इस पर रामजीलाल सुमन ने कहा, योगी आदित्यनाथ जिस तरह की भाषा बोल रहे हैं, वह न्यायसंगत नहीं है। मुख्यमंत्री होने के नाते योगी आदित्यनाथ का फर्ज था कि जब एसआईटी ने पुष्टि कर दी है कि चंदे में चोरी हुई है तो उनको गुमराह करने की बजाय कार्रवाई करनी चाहिए।'

किसान ने खाया जहर : नायब तहसीलदार ने ट्रैक्टर छोड़ने के बदले मांगे थे 50 हजार

कलेक्टर ने दिए जांच के आदेश

विश्व केसरी

कसडोल/बलौदाबाजार। रिश्वत के आरोपों के बीच कसडोल के चांटीपाली गांव के किसान कमल ओगरे ने जहर खा लिया। परिजनों ने नायब तहसीलदार आकांक्षा तिवारी पर ट्रैक्टर छोड़ने के एवज में 50 हजार रुपये मांगने का आरोप लगाया है। हालत बिगड़ने पर किसान को अस्पताल में भर्ती कराया गया। अब उनकी हालत स्थिर है। कलेक्टर ने एसडीएम को 3 दिन में जांच रिपोर्ट देने के निर्देश दिए हैं।

नदी से रेत लाते पकड़ा गया ट्रैक्टर

किसान के बेटे राज ओगरे का आरोप है कि वह महानदी से ट्रैक्टर में रेत लेकर लौट रहा था। तभी नायब तहसीलदार ने उसे रोक लिया। आरोप है कि ट्रैक्टर छोड़ने के लिए 50 हजार रुपये मांगे गए। इनकार करने पर ट्रैक्टर कसडोल थाने में खड़ा करवा दिया गया।

परिजनों का कहना है कि उसी दौरान दो अन्य ट्रैक्टर भी रोके गए थे। कथित लेन-देन के बाद उन्हें छोड़ दिया गया, लेकिन उनका ट्रैक्टर जब्त रहा।

आर्थिक तंगी से जूझ रहा है परिवार

परिवार के मुताबिक कमल ओगरे पहले से आर्थिक तंगी से जूझ रहे थे। ट्रैक्टर जब्त होने और रिश्वत की मांग से परेशान होकर उन्होंने जहर खा लिया। परिजन उन्हें तुरंत कसडोल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए। बीएमओ वंदना भेले ने बताया कि समय पर इलाज मिलने से जान बच गई। फिलहाल हालत खतरे से बाहर है।

कांग्रेस विधायक पहुंचे अस्पताल, निष्पक्ष जांच की मांग

इस घटना की खबर मिलते ही स्थानीय विधायक संदीप साहू अस्पताल पहुंचे। उन्होंने किसान का हाल जाना और मामले को गंभीर बताया। कहा कि अवैध वसूली या दबाव की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। रेत परिवहन, ट्रैक्टर जब्ती और कथित लेन-देन की गहन जांच जरूरी है। विधायक ने कलेक्टर और संबंधित मंत्री के सामने मामला उठाने का आश्वासन दिया।

नायब तहसीलदार ने आरोप नकारे

दूसरी ओर नायब तहसीलदार आकांक्षा तिवारी ने सभी आरोपों को खारिज किया है। उनका कहना है कि रेत परिवहन पर कार्रवाई नियमों के तहत थी। किसी तरह की रिश्वत नहीं मांगी गई। आरोपों को बेबुनियाद बताया और कहा कि जांच में सच्चाई सामने आ जाएगी।

कलेक्टर ने दिए जांच के आदेश

मामला तूल पकड़ने पर कलेक्टर कुलदीप शर्मा ने तुरंत संज्ञान लिया। एसडीएम को ट्रैक्टर जब्ती, रेत परिवहन कार्रवाई, रिश्वत के आरोप और जहर सेवन की परिस्थितियों की विस्तृत जांच कर 3 दिन में रिपोर्ट देने को कहा है।

रायपुर में जूनियर डॉक्टर्स का कैंडल मार्च

स्टाइपेंड, आउटसोर्सिंग रद्द करने सहित तीन मांग पर अड़े डॉक्टर, आंदोलन की चेतावनी

विश्व केसरी

रायपुर। तीन मांग को लेकर नेहरू स्मृति चिकित्सा कॉलेज, रायपुर में जूनियर चिकित्सकों ने कैंडल मार्च निकाला। जूनियर डॉक्टर्स एसोसिएशन छत्तीसगढ़ और छत्तीसगढ़ डॉक्टर्स फेडरेशन के संयुक्त बैनर से इस मार्च में बड़ी संख्या में इंटर्न, पीजी रेजिडेंट्स, सीनियर रेजिडेंट्स और सुपरस्पेशलिटी डॉक्टर शामिल हुए। हाथों में मोमबत्तियां और पार्टियों की तख्तियां लेकर विरोधियों ने सरकार तक अपनी आवाज पहुंचाई।

तीन प्रमुख मांगें क्या हैं?

स्टाइपेंड में : इंटर्नशिप, पीजी, एसआर और सुपरस्पेशलिटी डॉक्युमेंट्स के स्टाइपेंड में बढ़ोतरी हो। साथ ही सुपरस्पेशलिटी कैडर का किया जाए।

आउटसोर्सिंग रद्द हो : राज्य के मेडिकल प्रोफेशनल्स से आउटसोर्सिंग का फैसला तुरंत वापस लिया जाए।

स्थानीय का भविष्य सुरक्षित हो : छत्तीसगढ़ के के रोजगार के अवसर और चिकित्सा व्यवस्था की सुरक्षा सुनिश्चित हो।

चिकित्सकों ने कहा कि लंबे समय से जयाज को मंजूरी दी जा रही है। अंतर्राष्ट्रीय से सुपरस्पेशलिटी तक सभी को सम्मान और आर्थिक सुरक्षा नहीं मिल रही। हाल ही में स्वास्थ्य विभाग के आदेश से चिंता है। इसमें अन्य राज्यों के को बिना स्थानीय पंजीकरण के काम करने की जानकारी है।

'ये सिर्फ वेतन का भुगतान नहीं' चिकित्सकों ने साफ किया कि यह आंदोलन केवल वेतन वृद्धि का नहीं है। यह छत्तीसगढ़ के चिकित्सा क्षेत्र के भविष्य, स्थानीय युवाओं के अवसर और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं की रक्षा का प्रश्न है। चिकित्सकों ने चेतावनी दी है कि यदि सरकार समय रहते सकारात्मक निर्णय नहीं लेती है तो व्यापक आंदोलन की रणनीति पर विचार करेगी। मार्च के दौरान 'हमारा हक - हमारी आवाज - हमारा भविष्य 'स्थानीय डॉक्टरों को बचाएं, हमारा भविष्य बचाएं' और 'हमारे काम का सम्मान करें, हमारे अधिकारों का सम्मान करें' के नारे लगाए गए। चिकित्सकों ने कहा कि यह आंदोलन पूरे चिकित्सक समुदाय का सम्मान और भविष्य का है। उन्होंने सरकार से संवाद कर अविश्वास पर विचार करने की अपील की।

मानसून के दस्तक से पहले, प्रदेश के कई हिस्सों में बारिश के साथ वज्रपात के आसार

विश्व केसरी

रायपुर। छत्तीसगढ़ में मानसून की दस्तक से पहले मौसम लगातार करवट बदल रहा है। बीते कुछ दिनों से प्रदेश के कई हिस्सों में आंधी, बारिश और गरज-चमक का दौर जारी है। भीषण गर्मी के बीच मौसम में आए इस बदलाव से लोगों को कुछ राहत मिली है। हालांकि, मानसून के समय पर नहीं पहुंचने से किसानों की चिंता बढ़ गई है और खरीफ फसलों की बुवाई को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है।

मौसम विभाग के अनुसार, पिछले 24 घंटों में प्रदेश के सभी संभागों के कुछ स्थानों पर मध्यम से तीव्र मेघगर्जन के साथ वज्रपात के वर्षा हुई है। आगामी दो दिनों तक प्रदेश के कुछ स्थानों पर तीव्र वज्रपात की गतिविधि जारी रहने की संभावना है।

पिछले 24 घंटे में कैसा रहा मौसम

प्रदेश के कई स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा दर्ज की गई। शुक्रवार को प्रदेश में सर्वाधिक अधिकतम तापमान 37.0 डिग्री सेल्सियस रायपुर में दर्ज किया गया, जबकि सबसे कम न्यूनतम तापमान 22.7 डिग्री सेल्सियस अंबिकापुर में रिकॉर्ड किया गया।

इन क्षेत्रों में हुई वर्षा

प्रदेश के विभिन्न हिस्सों में वर्षा दर्ज की गई। मौसम विभाग के अनुसार, करपावंड और सामरी में 5 सेमी, बास्तानार में 4 सेमी, जबकि बकावंड, अंबिकापुर, भनपुरी में 3 सेमी वर्षा दर्ज की गई। नगरी, छुईखदान, मर्दापाल, लोहांडीगुड़ा, कुकरेल, दुर्ग, लाभांडीह, रायपुर शहर, पलारी और कोंडागांव में 2 सेमी वर्षा हुई। अन्य कई स्थानों पर इससे कम वर्षा रिकॉर्ड की गई।

सिनॉप्टिक सिस्टम

पंजाब से हरियाणा और उत्तर प्रदेश से होते हुए बिहार तक मौसमी द्रोणिका समुद्र तल पर बनी हुई है। वहीं एक द्रोणिका पूर्वी विदर्भ से तेलंगाना और आंध्र प्रदेश होते हुए तमिलनाडु तक समुद्र तल से 0.9 किलोमीटर की ऊंचाई पर बना हुआ है।

डाकघर में ज्यादा ब्याज का झांसा देकर महिला से 6 लाख की ठगी

पुलिस ने दर्ज किया अपराध, जांच शुरू

विश्व केसरी

रायपुर/कोरबा। पति की मौत के बाद बीमा के पैसे और घर का ट्रैक्टर बेचकर जुटाई गई जमापूंजी को उसने इस भरोसे के साथ सौंप दिया था कि उससे मिलने वाला ब्याज उसके परिवार का सहारा बनेगा। लेकिन घर चलाने की मजबूरी में किया गया यह फैसला उसके लिए भारी पड़ गया। ठग से राशि डाकघर में जमा कराने के नाम पर तो ले ली, जमा कराने के बाद कर्जदारों को राशि चुका दी। उरगा थाना क्षेत्र की फरसवानी निवासी रिंकी राठौर के पति दीनदयाल राठौर का सितंबर 2021 में निधन हो गया। परिवार के मुखिया के चले जाने के बाद घर की जिम्मेदारी उसके कंधों पर आ गई। बीमा से मिली राशि को सुरक्षित निवेश करने की चिंता थी।

इसी बीच परिचित प्रदीप बिंझवार ने खुद को डाकघर से जुड़ा बताते हुए अधिक ब्याज का भरोसा दिलाया। रिंकी ने पुलिस को बताया कि पति के निधन के बाद ट्रैक्टर भी घर में बेकार पड़ा था। खेती और अन्य कार्यों में उसका उपयोग नहीं हो पा रहा था। ऐसे में उसने ट्रैक्टर बेचने का फैसला किया, ताकि कुछ अतिरिक्त रकम जुटाई जा सके। बीमा की राशि और ट्रैक्टर बिक्री से मिले पैसों को मिलाकर करीब छह लाख रुपये हुए। उसकी योजना थी कि पूरी रकम जमा कर दी जाए और उससे मिलने वाले ब्याज से घर का खर्च चलता रहे।

अगस्त 2022 में प्रदीप ने डाकघर में जमा कराने के नाम पर रकम ले ली। समय बीतता गया और रिंकी भरोसा करती रही कि उसकी पूंजी सुरक्षित है। नवंबर 2024 में खाते की जानकारी लेने पर उसे पता चला कि उसके नाम पर केवल 50 हजार रुपये ही जमा हुए थे। यह जानकारी मिलते ही उसके पैरों तले जमीन खिसक गई। पूछताछ करने पर प्रदीप ने पुलिस को बताया कर्ज में डूबा हुआ था और रिंकी से ली गई रकम को उसने अपना कर्ज चुकाने में खर्च कर दिया। रिंकी का कहना है कि पति के निधन के बाद यही पूंजी उसके भविष्य का आधार थी। उसी से मिलने वाली आय के भरोसे उसने आगे का जीवन चलाने की योजना बनाई थी।

पुरंदर मिश्रा बताएं कि किस तरह की भाषा बोल रहे हैं : शैलेश पांडेय

विश्व केसरी

रायपुर/बिलासपुर। वरिष्ठ कांग्रेस नेता एवं पूर्व विधायक शैलेश पांडेय ने भाजपा विधायक पुरंदर मिश्रा द्वारा लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को लेकर दिए गए बयान की कड़ी निंदा की है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में वैचारिक मतभेद हो सकते हैं, लेकिन इस तरह की अमर्यादित और स्तरहीन भाषा भाजपा नेताओं की हताशा और मानसिक दिवालियापन को दर्शाती है।

शैलेश पांडेय ने तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि पुरंदर मिश्रा बताएं कि आखिर वह कौन सा घटिया नशा करते हैं, जिसके प्रभाव में इस तरह की अशोभनीय और गैर-जिम्मेदाराना बयानबाजी कर रहे हैं। देश के करोड़ों लोगों की आवाज़ बन चुके राहुल गांधी के लिए अपमानजनक शब्दों का इस्तेमाल करना भाजपा की संस्कारहीन राजनीति का परिचायक है।

उन्होंने कहा कि पुरंदर मिश्रा का बयान उनकी राजनीतिक कुंठा, हताशा और भाजपा की गिरती राजनीतिक संस्कृति का प्रमाण है। भाजपा नेताओं के पास जनता के सवालों का जवाब नहीं है, इसलिए वे व्यक्तिगत हमलों और निम्न स्तर की बयानबाजी के जरिए सुर्खियां बटोरने की कोशिश कर रहे हैं। शैलेश पांडेय ने कहा कि राहुल गांधी संविधान बचाने, सामाजिक न्याय और देश के युवाओं, किसानों और गरीबों के हक की लड़ाई लड़ रहे हैं। उनसे राजनीतिक मुकाबला करने की क्षमता नहीं होने के कारण भाजपा के नेता अपमानजनक शब्दों का सहारा ले रहे हैं। भाजपा के नेता केवल व्यक्तिगत टिप्पणियों और राजनीतिक नौटंकी में लगे हुए हैं। शैलेश पांडेय ने चेतावनी देते हुए कहा कि अगर भाजपा विधायक अपनी भाषा पर संयम नहीं रखेंगे तो कांग्रेस कार्यकर्ता भी जनता के बीच उनके बयानों का करारा जवाब देने के लिए मजबूर होंगे। लोकतंत्र में असहमति का अधिकार है, लेकिन अभद्रता और राजनीतिक गुंडागर्दी को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।कांग्रेस पार्टी ऐसे अभद्र बयानों की कड़ी निंदा करती है और पुरंदर मिश्रा से सार्वजनिक रूप से माफी मांगने की मांग करती है।

जशपुर वनमण्डल ने रचा इतिहास, गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज हुआ नाम

- एक दिन में 2 लाख से अधिक सीडबॉल प्रसार कर बनाया विश्व रिकॉर्ड
- मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की उपस्थिति में जशपुर वनमण्डल को मिला आधिकारिक प्रमाण-पत्र

विश्व केसरी

रायपुर। पर्यावरण संरक्षण और जनभागीदारी के क्षेत्र में जशपुर वनमण्डल ने एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करते हुए एक ही दिन में 2 लाख से अधिक सीडबॉल के प्रसार एवं रोपण का कार्य संपादित कर गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में अपना नाम दर्ज कराया है। इस उल्लेखनीय उपलब्धि के लिए बगिया स्थित मुख्यमंत्री कैम्प कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड की राज्य प्रमुख सोनल राजेश शर्मा ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की उपस्थिति में जशपुर वनमण्डल को आधिकारिक प्रमाण-पत्र प्रदान किया। वनमण्डल की ओर से यह प्रमाण-पत्र वनमण्डलाधिकारी शशि कुमार ने प्राप्त किया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने जशपुर वनमण्डल, वन विभाग तथा अभियान से जुड़े सभी नागरिकों को बधाई देते हुए कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल सरकारी दायित्व नहीं, बल्कि समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि जशपुर में संचालित 'बीज गोला बनाबो, जशपुर के जंगल ला बढ़ाबो' अभियान जनभागीदारी और प्रकृति संरक्षण का उत्कृष्ट उदाहरण बनकर उभरा है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि जब शासन, प्रशासन और समाज किसी सकारात्मक उद्देश्य के लिए एकजुट होकर कार्य करते हैं, तब असंभव प्रतीत होने वाले लक्ष्य भी सहजता से प्राप्त किए जा सकते हैं। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि न केवल जशपुर, बल्कि पूरे छत्तीसगढ़ के लिए गर्व का विषय है तथा पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में अन्य जिलों के लिए भी प्रेरणास्त्रोत बनेगी।जशपुर वनमण्डल द्वारा संचालित महत्वाकांक्षी अभियान 'बीज गोला बनाबो, जशपुर के जंगल ला बढ़ाबो' के तहत जिले के विभिन्न क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर सीडबॉल प्रसार कार्यक्रम आयोजित किया गया। अभियान का उद्देश्य प्राकृतिक वनस्पतियों के संरक्षण, जैव विविधता के संवर्धन और हरित आवरण में वृद्धि के माध्यम से पर्यावरणीय संतुलन को सुदृढ़ करना है।

पत्रकारों की आवासीय समिति में बड़ा बदलाव सुनील नामदेव बने नए अध्यक्ष, प्रेम पाठक हटाए गए

विश्व केसरी

रायपुर। पत्रकारो की आवासीय सोसाइटी छत्तीसगढ़ पत्रकार गृह निर्माण सहकारी समिति मर्यादित (मीडिया सिटी) में लंबे समय से चल रहे विवाद के बीच शनिवार को बड़ा घटनाक्रम सामने आया। समिति के सदस्यों की विशेष बैठक में पारित संकल्प प्रस्ताव के तहत प्रेम पाठक को अध्यक्ष पद से हटा दिया गया, जबकि सुनील नामदेव को नया कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त किया गया है।

सदस्यों ने आरोप लगाया कि पिछले कई वर्षों से समिति की आमसभा (AGM) नहीं हुई, सदस्यों को वित्तीय एवं प्रशासनिक जानकारी उपलब्ध नहीं कराई गई और पारदर्शिता का अभाव रहा। इन मुद्दों को आधार बनाते हुए सभा ने अध्यक्ष पद में बदलाव का निर्णय लिया। बैठक में सुनीता सिंह को कार्यकारी उपाध्यक्ष भी नियुक्त किया गया। साथ ही प्रेम पाठक के कार्यकाल में हुए वित्तीय, प्रशासनिक और अन्य निर्णयों की स्वतंत्र जांच कराने का प्रस्ताव भी पारित किया गया। सदस्यों ने पूर्व उपाध्यक्ष सुनीता तिवारी द्वारा लगाए गए आरोपों की जांच कराने तथा जांच में किसी प्रकार की अनियमितता पाए जाने पर संबंधित व्यक्तियों के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई करने का भी निर्णय लिया।

इस फैसले के बाद मीडिया सिटी की राजनीति में नया मोड़ आ गया है और आने वाले दिनों में जांच एवं आगे की कार्रवाई पर सभी की नजरें टिकी रहेंगी।

'प्राकृतिक खेती कार्यशाला' में उमड़ा किसानों का सैलाब

एक बड़े आंदोलन के रूप में उभर रही है प्राकृतिक खेती : पवन साय

विश्व केसरी

रायपुर। जोरा स्थित कृषि विज्ञान केन्द्र के किसानों से भरे खचाखच सभागार में कार्यशाला को संबोधित करते हुए भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय ने कहा कि किसानों की आय दोगुनी करने और खेती को घाटे के सौदे से बाहर निकालने के लिए 'प्राकृतिक खेती' सबसे अचूक हथियार साबित हो रही है।

पारम्परिक रासायनिक खेती में किसानों का एक बड़ा हिस्सा महंगे बीजों, रासायनिक खादों और कीटनाशकों को खरीदने में खर्च हो जाता है, जिससे उनकी शुद्ध कमाई बहुत कम रह जाती है। साय ने कहा कि प्राकृतिक खेती के सिद्धांतों के तहत, खेती के लिए आवश्यक सभी इनपुट्स जैसे जीवामृत, बीजामृत और नीमास्त्र आदि किसान अपने घर पर ही स्थानीय संसाधनों से तैयार करते हैं प्राकृतिक खेती अपनाने से हवा, पानी और भोजन में घुल रहे जहरीले रसायनों पर रोक लगेगी, जिससे कैंसर, लिवर और किडनी से जुड़ी बीमारियों में भारी कमी आएगी। इसके साथ ही, यह खेती प्रकृति के अनुकूल है, जो मित्र कीटों, पक्षियों और पर्यावरण के पूरे चक्र को सुरक्षित रखती है। यह केवल एक खेती की पद्धति नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के स्वास्थ्य को सुरक्षित रखने का एक महाअभियान है। छत्तीसगढ के किसान भाई इस साल अपने खेतो मे शुरूआत करे और आगामी दिनो मे इसे धीरे धीरे शतप्रतिशत जैविक खेती मे तब्दील करे । पवन साय ने किसान मोर्चा के राष्ट्रीय मंत्री और छत्तीसगढ़ प्रभारी बजरंगी प्रसाद यादव ने कहा है कि आज के समय में कृषि में रासायनिक खादों और कीटनाशकों के अत्यधिक प्रयोग ने न केवल हमारी फसलों को जहरीला बना दिया है, बल्कि इसका सीधा असर मानव स्वास्थ्य और पर्यावरण पर पड़ रहा है।

इस गंभीर समस्या के समाधान के रूप में 'प्राकृतिक खेती' एक बड़े आंदोलन के रूप में उभर रही है। यह पद्धति पूरी तरह से सिंथेटिक रसायनों से मुक्त है। कार्यशाला को सम्बोधित करते हुए प्रदेश सरकार के कृषि मंत्री रामविचार नेताम ने कहा कि लगातार यूरिया और डीएपी के इस्तेमाल से देश की उपजाऊ मिट्टी कड़क और बेजान होती जा रही है। कृषि वैज्ञानिकों ने चेतावनी दी है कि यदि मिट्टी का स्वास्थ्य नहीं सुधारा गया, तो भविष्य में खाद्यान्न संकट खड़ा हो सकता है। ऐसे में प्राकृतिक खेती मिट्टी के लिए 'संजीवनी' साबित हो रही है। इस पद्धति में गाय के गोबर और गोमूत्र से तैयार 'जीवामृत' का उपयोग किया जाता है, जो मिट्टी में सुप्त पड़े केंचुओं और लाभकारी सूक्ष्मजीवों को सक्रिय कर देता है। मिट्टी स्पंज की तरह काम करने लगती है, जिससे उसकी नमी सोखने की क्षमता बढ़ जाती है। इसका सीधा फायदा यह होता है कि सूखे की स्थिति में भी फसलें लंबे समय तक टिकी रहती हैं और भू-जल स्तर पर भी अनुकूल प्रभाव पड़ता है।

कार्यशाला में प्राकृतिक खेती की नवीन तकनीकों, जैविक संसाधनों के प्रभावी उपयोग, मिट्टी की सेहत, जल संरक्षण, कीट प्रबंधन और किसानों की आय बढ़ाने के उपायों पर कृषी विज्ञान केन्द विशेषज्ञों द्वारा मार्गदर्शन भी प्रदान किया गया। जिला पंचायत सभापति गुरू सौरभ साहेब,रायपुर ग्रामीण विधायक मोतीलाल साहू, किसान मोर्चा के प्रदेश महामंत्री डा. ओमप्रकाश देवांगन ने भी कार्यशाला को संबोधित किया, राज्यसभा सांसद लक्ष्मी वर्मा सहित रायपुर शहर जिला अध्यक्ष रमेश ठाकुर, अभिनेष कश्यप, मोनू वर्मा, देवेंद्रसिंह ठाकुर, प्रशांत सिंह ठाकुर, ओमप्रकाश साहू, किसान मोर्चा जिला ग्रामीण अध्यक्ष परदेशी साहू, विलास सुतार, वैभव वैष्णव, अर्चना शुक्ला, वंदना सिंह आदि की उल्लेखनीय उपस्थिति रही।

City Honda लेकर आया 'Scooter Carnival'- Activa पर शानदार Buyback और Exchange Offer

विश्व केसरी

रायपुर। शहर के प्रतिष्ठित Honda दोपहिया वाहन डीलर City Honda ने ग्राहकों के लिए आकर्षक 'Scooter Carnival' अभियान की शुरुआत की है। इस विशेष ऑफर के तहत ग्राहकों को नई Honda Activa खरीदने पर बेहतरीन Buyback एवं Exchange Benefits का लाभ मिलेगा।

City Honda के अनुसार, नई Honda Activa पर ग्राहकों को मात्र 77,751 रुपए (एक्स-शोरूम) की कीमत पर स्कूटर उपलब्ध कराया जा रहा है। साथ ही कंपनी द्वारा 3 वर्ष बाद ?55,000 तक का Assured Buyback Value प्रदान किया जा रहा है, जिससे ग्राहकों को भविष्य में अपने वाहन की बेहतर रीसेल वैल्यू की चिंता नहीं रहेगी। इसके अलावा, जो ग्राहक अपनी पुरानी दोपहिया गाड़ी को अपग्रेड करना चाहते हैं, उनके लिए नई Activa vwzcc पर विशेष Exchange Offer उपलब्ध है। ग्राहकों को अपनी पुरानी गाड़ी पर 50,000 रुपए तक की Exchange Value का लाभ मिल सकता है, जिससे नई Activa 125cc को प्रभावी रूप से मात्र 43,000 रुपए से शुरू होने वाली कीमत पर प्राप्त किया जा सकता है।

पितृ दिवस पर विशेष कहानी

पिता की सीख

डॉ. योगिता जोशी

हमारे पुराने घर के आँगन के ठीक सामने एक बबूल का पेड़ था। गाँव के अधिकांश घरों के सामने नीम, पीपल या आम के पेड़ दिखाई देते थे, लेकिन हमारे घर के सामने केवल वही एक बबूल खड़ा था। उसकी टेढ़ी-मेढ़ी शाखाएँ, सूखे-से पत्ते और नुकीले काँटे मुझे कभी आकर्षित नहीं करते थे। बचपन में जब मैं अपनी सहेलियों के घर जाती और उनके आँगन में लगे आम, अमरूद या गुलमोहर के पेड़ों को देखती, तो मन में एक कसक उठती।

मुझे लगता था कि हमारा घर भी कितना सुंदर दिखता, यदि उसके सामने कोई हरा-भरा, फूलों से लदा पेड़ होता। बबूल तो मुझे हमेशा रूखा और कठोर लगता था।

एक दिन गर्मियों की दोपहर थी। लू के थपेड़े चल रहे थे। मैं आँगन में खेलते-खेलते उस बबूल के पेड़ को देख रही थी। उसकी छाया में कुछ बकरियाँ आराम कर रही थीं। एक राहगीर भी अपनी पगड़ी खोलकर वहीं बैठ गया था। फिर भी मुझे वह पेड़ अच्छा नहीं लग रहा था।

मैंने झुंझलाकर पिता से कहा, 'पिताजी, आपने यह कैसा पेड़ लगाया है? पूरे गाँव में सबसे बदसूरत पेड़ हमारे घर के सामने ही क्यों है? अगर आम या गुलमोहर का पेड़ होता तो कितना अच्छा लगता!'

पिता उस समय खाट पर बैठे रस्सी बुन रहे थे। उन्होंने मेरी बात सुनी और मुस्कराने लगे।

'चल, इधर आ,' उन्होंने कहा।

मैं उनके पास जाकर बैठ गई। उन्होंने मेरा हाथ पकड़ा और बबूल के पेड़ की छाया में ले गए। वहाँ बैठकर उन्होंने ऊपर देखा और बोले, 'तुझे यह पेड़ अच्छा नहीं लगता?'

'बिलकुल नहीं,' मैंने तुरंत जवाब दिया।

'क्यों?'

'इसमें न फूल हैं, न फल। ऊपर से इतने सारे काँटे। इसे देखकर डर लगता है।'

पिता कुछ देर चुप रहे। फिर बोले, 'बेटा, हर चीज़ की खूबसूरती बाहर से नहीं दिखाई देती। कुछ सुंदरताएँ भीतर छिपी होती हैं।'

मैं उनकी बात पूरी तरह समझ नहीं पाई।

उन्होंने पेड़ के तने पर हाथ फेरते हुए कहा, 'देख, यह बबूल है। इसे ज्यादा पानी नहीं चाहिए। आँधी आए, तूफान आए, भीषण गर्मी पड़े, यह फिर भी खड़ा रहता है। इसके काँटे इसे बचाते हैं, लेकिन इसकी छाया किसी से भेदभाव नहीं करती। जो भी थका-मांदा आता है, उसे राहत देती है।'

मैं ध्यान से सुन रही थी।

उन्होंने आगे कहा, 'जीवन में भी ऐसे ही बनना चाहिए। लोग फूलों को देखकर वाह-वाह करते हैं, लेकिन कठिन समय में साथ वही देता है जो भीतर से मजबूत होता है।'

उस दिन पिता ने एक बात और कही थी, जो मेरी स्मृतियों में हमेशा के लिए अंकित हो गई।

उन्होंने मेरी आँखों में देखते हुए कहा, 'बेटियाँ अक्सर बबूल जैसी होती हैं। उन्हें जीवन में बहुत से काँटों का सामना करना पड़ता है। लोग उनकी राह में रुकावटें डालते हैं, लेकिन यदि उनकी जड़ें मजबूत हों तो वे हर परिस्थिति में खड़ी रहती हैं और दूसरों को सहारा देती हैं। याद रख, अपनी जड़ों को कभी कमजोर मत होने देना।'

मैं तब छोटी थी, लेकिन उनकी बात मेरे मन के किसी कोने में बैठ गई।

समय बीतता गया।

मैं पढ़ाई में अच्छी थी। स्कूल में हमेशा अच्छे अंक लाती थी। मेरे शिक्षक चाहते थे कि मैं आगे पढ़ूँ, लेकिन गाँव का माहौल कुछ और ही था। लड़कियों की पढ़ाई को लेकर लोगों की सोच सीमित थी।

जब मैंने दसवीं में अच्छे अंक प्राप्त किए तो स्कूल के प्रधानाचार्य स्वयं हमारे घर आए। उन्होंने पिता से कहा, 'आपकी बेटी बहुत होनहार है। इसे आगे जरूर पढ़ाइए।'

पिता ने बिना देर किए कहा, 'यह जितना पढ़ना चाहेगी, पढ़ेगी।'

लेकिन गाँव के लोगों को यह बात पसंद नहीं आई।

एक दिन कुछ रिश्तेदार घर आए। चाय पीते-पीते उन्होंने पिता से कहा, 'लड़की को इतना पढ़ाकर क्या करना है? आखिर शादी ही तो करनी है। ज्यादा पढ़ी-लिखी लड़कियाँ घर नहीं संभाल पातीं।'

मैं भीतर बैठी सब सुन रही थी।

मेरे मन में डर पैदा हो गया कि कहीं पिता भी उनकी बातों में न आ जाएँ।

लेकिन पिता ने बहुत शांत स्वर में कहा, 'ज्ञान कभी बोझ नहीं बनता। मेरी बेटी पढ़ना चाहती है, तो पढ़ेगी।'

उनके शब्द सुनकर मेरी आँखें भर आईं।

उस दिन पहली बार मुझे महसूस हुआ कि पिता केवल मेरे अभिभावक नहीं, मेरे सबसे बड़े संरक्षक हैं।

बारहवीं के बाद मुझे शहर के कॉलेज में प्रवेश मिल गया। गाँव की एक लड़की का शहर जाकर पढ़ना उस समय लोगों के लिए बड़ी बात थी।

फिर से चर्चाएँ शुरू हो गईं।

'लड़की अकेली शहर जाएगी?'

'इतना खर्च क्यों कर रहे हो?'

'कल को शादी करनी ही है।'

ऐसी बातें रोज सुनाई देतीं।

कभी-कभी मैं स्वयं भी डर जाती। सोचती कि शायद लोग सही कह रहे हैं। लेकिन तभी मुझे बबूल के पेड़ के नीचे बैठा वह दिन याद आ जाता।

पिता की आवाज़ कानों में गूंजती—

'अपनी जड़ों को मजबूत रखना।'

मैंने पढ़ाई जारी रखी।

कॉलेज का जीवन आसान नहीं था। आर्थिक स्थिति बहुत मजबूत नहीं थी। कई बार फीस भरने में कठिनाई होती। कई बार किताबें खरीदने के लिए मुझे इंतजार करना पड़ता।

एक दिन मैंने देखा कि पिता अपनी पुरानी घड़ी बेचकर लौटे हैं।

मैं समझ गई कि फीस की व्यवस्था के लिए उन्होंने ऐसा किया है।

उस रात मैं बहुत रोई।

मैंने कहा, 'पिताजी, मेरी वजह से आपको इतना सब करना पड़ रहा है।'

उन्होंने मुस्कराकर कहा, 'बेटा, पेड़ जब बड़ा होता है तो शुरुआत में उसे बहुत पानी देना पड़ता है। बाद में वही पेड़ सबको छाया देता है। तू चिंता मत कर।'

उनकी बात ने मेरे भीतर नई ऊर्जा भर दी।

मैंने और अधिक मेहनत करना शुरू कर दिया।

स्नातक के बाद मैंने शिक्षण के क्षेत्र को चुना। मुझे बच्चों के साथ काम करना अच्छा लगता था। पहली नौकरी एक छोटे से निजी विद्यालय में मिली। वेतन बहुत कम था, लेकिन मेरे सपने बड़े थे।

(पिता से मिली सीख जिसने बेटी ज़िंदगी बदल दी)

दो कविताएं

एक चिड़िया की आत्मा

गोवर्धन यादव

एक चिड़िया की
आत्मा–
अक्सर सवार हो
जाती है–
मेरे ऊपर
और उड़ा ले
जाती है मुझे आसमान में
जहां सूरज अपनी प्रचण्ड किरण ?
से–
बरसाता रहता है आग
हवा में उड़ते हुए–
वह मुझे दिखाती है
श्रीहीन पर्वत श्रेणियां
ठूंठ में तब्दील हो चुके उदास जंगल
सूखी नदियां–नाले–जलाशय
मेड़ पर बैठा–
हड्डियों के ढांचे में तब्दील हो चुका
किसान
जो टकटकी लगाए ताकता रहता है
आसमान की ओर, कि
कोई दयालु बादल का टुकड़ा
हवा में तैरता हुआ आएगा–
और बुझा देगा–
उसकी जनम–जनम की प्यास.

2. एक चिड़िया की आत्मा
अक्सर सवार हो जाती है मेरे ऊपर
और उड़ा ले जाती है मुझे
चिपचिपे–कपसीले बादलों के बीच
फ़िर हवा में तैरती हुई –
वह मुझे दिखाती है–
जयप्रकाश मानस तथा गिरीश पकंज
का घर
जहां मानस निबंध लिख रहा होता है–
तो पंकज ग़ज़लें
फ़िर एक गौरैया,
चित्र के ऊपर आकर बैठ जाती है,
अनमनी–सी
फ़िर, दूर उड़ती हुई वह
मुझे दिखाती है–
सतपुड़ा के घने जंगल
पहाड़ ? के तलहटी पर–
अठखेलिया करती–
अल्हड़ देनवा–
सरगम बिखेरते झरने–
हल चलाते किसान–
कजरी गातीं औरतें
और, टिमकी की टिमिक–टिम पर
आल्हा गाती मर्दों की टोलियां
न जाने, कितना कुछ दिखाने के बाद
वह, मुझे छड़ जाती है वापस
अपने घर की मुंडेर पर
मैं बैठा रहता हूं देर तक भौंचक
चिड़िया की जगह, चिड़िया की तरह।

लघुकथा

मंच का मापदंड

डॉ.सरोज दुबे 'विधा'

शहर के सांस्कृतिक भवन में कवि सम्मेलन था। बाहर बड़े -बड़े पोस्टर लगे थे: 'प्रसिद्ध कवियों की महफ़िल'. भीतर मंच सजा था, कुर्सियाँ लगभग भर चुकी थीं। श्यामलाल वर्षों से कविता लिख रहे थे, धीरे -धीरे जाकर पीछे की पंक्ति में बैठ गए। उन्हें छंद, शब्द और भाव की शुद्धता पर भरोसा था, लेकिन आजकल मंचों पर उनकी कोई पूछ नहीं थी।

सबसे पहले एक कवि मंच पर आए। उन्होंने कविता कम, चुटकुले अधिक सुनाए। लोग ठहाके लगाने लगे और तालियों की गूँज से हॉल भर गया।

श्यामलाल चुपचाप देखते रहे। उसके बादकुछ और कवि आए। किसी ने हास्य सुनाया, किसी ने तुकबंदी वाले आसान गीत। असली कविता, गहरा भाव, और शिल्प कहीं छूटते जा रहे थे।

श्यामलाल के बगल में बैठे एक वृद्ध कवि ने धीमे से कहा, 'अब मंचों पर कविता नहीं, भीड़ का मनोरंजन बिकता है।'

श्यामलाल ने उदास स्वर में कहा, 'मंच का मापदंड बदल गया है।'

रायपुर (छत्तीसगढ़)

नवगीत

दूर हुए खिलौने

अशोक आनन

बच्चों से –
दूर
हुए खिलौने ।
छुटपन में –
छुटपन बड़ा
हो गया ।
घुटनों से –
पाँवों पर खड़ा
हो गया ।
नींदों में –
टूटे स्वप्न
सलौने ।
धूप में –
काग़ज़ की
नावें झुलसीं ।
ज़िंदगी –
औरों के हाथ पतंग
– सी ।
नभ है ऊँचा –
हैं पंछी बौने ।
तितलियाँ –
फूलों को खोज रही हैं ।
कलियाँ –
गुलशन को बोझ रही हैं ।
बिछे छाँव में –
धूप – बिछौने ।
कहाँ गये –
बचपन के वे दिन छिछोरे ।
पृष्ठ हैं –
जिनकी यादों के कोरे ।
हाथ रहे न –
वो रस के दोने ?।

जूना बाज़ार , मक्सी, जिला –
शाजापुर (म.प्र.)
मो. 9977644232

लघुकथा

अनदेखा नहीं कुछ

मनमोहन चौरे

स्कूल यूनीफार्म (टाई-जूते-मोजे) में बेटे को देख कर पिता बहुत खुश होते और उत्साह से बेटे को स्कूल छोड़ने पैदल निकल पड़ते। स्वयं के कुर्ते की फटी जेब या फटे जूते देखने का तो जैसे समय गुजर ही गया। लेकिन आज रास्ते में पड़ी लोहे की कील ने फटे जूते के अन्दर झांक ही लिया और अंगूठे को चीरते हुए कहा कि कभी अपनी तरफ भी देख लिया करो।

खून अपनी प्रकृति के अनुरूप बहे जा रहा था। पैर को छिपाने की कोशिश की। जैसे बेटे ने कुछ नहीं देखा और बेटे ने भी चुपचाप मुँह फेरकर अपने आँसू पोंछ लिए, जैसे पिता ने कुछ नहीं देखा हो।

दोनों के मन में जो घट रहा था वह अनदेखा ही रहा।

पुस्तक समीक्षा

पितृसत्तात्मक व्यवस्था में वजूद की तलाश

शालिनी खन्ना

इन दिनों भोजपुरी साहित्य का विस्तार हुआ है । कई महत्वपूर्ण पुस्तकों का प्रकाशन हुआ है । जिनमें से सर्व भाषा ट्रस्ट, नई दिल्ली से डॉ. रेनू यादव की कहानी संग्रह 'खुखड़ी' प्रकाशित हुई है। इस संग्रह में मुँहझौसी, अधिया, खुखड़ी, मुखाग्नि, झाँवर, चउकवँऽ राड़, निशान, नचनिया, भोर, पइया तथा बेहा 11 कहानियाँ हैं । इस संग्रह की अधिकतर कहानियाँ स्त्री मुद्दों पर केन्द्रित हैं ।

'खुखड़ी' हमारे उस सामाजिक ढाँचे का प्रतीक है, जिसमें स्त्री अपने अभिशप्त और बेबस जीवन जीने को बाध्य रहती है। पितृसत्तात्मक व्यवस्था में नारी हमेशा अपना वजूद तलाशती ही रहती है।

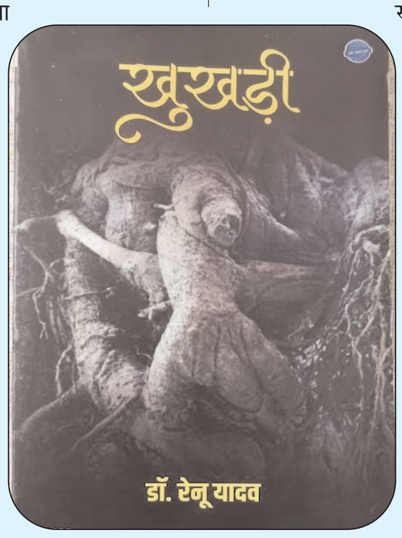

पुस्तक : खुखड़ी
लेखक : डॉ. रेनू यादव
विधा : कहानी
भाषा भोजपुरी
संस्करण : प्रथम, 2025
प्रकाशक : सर्व भाषा ट्रस्ट, नई दिल्ली
मूल्य : 249

'खुखड़ी' कहानी जिसके नाम पर पुस्तक का नाम है, स्त्री मनोभाव व दुर्दशा का बहुत ही सुन्दर चित्रण है। इन्हीं संदर्भों के बाद स्त्रियों को अपने लिए जमीन और आसमान की, अपने स्थायित्व की जरूरत पड़ी होगी। पितृसत्तात्मक व्यवस्था को लात मार कर अपनी जगह बनाने की कोशिश हुई होगी जहाँ वह खुलकर साँस ले सके और अपने मन का कुछ कर सके। कहानी में बेटी के जिस व्यवहार और सब्र पर घर वालों को नाज था उसी व्यवहार के कारण वह हमेशा शोषित, पीड़ित रही। धन संपदा से भरपूर उस घर में वह पैबंद लगी साड़ियाँ पहनने को मजबूर रही। अंत में कहानी की नायिका ने अगली पीढ़ी को राह दिखाने की बात की है। वह कहती है, इस घर के पुरुष अमीर हैं पर औरतें गरीब। और अपने अंतिम समय में वह अपने मायके से मिली भैंस को बिकवाकर घर की महिलाओं के बीच रुपए बंटवा देती है।

'खुखड़ी' की सारी कहानियों की नायिकाएँ समाज को एक नई दिशा देती नजर आती हैं। 'चउकवँ राड़' में युवा विधवा नायिका को जब एक पाँच वर्षीय बच्चे से विवाह करने की जबरदस्ती की जाती है तो वह उसका भरपूर विरोध करती है। वह समझती है कि वह इस रिश्ते के साथ न्याय नहीं कर पाएगी। अंत में सभी को विश्वास दिलाती है कि वह खुद के पैरों पर खड़ी होकर घर वालों को सहयोग करेगी।

'मुहझौंसी' की नायिका विद्रोह की आग में जलती है।अपनी सभा को इकट्ठी कर कहती है 'हमके ईह सोच त बदले के बे। उनके द्वारा दीहल गइल अपमान के आग के अपने सीने में धधके द, अपने कमजोरी के आपन ताकत बनावऽ अउर निकल पड़ऽ बदलाव के रस्ते पर। अपमान से उपजल बदला क भावना के सकारात्मक रूप में बदल द, नकारात्मक रूप में नाहीं । मनोविज्ञान के भाषा में एके धनात्मक स्थानांतरण (Positive transference) कहल जाला। हमहन के इहे करेके पड़ी, ताकि जवन हमरे भइल उ केहू अउर के साथ न होखे पावऽ।'

हवा के साथ चलना बहुत आसान है लेकिन हवा के विपरीत दिशा में चलना बहुत मुश्किल होता है। पर इसके साथ यह भी खास बात है कि जो हवा के विपरीत चलने की हिम्मत जुटा सकता है, वही समाज को बदलने की हिम्मत भी जुटा पाता है। रेनू यादव जी की कहानियों की नायिकाएँ साहसी हैं जो समाज से लड़ने, उसका तख्ता पलट करने की हिम्मत रखती हैं। समाज में बदलाव इसी से संभव है।

कुछ बड़े गाँवो को छोड़ दिया जाए (बड़े गाँवों से मेरा मतलब जहाँ ज्यादातर लोग शिक्षित हैं) तो आज भी छोटे गाँवो, कस्बों की यही कहानी है। इनकी कहानियाँ समाज से कुप्रथाओं को दूर कर समाज के विकास में सहयोगी भूमिका निभाएंगी।

यह डॉक्टर रेनू यादव की पारखी नजरों की खासियत है कि जो हम सभी के नजरों के सामने घटित होते हुए भी हमारी नजरों से छूट जाती है, वे उन्हीं विषयों को लेकर नया गढ़ जाती हैं, नया रच जाती हैं। उनकी कहानियों में सरल भाषा और परिवेश का चित्रण है जो पाठकों को सहज बाँध लेता है। इस कृति के लिए डॉक्टर रेनू यादव जी को बहुत-बहुत बधाई एवं शुभकामनाएँ...

गोविंदपुरी, दिल्ली
संपर्क : 9470385527
ईमेल : shalinikhannashalini@gmail.com

व्यंग्य

कॉकरोच जनता पार्टी का चुनाव

रमेश कुमार 'रिपु'

शहर में पहली बार 'कॉकरोच जनता पार्टी' ने चुनाव लड़ा ।उनका चुनाव चिन्ह था, रसोई की दरार।

नारा था, 'हर घर में हमारा अधिकार!'

जनता खुश थी ।उन्हें लगा कि कम से कम ये नेता ईमानदार हैं ।दिन में नहीं दिखते, रात में खुलकर घूमते हैं ।जो खाते हैं, सामने खाते हैं ।भागते भी हैं तो सीधे नाली में भागते हैं ।दोगलापन नहीं है। पार्टी का मुख्य उम्मीदवार था,कॉमरेड करकरोच प्रसाद।

उसने मंच से भाषण दिया, 'भाइयों और बहनों,हम वर्षों से आपके किचन में संघर्ष कर रहे हैं। कभी चप्पल खाई, कभी झाड़ू ।अब वक्त आ गया है कि शोषित कॉकरोच सत्ता में आए!' भीड़ भावुक हो गई।

एक बूढ़ी अम्मा बोली, 'देखो,कितना जमीन से जुड़ा नेता है,सचमुच जमीन पर ही चलता है!'

चुनाव हुआ ।कॉकरोच जनता पार्टी भारी बहुमत से जीत गई ।पहले ही महीने विधायक जी ने घोषणा कर दी, 'हर घर में अंधेरा जरूरी है ।रोशनी लोकतंत्र के लिए खतरा है।' फिर मंत्री बनते ही उन्होंने नया कानून पास किया, 'झाड़ू रखना राष्ट्रविरोधी गतिविधि माना जाएगा।'

जनता चौंकी ।जो कॉकरोच पहले बची-खुची रोटी खाते थे,अब पूरे राशन पर कब्जा करने लगे।

टीवी चैनलों पर बहस शुरू हो गई, 'क्या कॉकरोचों को भी विकास का अधिकार नहीं?'

धीरे-धीरे शहर में बदबू बढ़ने लगी ।लोग परेशान हुए ।तब एक बच्चा बोला, 'माँ,गलती कॉकरोचों की नहीं थी...गलती हमारी थी,हमने नाली साफ करने की जगह,उसे विधानसभा भेज दिया।'

नाली से मंत्रालय तक...

कॉकरोच प्रसाद बचपन से ही संघर्षशील थे ।जहाँ दूसरे बच्चे स्कूल जाते थे,वह नालियों में संगठन खड़ा करते थे ।उनका सपना बड़ा था, 'एक दिन हर रसोई पर हमारा राज होगा।'

धीरे-धीरे उन्होंने मोहल्ले के सारे कॉकरोचों को जोड़ लिया ।रात में गुप्त बैठकें होतीं ।एजेंडा तय होता, किस घर में सबसे ज़्यादा गंदगी है कहाँ बिना डर के फैल सकते हैं और किस इंसान को देखकर तुरंत भागना है ।फिर लोकतंत्र आया।

एक बुद्धिजीवी बोला, 'हमें हाशिए के जीवों को भी मुख्यधारा में लाना चाहिए।'

बस,यहीं से कॉकरोच प्रसाद की किस्मत बदल गई ।उन्होंने पार्टी बनाई, 'जनसेवी कॉकरोच मोर्चा'

घोषणापत्र में लिखा था, 'हर घर में समान अंधेरा मिलेगा।'

जनता भावुक हो गई ।एक युवक बोला, 'कम से कम ये नेता हमारे बीच से निकला है ।सचमुच नाली से उठा है।'

चुनाव हुआ ।कॉकरोच प्रसाद विधायक बन गए ।पहले दिन ही मंत्रालय पहुँचे तो भावुक हो उठे। आँखों में आँसू थे ।उन्होंने कुर्सी सहलाते हुए कहा, 'संघर्ष रंग लाया,कल तक लोग चप्पल मारते थे, आज सलाम ठोक रहे हैं।'

कुछ महीनों बाद वही कॉकरोच प्रसाद ठेके बाँटने लगे ।फाइलें खाने लगे ।और रात में सूट पहनकर

विदेशी दौरों पर जाने लगे ।एक पत्रकार ने पूछा, 'मंत्री जी, क्या सत्ता में आने के बाद आप बदल गए हैं?'

मंत्री जी मुस्कुराए, 'नहीं,हम बदले नहीं हैं। बस अब नाली थोड़ी बड़ी हो गई

कॉकरोच मंत्री जी का दौरा..

कॉकरोच जनता पार्टी की सरकार बने छह महीने हो चुके थे ।अब करकरोच प्रसाद जी मंत्री बन चुके थे।

पहले जो रसोई की दरार में रहते थे,अब लाल बत्ती वाली गाड़ी में रहने लगे थे ।एक दिन मंत्री जी जनता का हाल जानने निकले ।पूरा प्रशासन अलर्ट था ।जहाँ-जहाँ मंत्री जी जाने वाले थे,वहाँ पहले से ही सारा कूड़ा फैला दिया गयाताकि उन्हें 'घर जैसा माहौल' महसूस हो ।मंत्री जी पहुंचे।

भीड़ चिल्लाई, 'कॉकरोच जी जिंदाबाद!'

एक गरीब आदमी आगे आया और बोला, 'मंत्री जी, घर में राशन नहीं है।'

मंत्री जी मुस्कुराए, 'यही तो आत्मनिर्भरता है। हम तो वर्षों से बिना राशन के जी रहे हैं।'

दूसरा आदमी बोला, 'साहब,अस्पताल में दवाई नहीं मिल रही।'

मंत्री जी बोले, 'हमारी सरकार स्वास्थ्य के लिए प्रतिबद्ध है ।देखिए, हम पर आज तक कोई दवाई असर नहीं कर पाई।'

तभी एक पत्रकार ने पूछ लिया, 'मंत्री जी, चुनाव से पहले आपने कहा था कि आप जनता के घरों से गंदगी खत्म करेंगे?'

मंत्री जी हँसे, 'बिलकुल खत्म कर दी ।अब सारी गंदगी मंत्रालय में बैठती है।'

अगले दिन अखबार की हेडलाइन थी, 'कॉकरोच मंत्री बोले :देश बदल रहा है,अब नाली सीधे सत्ता से जुड़ चुकी है।

संक्षिप्त खबरें

बलौदाबाजार में शराब कारोबारी के ठिकानों पर एसीबी-ईओडब्ल्यू का छापा

विश्व केसरी

बलौदाबाजार। जिले में शनिवार को एंटी करप्शन ब्यूरो और आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ की संयुक्त टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक शराब कारोबारी के ठिकानों पर छापेमारी की। टीम ने शहर के कान्हा विहार स्थित कारोबारी अहिंदर के निवास समेत उससे जुड़े अन्य स्थानों पर जांच की। कार्रवाई के दौरान कई महत्वपूर्ण दस्तावेज और वित्तीय रिकॉर्ड जब्त किए गए हैं। जानकारी के मुताबिक ACB और EOW की टीम सुबह से ही कारोबारी के ठिकानों पर पहुंच गई थी। अधिकारियों ने घंटों तक दस्तावेजों, रजिस्टरों और वित्तीय लेनदेन से संबंधित रिकॉर्ड की बारीकी से जांच की। इस दौरान कारोबारी से भी पूछताछ की गई। छापेमारी की कार्रवाई दोपहर तक जारी रही, जिससे इलाके में हलचल का माहौल बना रहा। सूत्रों के अनुसार जांच एजेंसियां कारोबारी के आय-व्यय, व्यवसायिक गतिविधियों और आर्थिक लेनदेन की विस्तृत पड़ताल कर रही हैं। जांच के दौरान मिले कई दस्तावेजों और रिकॉर्ड को जब्त कर आगे के विश्लेषण के लिए अपने कब्जे में लिया गया है।

शराब घोटाले से जुड़े कनेक्शन की जांच

बताया जा रहा है कि जांच एजेंसियां इस कार्रवाई के दौरान प्रदेश के बहुचर्चित शराब घोटाले से संभावित संबंधों की भी जांच कर रही हैं। जब्त दस्तावेजों और वित्तीय रिकॉर्ड के आधार पर कारोबारी के लेनदेन, संपर्कों और व्यावसायिक गतिविधियों की पड़ताल की जा रही है।

रिसॉर्ट में युवती की मौत गैंगरेप का मामला दर्ज

विश्व केसरी

राजनांदगांव। राजनांदगांव के मनगटा स्थित एक रिसॉर्ट में युवती की संदिग्ध मौत का मामला अब और गंभीर हो गया है। पुलिस जांच में नए खुलासों के बाद रिसॉर्ट संचालक और उसके दो साथियों पर दुष्कर्म का मामला दर्ज किया गया है। तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया भिलाई की 24 वर्षीय युवती मुस्कान तिवारी को 18 जून की सुबह अचेत अवस्था में अस्पताल लाया गया था, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। शुरुआत में इसे संदिग्ध मौत माना जा रहा था, लेकिन जांच आगे बढ़ने के साथ मामला दुष्कर्म तक पहुंच गया। पुलिस जांच में सामने आया कि घटना से एक दिन पहले युवती अपनी सहेली और कुछ युवकों के साथ रायपुर के एक क्लब में पार्टी करने गई थी। देर रात सभी मनगटा स्थित रिसॉर्ट पहुंचे, जहां पार्टी जारी रही। अगली सुबह युवती बाथरूम में अचेत मिली और बाद में उसकी मौत हो गई। मामले में रिसॉर्ट संचालक आशुतोष साहू और उसके दो साथी छत्रपाल व घनश्याम पर आरोप है कि उन्होंने युवती को नशा कराया और उसके बाद दुष्कर्म किया। पुलिस ने तीनों के खिलाफ गंभीर धाराओं में केस दर्ज कर गिरफ्तारी की कार्रवाई की है। पोस्टमार्टम के दौरान युवती के शरीर पर संदिग्ध निशान मिलने और अन्य परिस्थितियों ने भी कई सवाल खड़े किए हैं।

भाजपा नेता हत्याकांड में मुख्य आरोपी का सरेंडर

विश्व केसरी

मनेंद्रगढ़/कोरिया। कोरिया जिले के सोनहत तहसील अंतर्गत ग्राम कटगोड़ी में भाजपा नेता भरत सिंह गहरवार उर्फ लल्ला सिंह और उनके दो साथियों को जिंदा जलाकर मारने के सनसनीखेज हत्याकांड में बड़ा घटनाक्रम सामने आया है। मामले के मुख्य आरोपी भाजपा नेता मनोज त्रिपाठी समेत चार आरोपियों ने शुक्रवार को मनेंद्रगढ़ कोतवाली पहुंचकर आत्मसमर्पण कर दिया। पुलिस ने सभी आरोपियों को न्यायालय में पेश किया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में बैकुंठपुर जेल भेज दिया गया।

पुलिस के अनुसार, आत्मसमर्पण करने वालों में मनोज त्रिपाठी के अलावा अमन त्रिपाठी, आशुतोष त्रिपाठी और निशांत त्रिपाठी शामिल हैं। इससे पहले पुलिस अक्षय त्रिपाठी, विशाल त्रिपाठी, सत्यप्रकाश त्रिपाठी और मन्नू त्रिपाठी को गिरफ्तार कर चुकी है। अब तक इस मामले में कुल आठ आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है, जबकि एक आरोपी अभी भी फरार बताया जा रहा है।

गौरतलब है कि 16 जून की रात ग्राम कटगोड़ी में फॉर्च्यूनर वाहन सवार भाजपा नेता भरत सिंह गहरवार उर्फ लल्ला सिंह और उनके साथियों पर घात लगाकर हमला किया गया था। आरोप है कि हमलावरों ने उनकी गाड़ी को पहले टिपर से टक्कर मारकर क्षतिग्रस्त किया और फिर उसमें पेट्रोल डालकर आग लगा दी। इस घटना में भरत सिंह की मौके पर ही मौत हो गई थी, जबकि उनके साथी वीरेंद्र सिंह उर्फ वीरू और नागेंद्र सिंह ने उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि दोनों पक्षों के बीच रेत उत्खनन को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा था। घटना से एक दिन पहले मृतक पक्ष द्वारा आरोपियों की पिटाई किए जाने की बात भी सामने आई है। इसी रंजिश के चलते आरोपियों ने कथित तौर पर सुलह के बहाने भरत सिंह और उनके साथियों को गांव बुलाया था।

जानकारी के मुताबिक, वाहन में आग लगने के बाद जब एक व्यक्ति जान बचाने के लिए बाहर निकला तो आरोपियों ने उसकी बेरहमी से पिटाई की और दोबारा जलती गाड़ी में धकेल दिया। इस निर्मम वारदात ने पूरे क्षेत्र को झकझोर कर रख दिया था। पुलिस मामले की विस्तृत जांच कर रही है और फरार आरोपी की तलाश में लगातार दबिश दी जा रही है। हत्याकांड को लेकर क्षेत्र में अब भी भारी आक्रोश का माहौल है।

एमबीबीएस छात्रों के हक में हाईकोर्ट का बड़ा फैसला

विश्व केसरी

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ के मेडिकल स्नातकों को उच्च न्यायालय से बड़ी राहत मिली है। उच्च न्यायालय ने निर्णय लिया है कि यदि राज्य सरकार छत्तीसगढ़ मेडिकल, डेंटल एवं फिजियोप्लास्टी अंडर ग्रेजुएट प्रवेश नियम 2025 के तहत निर्धारित समय-सीमा के अंदर अनिवार्य आदेश जारी नहीं करती है तो विद्यार्थी छात्रों को अनिवार्य सेवा बैंड स्वत: प्रतिभावान माना जाएगा। यह फैसला अजितेंद्र किशोर प्रसाद की अदालत ने जारी किया है। बता दें कि साल 2025 में सीआईएमएस, बिलासपुर से परीक्षा की पढ़ाई और अनिवार्य रोटेटिंग इंटर्नशिप पूरी करने वाले नितिन कुमार सिंह, साहिल कारी, चंद्र प्रकाश रवि रवि साक्षी कंवर द्वारा मास्टर रिट फाइल (डब्ल्यूपीसी नंबर 6594/2025) को स्वीकार करना यह महत्वपूर्ण निर्णय दिया गया है। कंपनियों ने राज्य सरकार द्वारा छह महीने की वैधानिक अवधि के अंदर ऑफर ऑर्डर जारी न करने के बावजूद उन्हें अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) देने से इनकार करने को चुनौती दी थी। उनका तर्क था कि नियम 10(6) के अनुसार यदि निर्धारित अवधि में मोशन ऑर्डर जारी नहीं किया जाता है तो सेवा बैंड के अनुसार स्वत: समाप्त हो जाता आशुतोष मिश्रा ने न्यायालय को बताया कि राज्य सरकार ने उनके बार-बार प्रस्तुतियों के बावजूद अपनी वैधानिक जिम्मेदारी का पालन नहीं किया। उन्होंने बताया कि छह माह की अवधि में बैंड एसोसिएटेड से संबंधित सभी दायित्व समाप्त हो गए थे और बाद में उन्हें स्थायी या विलंबित शिक्षकों के माध्यम से पुनर्जीवित नहीं किया जा सका। उन्होंने यह भी कहा कि एनओएसओ रोके जाने से कंपनियों के उच्च शिक्षा एवं व्यावसायिक अवसरों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है।

लोरमी अस्पताल में हंगामा तीन भाइयों पर एफआईआर

विश्व केसरी

लोरमी। मुंगेली जिले के लोरमी स्थित 50 बिस्तर वाले शासकीय अस्पताल में डॉक्टरों और मेडिकल स्टाफ के साथ अभद्र व्यवहार, गाली-गलौज और शासकीय कार्य में बाधा पहुंचाने का मामला सामने आया है। अस्पताल के खंड चिकित्सा अधिकारी (बीएमओ) डॉ. गजेन्द्र सिंह दाऊ की शिकायत पर लोरमी थाना पुलिस ने तीन सगे भाइयों समेत अन्य आरोपियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस को दी गई शिकायत के अनुसार अजय टंडन, दुर्गेश टंडन और आकाश टंडन पर अस्पताल परिसर में अनाधिकृत रूप से प्रवेश कर शासकीय कार्य में व्यवधान उत्पन्न करने, कर्मचारियों से अभद्रता करने और अस्पताल का माहौल खराब करने के आरोप लगाए गए हैं। शिकायत में कहा गया है कि मुख्य आरोपी अजय टंडन निजी एम्बुलेंस चालक है और वह लंबे समय से अस्पताल में आने वाले मरीजों एवं उनके परिजनों को निजी अस्पतालों में इलाज कराने के लिए प्रभावित करता रहा है।

अस्पताल प्रशासन का आरोप है कि आरोपी मरीजों और उनके परिजनों को विभिन्न प्रकार के प्रलोभन देकर अथवा भय दिखाकर सरकारी अस्पताल से डिस्चार्ज कराने का प्रयास करता था और उन्हें निजी अस्पतालों में ले जाता था। इसके बदले उसे कथित रूप से कमीशन प्राप्त होता था। शिकायत के मुताबिक हाल ही में अजय टंडन निजी एम्बुलेंस लेकर अस्पताल परिसर में प्रवेश कर गया। जब सुरक्षाकर्मी रामनिवास राजपूत ने उसे नियमों का हवाला देकर रोका तो उसने कथित रूप से विवाद शुरू कर दिया। आरोप है कि उसने अस्पताल स्टाफ और डॉक्टरों के सामने गाली-गलौज की तथा अस्पताल प्रशासन के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणियां कीं।

नैनो उर्वरकों को लेकर किसानों में जागरूकता अभियान

विश्व केसरी

बलौदाबाजार। किसानों को आधुनिक और वैज्ञानिक खेती से जोड़ने के लिए बलौदाबाजार-भाटापारा जिला प्रशासन ने विशेष किसान जागरूकता अभियान शुरू किया है। कलेक्टर कुलदीप शर्मा के मार्गदर्शन में चलाए जा रहे इस अभियान के तहत किसानों को नैनो डीएपी और नैनो यूरिया के उपयोग, लाभ और वैज्ञानिक तथ्यों की जानकारी दी जा रही है। साथ ही इन उर्वरकों को लेकर किसानों के बीच फैली भ्रांतियों और आशंकाओं को दूर करने का प्रयास किया जा रहा है।

अभियान के अंतर्गत जिले की 50 सहकारी समितियों को चिन्हित कर विशेष शिविर लगाए जा रहे हैं। इन शिविरों में नुक्कड़ नाटकों के माध्यम से किसानों को नैनो उर्वरकों के फायदे और उनके सही उपयोग की जानकारी सरल और रोचक तरीके से दी जा रही है। कार्यक्रम के बाद कृषि विभाग के अधिकारी और ग्राम कृषि विशेषज्ञ किसानों को तकनीकी जानकारी उपलब्ध करा रहे हैं तथा उनकी जिज्ञासाओं का समाधान भी कर रहे हैं।

जागरूकता अभियान को व्यापक बनाने के लिए डिजिटल वॉल पेंटिंग, पोस्टर और पाम्पलेट का भी सहारा लिया जा रहा है। किसानों को व्यक्तिगत रूप से पाम्पलेट वितरित कर नैनो डीएपी और नैनो यूरिया के उपयोग की विधि, लाभ और आवश्यक सावधानियों के बारे में जानकारी दी जा रही है। ग्राम ओडान के किसान भोज राम वर्मा ने बताया कि उन्हें पहले नैनो यूरिया के बारे में सीमित जानकारी थी, लेकिन इस कार्यक्रम से उन्हें कई महत्वपूर्ण जानकारियां मिलीं और उनकी शंकाएं दूर हुईं। वहीं ग्राम वटगन के किसान सुभाष वर्मा ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम नियमित रूप से होने चाहिए, ताकि किसानों को नई तकनीकों और कृषि योजनाओं की जानकारी मिलती रहे। जिला प्रशासन का कहना है कि अभियान का मुख्य उद्देश्य किसानों को वैज्ञानिक तथ्यों के आधार पर सही जानकारी उपलब्ध कराना और आधुनिक कृषि तकनीकों को अपनाने के लिए प्रेरित करना है। प्रशासन का मानना है कि नैनो उर्वरकों के प्रभावी उपयोग से उत्पादन लागत कम होने के साथ फसल उत्पादकता में भी वृद्धि संभव है।

शिक्षकों की कमी और बदहाल व्यवस्थाओं के खिलाफ छात्रों का प्रदर्शन

15 किमी पैदल चलकर पहुंचे कलेक्ट्रेट

विश्व केसरी

अंबिकापुर। सरगुजा जिले के घंघरी स्थित प्रयास आवासीय विद्यालय के छात्रों ने शिक्षकों की कमी, खराब भोजन व्यवस्था और सुरक्षा संबंधी समस्याओं को लेकर शनिवार को विरोध प्रदर्शन किया। अपनी मांगों को लेकर दर्जनों छात्र करीब 15 किलोमीटर पैदल चलकर कलेक्ट्रेट पहुंचे और जिला प्रशासन को ज्ञापन सौंपा।

छात्रों ने आरोप लगाया कि विद्यालय से 10 से 12 शिक्षकों को हटाए जाने के बाद पढ़ाई बुरी तरह प्रभावित हो रही है। नियमित कक्षाएं नहीं लग पा रही हैं, जिससे उनकी शैक्षणिक तैयारी पर असर पड़ रहा है। छात्रों ने पूर्व में पदस्थ शिक्षकों की पुनर्नियुक्ति की मांग करते हुए कहा कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए पर्याप्त शिक्षकों की उपलब्धता जरूरी है। छात्रों ने केवल शिक्षकों की कमी ही नहीं, बल्कि भोजन व्यवस्था, अनुशासन और सुरक्षा को लेकर भी गंभीर शिकायतें कीं। उनका कहना है कि छात्रावास में मिलने वाले भोजन की गुणवत्ता संतोषजनक नहीं है। इसके अलावा पर्याप्त संख्या में वार्डन और सुरक्षा गार्ड नहीं होने से छात्रों की सुरक्षा को लेकर भी चिंता बनी रहती है। छात्रों के मुताबिक, इन समस्याओं को लेकर कई बार विद्यालय प्रबंधन और संबंधित अधिकारियों से शिकायत की गई, लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। इसी कारण उन्हें कलेक्ट्रेट पहुंचकर प्रदर्शन करने और प्रशासन के समक्ष अपनी बात रखने के लिए मजबूर होना पड़ा। कलेक्ट्रेट पहुंचने पर अधिकारियों ने छात्रों की समस्याएं सुनीं और ज्ञापन प्राप्त किया। प्रशासन की ओर से मामले की जांच कर आवश्यक कार्रवाई करने तथा छात्रों की समस्याओं का जल्द समाधान करने का आश्वासन दिया गया है।

धमतरी पुलिस की बड़ी कार्रवाई : 90 हजार रुपये की हेरोइन के साथ आरोपी गिरफ्तार

विश्व केसरी

धमतरी। जिले में नशे के कारोबार के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत धमतरी पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। सिटी कोतवाली थाना पुलिस ने एक आरोपी को 4.76 ग्राम हेरोइन (चिट्टा) के साथ गिरफ्तार किया है। बरामद मादक पदार्थ की कीमत अंतरराष्ट्रीय बाजार में करीब 90 हजार रुपये आंकी गई है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई थी कि एक व्यक्ति पीजी कॉलेज ग्राउंड के पास हेरोइन बेचने के लिए ग्राहक की तलाश कर रहा है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की और संदिग्ध को पकड़ लिया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान मुकेश कुमार साहू उर्फ बोनसी (40 वर्ष) के रूप में हुई है, जो मूल रूप से रायपुर का निवासी है और वर्तमान में धमतरी के सोरिद नगर डीपोपारा क्षेत्र में रह रहा था। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से 4.76 ग्राम हेरोइन बरामद की गई। पुलिस ने आरोपी के पास से एक मोबाइल फोन, 20 हजार रुपये नकद और एक मोटरसाइकिल भी जब्त की है। जब्त सामग्री की कुल कीमत लगभग 2 लाख 30 हजार रुपये बताई जा रही है।

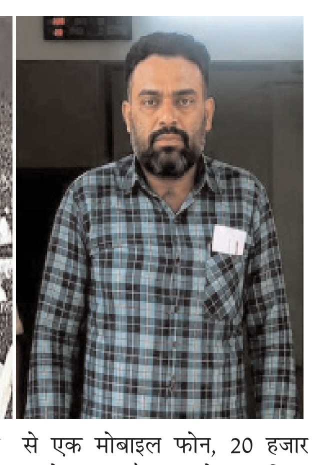

आरोपी के खिलाफ सिटी कोतवाली धमतरी में एनडीपीएस एक्ट की धारा 21(ए) के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

नशा तस्करों पर जारी रहेगी सख्त कार्रवाई

पुलिस अधीक्षक ने जिलेवासियों से अपील करते हुए कहा है कि मादक पदार्थों की तस्करी या अवैध कारोबार से जुड़ी किसी भी सूचना की जानकारी तत्काल पुलिस को दें। सूचना देने वाले की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी। उन्होंने कहा कि युवाओं के भविष्य को बर्बाद करने वाले नशा तस्करों के खिलाफ धमतरी पुलिस की सख्त कार्रवाई आगे भी लगातार जारी रहेगी।

भिलाई की फैक्ट्री से कथित केमिकल रिसाव, 35 मजदूर अस्पताल पहुंचे

भिलाई। भिलाई से शनिवार को एक बड़ी और चिंताजनक खबर सामने आई है। भिलाई-3 के औद्योगिक क्षेत्र में स्थित एक कंपनी से कथित केमिकल रिसाव के बाद अफरा-तफरी मच गई। जहरीले प्रभाव की चपेट में आए करीब 35 मजदूरों की तबीयत अचानक बिगड़ गई, जिसके बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। जानकारी के मुताबिक, देर रात किसी रासायनिक पदार्थ का उत्सर्जन हुआ, जिसका असर पास की शिवालिक कंपनी में काम कर रहे मजदूरों पर पड़ा। देखते ही देखते मजदूरों की आंखों में तेज जलन, चेहरे पर परेशानी और सांस लेने में दिक्कत जैसी शिकायतें शुरू हो गईं। हालात बिगड़ते देख सभी प्रभावित मजदूरों को तत्काल सुपेला स्थित लाल बहादुर शास्त्री अस्पताल ले जाया गया। डॉक्टरों की टीम लगातार उनकी निगरानी कर रही है। राहत की बात यह है कि फिलहाल किसी मजदूर की हालत गंभीर नहीं बताई जा रही है।

झिंगरामाड़ा जंगल में तीन भालुओं की मौत, करंट लगने की आशंका

विश्व केसरी

सूरजपुर। जिले के प्रतापपुर वन परिक्षेत्र के झिंगरामाड़ा जंगल में एक साथ तीन भालुओं के शव मिलने से वन विभाग में हड़कंप मच गया है। मृत भालुओं में एक मादा, एक नर और एक शावक शामिल हैं। घटना से क्षेत्र में सनसनी फैल गई है और वन विभाग मामले की जांच में जुट गया है।

प्रारंभिक जांच में तीनों भालुओं की मौत करंट लगने से होने की आशंका जताई जा रही है। जानकारी के अनुसार, हाल ही में आए आंधी-तूफान के दौरान हाईटेंशन बिजली लाइन का तार टूटकर जंगल में गिर गया था। आशंका है कि उसी तार की चपेट में आने से तीनों भालुओं की मौत हुई है। घटना की सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और पूरे क्षेत्र को अपने कब्जे में लेकर जांच शुरू की। वहीं, तीन सदस्यीय पशु चिकित्सकों की टीम ने घटनास्थल पर पहुंचकर तीनों भालुओं का पोस्टमार्टम किया। पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी होने के बाद वन विभाग ने नियमानुसार शवों का अंतिम संस्कार कर दिया।

वन विभाग के अधिकारियों का कहना है कि भालुओं की मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगा। फिलहाल सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए जांच की जा रही है।

यदि जांच में करंट लगने से मौत की पुष्टि होती है, तो बिजली विभाग की लापरवाही और जंगल क्षेत्रों में बिजली लाइनों की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े हो सकते हैं। घटना के बाद वन विभाग ने आसपास के इलाके का निरीक्षण शुरू कर दिया है, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकी जा सके।

वन्यजीव प्रेमियों और पर्यावरण संरक्षण से जुड़े लोगों ने घटना पर चिंता जताते हुए जिम्मेदार एजेंसियों से जंगल क्षेत्रों में बिजली लाइनों की नियमित निगरानी और सुरक्षा उपाय सुनिश्चित करने की मांग की है। तीन भालुओं की एक साथ मौत को क्षेत्र में वन्यजीव संरक्षण के लिए गंभीर चेतावनी माना जा रहा है।

कोल वाशरी से हो रहे प्रदूषण से त्रस्त ग्रामीण अब विस्तार के विरोध में उतरे

गुपचुप तरीके से जनसुनवाई की तैयारी का लगाया आरोप

विश्व केसरी

मस्तूरी। मस्तूरी क्षेत्र के ग्राम गतौरा में संचालित हिन्द एनर्जी एंड कोल बेनिफिकेशन लिमिटेड (हिन्द ग्रुप) की कोल वाशरी के प्रस्तावित क्षमता विस्तार को लेकर एक बार फिर विवाद गहरा गया है। कंपनी द्वारा 24 जून को ग्राम कर्रा में प्रस्तावित जनसुनवाई को लेकर स्थानीय ग्रामीणों, किसान संगठनों, छात्र संगठनों और पर्यावरण प्रेमियों ने गंभीर आपत्तियां जताई हैं। आरोप लगाया जा रहा है कि जनसुनवाई की प्रक्रिया को प्रभावित जनता से छिपाकर 'गुपचुप तरीके' से पूरा करने की तैयारी की जा रही है।

प्रदूषण से हाल बेहाल

स्थानीय लोगों का कहना है कि कोल वाशरी से उड़ने वाली कोयले की धूल से पूरा इलाका त्रस्त है। खेतों में फसल खराब हो रही है। अरपा नदी का पानी दूषित हो रहा है। जे.के. कॉलेज के छात्रों को भी परेशानी हो रही है। यात्रियों, दुकानदारों और रेल कर्मचारियों को भी दिक्कत झेलनी पड़ रही है।

क्षेत्र के युवाओं का आरोप है कि उद्योग लगाते समय स्थानीय लोगों को रोजगार देने का वादा किया गया था, जो पूरा नहीं हुआ। ग्रामीणों का कहना है कि कंपनी ने ष्टस्क्र के तहत स्वास्थ्य, पेयजल, शिक्षा और बुनियादी सुविधाओं पर अपेक्षित काम नहीं किया।

ग्रामीणों, किसान संगठनों और जनप्रतिनिधियों ने मांग की है कि 24 जून की जनसुनवाई पूरी तरह पारदर्शी हो। प्रभावित गांवों के लोगों को अपनी बात रखने का पूरा मौका मिले।

उनका कहना है कि जब तक मौजूदा प्रदूषण, जल संकट और स्वास्थ्य समस्याओं का समाधान नहीं होता, तब तक क्षमता विस्तार पर विचार नहीं होना चाहिए।

बड़े आंदोलन की चेतावनी

ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि अगर उनकी चिंताओं को नजरअंदाज किया गया तो वे लोकतांत्रिक तरीके से बड़ा विरोध आंदोलन करेंगे। अब सबकी नजर 24 जून की जनसुनवाई पर है। यहां क्षेत्र के भविष्य से जुड़ा अहम फैसला हो।

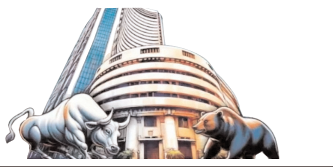

विश्व केसरी

मई में बीएफएसआई थीमैटिक फंड्स ने दिया सबसे बेहतर रिटर्न, एसआईपी निवेशकों का भरोसा बड़े शेयरों पर कायम: रिपोर्ट

विश्व केसरी ■

मुंबई। बैंकिंग, वित्तीय सेवाएं और बीमा (बीएफएसआई) थीमैटिक फंड्स ने मई महीने में म्यूचुअल फंड निवेश जगत में सबसे अच्छा प्रदर्शन किया। इन फंड्स ने 5.5 प्रतिशत का रिटर्न दिया और इनमें 1,013 करोड़ रुपए का निवेश आया। इसका मुख्य कारण इन फंड्स में बड़ी संख्या में लार्ज-कैप शेयरों की मौजूदगी रही।

वैलम कैपिटल की रिपोर्ट के अनुसार, मई महीने में एक दिलचस्प स्थिति देखने को मिली। माइक्रो-कैप फंड्स ने 5.7 प्रतिशत रिटर्न के साथ सबसे बेहतर प्रदर्शन किया, लेकिन इसके बावजूद इनमें निवेशकों की रुचि सीमित रही और इन फंड्स में अपेक्षाकृत कम निवेश आया, जबकि

रिपोर्ट के मुताबिक, स्मॉल-कैप फंड्स ने मई में 3.4 प्रतिशत का रिटर्न दिया और इनमें 2,229 करोड़ रुपए का निवेश आया। वहीं मिड-कैप फंड्स ने 1.6 प्रतिशत का रिटर्न दिया और इनमें 3,898 करोड़ रुपए का निवेश हुआ।

इसके विपरीत, लार्ज-कैप फंड्स ने मई महीने में केवल 1.5 प्रतिशत का रिटर्न दिया, जो विभिन्न कैटेगरी में सबसे कम था। इसके बावजूद इन फंड्स में 8,565 करोड़ रुपए का निवेश आया, जो स्मॉल-कैप फंड्स के मुकाबले लगभग चार गुना और मिड-कैप फंड्स के मुकाबले दोगुने से भी अधिक है।

इसके अलावा, फ्लेक्सी-कैप फंड्स ने 2.1 प्रतिशत का रिटर्न दिया और इनमें 5,350 करोड़ रुपए का निवेश आया। वहीं, लार्ज एंड मिड-कैप फंड्स में 2,617 करोड़ रुपए का निवेश हुआ, जबकि इनका रिटर्न 1.9 प्रतिशत रहा।

रिपोर्ट में कहा गया है कि लार्ज-कैप और फ्लेक्सी-कैप इंडेक्स आधारित योजनाओं में निवेशकों द्वारा पहले से निर्धारित एसआईपी निर्देशों के कारण खुदरा निवेशकों का पैसा लगातार बाजार के सबसे बड़े और अधिक तरल (लिक्विड) शेयरों में जाता रहता है।

यही वजह है कि भले ही कुछ छोटे फंड्स बेहतर प्रदर्शन कर रहे हों, फिर भी लार्ज-कैप फंड्स में निवेश का प्रवाह लगातार बना हुआ है।

वर्तमान में 10.5 लाख करोड़ रुपए से अधिक एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) के साथ लार्ज-कैप फंड्स भारतीय म्यूचुअल फंड उद्योग की सबसे बड़ी श्रेणी बने हुए हैं।

मई में एसआईपी (सिस्टेमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान) के जरिए कुल 30,954 करोड़ रुपए का निवेश हुआ, जो पिछले वर्ष की तुलना में 16 प्रतिशत अधिक है।

देश में सक्रिय एसआईपी खातों की संख्या बढ़कर 9.64 करोड़ हो गई है।

मई के अंत तक भारतीय म्यूचुअल फंड उद्योग का कुल एसेट अंडर मैनेजमेंट 81.58 लाख करोड़ रुपए पर स्थिर रहा। इसके साथ ही इक्विटी म्यूचुअल फंड्स में लगातार 63वें महीने भी शुद्ध निवेश (नेट इनफ्लो) दर्ज किया गया।

सस्ते में सोना और चांदी खरीदने का मौका; एक हफ्ते में दाम करीब 10,600 रुपए घटा

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। सोने और चांदी में इस हफ्ते गिरावट देखने को मिली, जिससे सोना और चांदी क्रमशः 2,800 रुपए और 10,600 रुपए से अधिक सस्ते हो गए हैं।

इंडिया बुलियन ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के मुताबिक, 24 कैरेट सोने का दाम इस हफ्ते 2,830 रुपए कम होकर 1,44,970 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गया है, जबकि पहले यह 1,47,800 रुपए पर था।

22 कैरेट सोने की कीमत कम होकर 1,32,793 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गई है, जो कि पहले 1,35,385 रुपए प्रति 10 ग्राम थी। 18 कैरेट सोने का दाम कम होकर 1,08,728 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गया है, जो कि पहले 1,10,850 रुपए प्रति 10 ग्राम था।

इस हफ्ते सोने में सबसे न्यूनतम दाम 19 जून को शाम के सत्र में 1,44,361 रुपए प्रति 10 ग्राम देखा गया। वहीं, उच्चतम दाम 16 जून को सुबह के सत्र में 1,50,663 रुपए प्रति 10 ग्राम देखा गया।

सोने के साथ चांदी की कीमत में भी गिरावट देखने को मिली है।

चांदी का दाम 10,609 रुपए कम होकर 2,31,973 रुपए प्रति किलो हो गया है, जो कि पहले 2,42,582 रुपए प्रति किलो था।

इस हफ्ते चांदी में उच्चतम दाम 15 जून को शाम के सत्र में 2,51,488 रुपए प्रति किलो देखा गया। वहीं, न्यूनतम दाम 19 जून को सुबह के सत्र में 2,30,982 रुपए प्रति किलो देखा गया।

आईबीजेए की ओर से दिन में दो बार सुबह और शाम के सत्र में सोने और चांदी की कीमतों को जारी किया जाता है।

वैश्विक अस्थिरता के कारण अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सोने का दाम 4,170 डॉलर प्रति औंस और चांदी का दाम 64 डॉलर प्रति औंस के करीब आ गया है। एक्सपर्ट्स के मुताबिक, सोने और चांदी में गिरावट की वजह फेड के चेयरमैन केविन वॉर्श की ओर से ब्याज दरों को बढ़ाने को लेकर की गई टिप्पणी है, जिसने बुलियन मार्केट में कमजोरी को बढ़ावा दिया है। इससे अलावा डॉलर के मजबूत होने से भी कीमती धातुओं की कीमतों पर असर हुआ है।

इंटरनेट इकोसिस्टम में विश्वास, मजबूती और सुरक्षा बढ़ाने की जरूरत : आईटी सचिव

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। निक्सी यानी नेशनल इंटरनेट एक्सचेंज ऑफ इंडिया (एनआईएक्सआई) के 23 वर्ष पूरे होने के अवसर पर इसके अध्यक्ष और इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमईआईटीवाई) के सचिव एस. कृष्णन ने इंटरनेट इकोसिस्टम में भरोसा, मजबूती और सुरक्षा को और मजबूत बनाने की आवश्यकता पर जोर दिया।

राष्ट्रीय राजधानी में आयोजित एक कार्यक्रम में चार नई डिजिटल पहलों का शुभारंभ करते हुए उन्होंने कहा कि निक्सी ने भारत के इंटरनेट बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के साथ-साथ वैश्विक इंटरनेट गवर्नेंस से जुड़े मुद्दों में देश की भागीदारी बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

इस अवसर पर आईएक्स पोर्टल, मायआईआरआईएनएन पोर्टल, डॉट इन ऑक्शन पोर्टल और एआई-पावर्ड डब्ल्यूएचओआईएस स्क्रीनिंग प्लेटफॉर्म जैसी चार नई डिजिटल सेवाओं की शुरुआत की गई।

इन पहलों का उद्देश्य उपयोगकर्ताओं के अनुभव को बेहतर बनाना, पारदर्शिता बढ़ाना और देश के इंटरनेट इकोसिस्टम में संचालन को अधिक प्रभावी बनाना है।

निक्सी के अनुसार, एआई आधारित डब्ल्यूएचओआईएस स्क्रीनिंग प्लेटफॉर्म डोमेन नामों की सुरक्षा को मजबूत करने में मदद करेगा और संदिग्ध वेबसाइटों की पहचान करने की क्षमता को बढ़ाएगा।

इससे भारत के 'डॉट इन' डोमेन स्पेस को और अधिक सुरक्षित बनाने में सहायता मिलेगी।

कार्यक्रम के दौरान उन संस्थाओं और हितधारकों को भी सम्मानित किया गया, जिन्होंने भारत के इंटरनेट इकोसिस्टम को मजबूत बनाने और देश के डिजिटल बुनियादी ढांचे के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

आईसीएएनएन के स्टेकहोल्डर एंगेजमेंट उपाध्यक्ष और एशिया-प्रशांत क्षेत्र के प्रबंध निदेशक समीरन गुप्ता ने वैश्विक इंटरनेट गवर्नेंस और मानक निर्धारण से जुड़ी चर्चाओं में भारत की भागीदारी को और मजबूत बनाने की आवश्यकता पर बल दिया।

उन्होंने कहा कि निक्सी फेलोशिप प्रोग्राम जैसी पहलें ऐसे नए नेतृत्व को तैयार कर रही हैं, जो इंटरनेट के भविष्य को आकार देने में महत्वपूर्ण योगदान दे सके।

पश्चिम एशिया संघर्ष के बीच भारत ने एलपीजी आयात के स्रोत बढ़ाए, तेल कंपनियों को हुआ करीब 22,000 करोड़ रुपए का नुकसान

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में हाल ही में हुए संघर्ष के दौरान भारत ने तरलीकृत पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) के आयात के स्रोतों में विविधता लाई और खाड़ी क्षेत्र पर निर्भरता कम करने के लिए अमेरिका, ईरान और कई अन्य देशों से खरीद बढ़ा दी।

क्रिसिल की एक रिपोर्ट के अनुसार, पश्चिम एशिया में भू-राजनीतिक तनाव के कारण आपूर्ति प्रभावित होने के बाद भारत की एलपीजी आयात संरचना में बड़ा बदलाव देखने को मिला। परंपरागत रूप से भारत अपनी लगभग 90 प्रतिशत एलपीजी जरूरतें पश्चिम एशियाई देशों से पूरी करता रहा है। हालांकि अप्रैल 2026 तक अमेरिका भारत के लिए एक प्रमुख आपूर्तिकर्ता बन गया और कुल आयात में उसकी हिस्सेदारी लगभग एक-तिहाई तक पहुंच गई, जबकि फरवरी में यह केवल 8 प्रतिशत थी।

यह बदलाव 2025 के अंत में भारत और अमेरिका के बीच हुए 22 लाख टन प्रति वर्ष एलपीजी आपूर्ति समझौते से संभव हुआ। यह समझौता भारत की सालाना एलपीजी आयात जरूरतों का लगभग 10 प्रतिशत पूरा करता है।

ईरान भी भारत के आयात स्रोतों में फिर से शामिल हो गया और अप्रैल में कुल आयात में उसकी हिस्सेदारी लगभग 6 प्रतिशत रही। इसके अलावा, भारत ने अर्जेंटीना, चिली, फ्रांस और नीदरलैंड जैसे देशों से भी एलपीजी की खरीद की।

आयात के स्रोतों में विविधता लाने की इस रणनीति से संघर्ष के दौरान आपूर्ति सुरक्षा बनाए रखने में मदद मिली, लेकिन इसके कारण लंबी दूरी से माल लाना पड़ा और परिवहन लागत भी बढ़ गई।

आपूर्ति में बाधा और बढ़ी हुई कीमतों का असर घरेलू खपत पर भी पड़ा। फरवरी में जहां भारत की एलपीजी खपत 32 लाख टन थी, वहीं अप्रैल में यह घटकर 24.7 लाख टन रह गई। ऊंची कीमतों और आपूर्ति संबंधी चुनौतियों ने मांग को प्रभावित किया।

वित्त वर्ष 2025-26 में रिकॉर्ड 3.32 करोड़ टन एलपीजी खपत दर्ज की गई थी, जो सालाना आधार पर 6 प्रतिशत की वृद्धि थी। लेकिन इसके बाद के महीनों में मांग में तेज गिरावट देखने को मिली।

मार्च और अप्रैल में एलपीजी की मांग सालाना आधार पर 13 प्रतिशत घटी, जबकि मई में यह गिरावट और बढ़कर 20 प्रतिशत तक पहुंच गई।

रिपोर्ट के अनुसार, वाणिज्यिक और औद्योगिक उपभोक्ता सबसे ज्यादा प्रभावित हुए क्योंकि उन्हें बाजार आधारित कीमतों का सामना करना पड़ा और बढ़ती लागत का असर उन पर तुरंत पड़ा। दूसरी ओर, घरेलू उपभोक्ताओं की मांग अपेक्षाकृत स्थिर रही क्योंकि रसोई गैस की खुदरा कीमतों में सीमित बढ़ोतरी की गई।

अमेरिका-ईरान शांति समझौते की उम्मीद से बाजार में रही रौनक, हफ्ते भर में निफ्टी और सेंसेक्स ने दर्ज की करीब 1.7 प्रतिशत की बढ़त

विश्व केसरी ■

मुंबई । अमेरिका और ईरान के बीच शांति समझौते को लेकर बढ़ी उम्मीदों तथा ब्रेंट क्रूड की कीमतों में गिरावट के कारण निवेशकों का भरोसा मजबूत हुआ, जिसके चलते भारतीय शेयर बाजार के प्रमुख सूचकांक लगातार दूसरे सप्ताह मजबूत बढ़त दर्ज करने में सफल रहे।

इस सप्ताह के दौरान निफ्टी में 1.65 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई, हालांकि सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन इसमें 0.64 प्रतिशत की गिरावट आई और यह 24,013.10 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं सेंसेक्स 607 अंक यानी 0.78 प्रतिशत गिरकर 76,802 पर बंद हुआ। इसके बावजूद पूरे सप्ताह में सेंसेक्स ने 1.69 प्रतिशत की बढ़त हासिल की।

सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन घरेलू बाजार में सीमित दायरे में कारोबार देखने को मिला। हाल के तीन कारोबारी सत्रों की तेजी के बाद आईटी शेयरों में तेज बिकवाली के कारण बाजार पर दबाव बना रहा।

वहीं, ब्रेंट क्रूड की कीमतें अमेरिका-ईरान शांति समझौते की संभावनाओं के बीच 80 डॉलर प्रति बैरल से नीचे आ गई थीं, लेकिन सप्ताह के अंत में शांति वार्ता अचानक रद्द होने और मुनाफावसूली के चलते कीमतों में गिरावट का सिलसिला थम गया।

सप्ताह के दौरान रुपया डॉलर के मुकाबले लगभग 79 पैसे मजबूत होकर 94.35 प्रति डॉलर के स्तर के आसपास पहुंच गया।

विश्लेषकों का मानना है कि भू-राजनीतिक स्थिति में सुधार से अगले सप्ताह भी बाजार की धारणा को समर्थन मिल सकता है।

सप्ताह के दौरान अमेरिका और ईरान के बीच 14 बिंदुओं वाले एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर हुए। इसके तहत होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने, नौसैनिक नाकाबंदी हटाने और व्यावसायिक जहाजों की आवाजाही बहाल करने पर सहमति बनी।

क्षेत्रीय सूचकांकों की बात करें तो कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, रियल एस्टेट, फार्मा और डिफेंस सेक्टर के शेयरों में अच्छी तेजी देखने को मिली।

डिफेंस सेक्टर ने सप्ताह के दौरान 6.6 प्रतिशत की मजबूत बढ़त दर्ज की।

फोनपे वॉलेट इनएक्टिविटी नोटिफिकेशन: यूजर्स के लिए क्या जानना है जरूरी?

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। हाल ही में फोनपे द्वारा भेजे गए वॉलेट निष्क्रियता (इनएक्टिविटी) नोटिफिकेशन के बाद डिजिटल वॉलेट और उनके काम करने के तरीके को लेकर उपभोक्ताओं की दिलचस्पी बढ़ गई है। इन चर्चाओं के दौरान एक महत्वपूर्ण बात सामने आई है कि कई यूजर्स अब भी यह मानते हैं कि उनका फोनपे अकाउंट, यूपीआई अकाउंट और फोनपे वॉलेट एक ही चीज हैं। जबकि वास्तव में ये अलग-अलग भुगतान माध्यम हैं, जो स्वतंत्र रूप से काम करते हैं और अलग-अलग उद्देश्यों की पूर्ति करते हैं।

जैसे-जैसे डिजिटल भुगतान लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा बनता जा रहा है, यह समझना जरूरी है कि वॉलेट कैसे काम करता है और यह यूपीआई से किस तरह अलग है। इससे उपभोक्ताओं को बेहतर निर्णय लेने और इस्तेमाल किए जा रहे उत्पादों को सही तरीके से समझने में मदद मिलती है।

जब आप फोनपे पर यूपीआई के जरिए भुगतान करते हैं, तो पैसा सीधे आपके लिंक किए गए बैंक खाते से कटता है। दूसरी ओर, फोनपे वॉलेट एक प्रीपेड भुगतान साधन (पीपीआई) है, जिसमें पैसा आपके बैंक खाते से अलग रखा जाता है।

यह अंतर इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि निष्क्रियता शुल्क (इनएक्टिविटी चार्ज) केवल फोनपे वॉलेट पर लागू होता है, न कि यूपीआई से जुड़े बैंक खातों पर।

वॉलेट निष्क्रियता शुल्क कैसे काम करता है?

कई यूजर्स के मन में यह सवाल है कि यदि उनके वॉलेट में बैलेंस नहीं है, तो क्या फोनपे उनके बैंक खाते से निष्क्रियता शुल्क काट सकता है? इसका जवाब है - नहीं।

यदि किसी यूजर का फोनपे वॉलेट लंबे समय तक निष्क्रिय रहा है और उसमें जीरो बैलेंस है, तो निष्क्रियता शुल्क उसके बैंक खाते या यूपीआई के जरिए वसूला नहीं जाएगा। इसी तरह वॉलेट का बैलेंस भी नकारात्मक नहीं होगा।

दूसरे शब्दों में:

-लिंक किए गए बैंक खाते से कोई कटौती नहीं होगी।

-यूपीआई के माध्यम से कोई राशि नहीं काटी जाएगी।

-अपर्याप्त बैलेंस वाला वॉलेट निगेटिव बैलेंस नहीं दिखाएगा।

नियमित फोनपे उपयोग के बावजूद नोटिफिकेशन क्यों मिल सकता है?

कुछ यूजर्स ने शिकायत की है कि वे फोनपे का नियमित उपयोग करते हैं, फिर भी उन्हें निष्क्रियता नोटिफिकेशन मिला है। ऐसा इसलिए होता है क्योंकि वॉलेट गतिविधि और यूपीआई गतिविधि को अलग-अलग ट्रैक किया जाता है।

संभव है कि कोई ग्राहक रोजाना यूपीआई के जरिए क्यूआर कोड भुगतान, बिल भुगतान या पैसे ट्रांसफर करता हो, लेकिन उसका फोनपे वॉलेट महीनों या वर्षों से इस्तेमाल न हुआ हो। ऐसे मामलों में वॉलेट को निष्क्रिय माना जा सकता है, भले ही यूजर नियमित रूप से फोनपे ऐप का इस्तेमाल कर रहा हो।

आरवीएनएल को मिला 2,977 करोड़ रुपए का बड़ा कॉन्ट्रैक्ट, विशाखापट्टनम में बनाएगी 10 मीट्रिक टन प्रति वर्ष लॉजिस्टिक्स सुविधा

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। रेल विकास निगम लिमिटेड (आरवीएनएल) ने शनिवार को घोषणा की कि उसे सरकारी खनन कंपनी एनएमडीसी से 2,977 करोड़ रुपए का बड़ा इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट का कॉन्ट्रैक्ट मिला है, जो आंध्र प्रदेश के विशाखापट्टनम में बफर स्टॉकयार्ड और ब्लेंडिंग सुविधा के विकास से संबंधित है।

स्टॉक एक्सचेंज को दी गई जानकारी के अनुसार, इस प्रोजेक्ट के तहत 10 मिलियन टन प्रति वर्ष (एमटीपीए) सामग्री संभालने की क्षमता वाला बफर स्टॉकपाइल और ब्लेंडिंग यार्ड स्थापित किया जाएगा। यह सुविधा विशाखापट्टनम बंदरगाह पर एनएमडीसी की लॉजिस्टिक्स और सामग्री प्रबंधन क्षमता को मजबूत बनाने में मदद करेगी।

आरवीएनएल ने कहा, 'यह सूचित किया जाता है कि रेल विकास निगम लिमिटेड को एनएमडीसी लिमिटेड से आंध्र प्रदेश के विशाखापट्टनम में 10 एमटीपीए क्षमता वाले बफर स्टॉकपाइल और ब्लेंडिंग यार्ड की स्थापना के लिए अनुबंध प्रदान करने का पत्र प्राप्त हुआ है। कंपनी ने स्पष्ट किया कि यह अनुबंध एक घरेलू संस्था द्वारा सामान्य कारोबारी प्रक्रिया के तहत दिया गया है और यह किसी भी प्रकार के संबंधित पक्ष (रिलेटेड पार्टी) लेनदेन के दायरे में नहीं आता।आरवीएनएल ने यह भी कहा कि उसके प्रमोटरों या समूह की किसी भी कंपनी का एनएमडीसी में कोई वित्तीय या अन्य प्रकार का हित नहीं है।

इस प्रोजेक्ट को कॉन्ट्रैक्ट मिलने की तारीख से 42 महीनों के भीतर पूरा किया जाना है। प्रोजेक्ट के चालू होने के बाद लौह अयस्क और अन्य कच्चे माल के भंडारण, प्रबंधन और परिवहन में सुधार होने की उम्मीद है, जिससे आपूर्ति शृंखला की दक्षता बढ़ेगी।

बफर स्टॉकयार्ड और ब्लेंडिंग सुविधाएं खनन उद्योग में बेहद महत्वपूर्ण मानी जाती हैं। इनके जरिए कंपनियां अपने भंडार का बेहतर प्रबंधन कर सकती हैं और ग्राहकों को लगातार समान गुणवत्ता वाला कच्चा माल उपलब्ध करा सकती हैं।

नैनीताल घूमने का प्लान? ट्राई करें ये 5 एडवेंचर, पैराग्लाइडिंग से लेकर वॉटर साइकिलिंग तक बना देगा दिन

नैनीताल अब सिर्फ नैनी झील में बोटिंग और मॉल रोड की सैर तक सीमित नहीं रहा. अगर आप भी इस बार अपनी छुट्टियों को बेहद रोमांचक और यादगार बनाना चाहते हैं, तो यहां मौजूद एडवेंचर स्पोर्ट्स आपका इंतजार कर रहे हैं. भीमताल में बादलों को छूती पैराग्लाइडिंग, नौकुचियाताल में कुमाऊं की सबसे लंबी जिप लाइन, सातताल में शांत कयाकिंग और पानी के ऊपर साइकिल चलाने जैसे कई हैरतअंगेज एडवेंचर यहां शुरू हो चुके हैं. आइए जानते हैं नैनीताल और उसके आस-पास की इन 7 सबसे बेस्ट एक्टिविटीज की पूरी डिटेल और उनका टिकट प्राइस.

अगर आप नैनीताल ट्रिप में कुछ अलग और यादगार करना चाहते हैं, तो भीमताल की पैराग्लाइडिंग जरूर ट्राई करें. यहां आसमान में उड़ते हुए नीचे फैली झील, घने जंगल और कुमाऊं की खूबसूरत वादियों का नजारा आपको एक अलग अनुभव देगा. प्रोफेशनल पायलट की देखरेख में होने वाली यह एक्टिविटी सुरक्षित मानी जाती है. रोमांच पसंद करने वाले पर्यटकों के लिए यह सबसे लोकप्रिय एडवेंचर में से एक है. कुछ मिनटों की यह उड़ान आपकी पूरी ट्रिप का सबसे यादगार अनुभव बन सकती है. इसका टिकट लगभग 2000 से 2500 रुपये प्रति व्यक्ति होगा. जिसमें आप अपना वीडियो शूट भी करवा सकते हैं.

नैनीताल के पास स्थित सातताल अपनी प्राकृतिक खूबसूरती और शांत माहौल के लिए मशहूर है. यहां कयाकिंग करते हुए पर्यटक खुद पैडल चलाकर झील के बीचों बीच तक पहुंचते हैं।

चारों ओर हरियाली, पक्षियों की आवाज और साफ पानी आपकी ट्रिप को और खास बना देता है. यह एक्टिविटी युवाओं के साथ-साथ फैमिली ट्रिप के लिए भी शानदार विकल्प है. अगर आप एडवेंचर और प्रकृति का आनंद एक साथ लेना चाहते हैं, तो सातताल की कयाकिंग आपकी ट्रिप को और यादगार बना देगी. मात्र 200 से 300 की टिकट में आप कयाकिंग का मजा ले सकते हैं.

नैनीताल से करीब 26 किलोमीटर दूर नौकुचियाताल की 800 मीटर लंबी जिप लाइन एडवेंचर प्रेमियों की पहली पसंद है. यह कुमाऊं की पहली सबसे लंबी जिप लाइन है, झील और पहाड़ों के ऊपर हवा में तेज रफ्तार से गुजरने का अनुभव बेहद रोमांचक होता है. ऊपर से दिखने वाले प्रकृति के खूबसूरत नजारे आपकी ट्रिप को और भी खास बना देते हैं. अगर आप अपनी छुट्टियों में एडवेंचर का डोज़ चाहते हैं, तो यह एक्टिविटी बिल्कुल भी मिस न करें.

नैनीताल के स्नो व्यू स्थित टावर 360 डिग्री पर पहुंचकर पूरा शहर, नैनी झील और दूर तक फैली हिमालय की चोटियों का नजारा देखा जा सकता है. यहां से पंगोट, रानीखेत और अल्मोड़ा की पहाड़ियां भी साफ नजर आती हैं. इतनी ऊंचाई से चारों ओर फैली प्राकृतिक खूबसूरती कैमरे में कैद करने का अलग ही मजा है. नेचर और एडवेंचर का यह अनोखा कॉम्बिनेशन हर पर्यटक को आकर्षित करता है. इसका टिकट 200 रुपये प्रति व्यक्ति है, साथ ही ड्रोन शूट के 500 रुपये है।

खाना खाने के बाद पेट रहेगा हल्का और पाचन होगा बेहतर, जानिए डाइजेशन मजबूत करने वाले सबसे असरदार योगासन

खाना खाने के बाद पाचन बेहतर बनाने के लिए कुछ आसान योगासन काफी मददगार माने जाते हैं. वज्रासन को पाचन के लिए सबसे प्रभावी योगासन माना जाता है और इसे भोजन के बाद भी किया जा सकता है. सुखासन, बालासन, पवनमुक्तासन और अर्ध मत्स्येन्द्रासन भी पेट को आराम देने और पाचन तंत्र को सक्रिय करने में मदद कर सकते हैं. गर्भावस्था के दौरान योग करते समय विशेषज्ञ की सलाह लेना जरूरी है. योग के साथ संतुलित भोजन और अच्छी जीवनशैली अपनाने से पाचन संबंधी समस्याओं में राहत मिल सकती है.

आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी में पेट से जुड़ी समस्याएं बहुत आम हो गई हैं. कई लोग खाना खाने के बाद पेट भारी लगना, गैस बनना, अपच, पेट फूलना या सुस्ती जैसी दिक्कतों का सामना करते हैं. इसकी सबसे बड़ी वजह गलत खानपान, देर से खाना, कम शारीरिक गतिविधि और तनाव को माना जाता है. अक्सर लोग पाचन को बेहतर बनाने के लिए दवाइयों का सहारा लेते हैं, लेकिन कुछ आसान योगासन भी इस समस्या में काफी मदद कर सकते हैं. खास बात यह है कि खाना खाने के बाद किए जाने वाले कुछ हल्के योगासन पाचन तंत्र को सक्रिय करने में मदद करते हैं और भोजन को सही तरीके से पचाने में सहायक हो सकते हैं.

हालांकि खाना खाने के तुरंत बाद कठिन योगासन नहीं करने चाहिए, लेकिन कुछ सरल मुद्राएं शरीर को आराम देने के साथ-साथ पाचन प्रक्रिया को भी बेहतर बना सकती हैं. अगर आप भी चाहते हैं कि खाना खाने के बाद पेट भारी न लगे और पाचन सही बना रहे, तो कुछ आसान योगासन अपनी दिनचर्या में शामिल कर सकते हैं.

वज्रासन क्यों माना जाता है सबसे अच्छा

वज्रासन उन चुनिंदा योगासनों में शामिल है जिन्हें खाना खाने के बाद भी किया जा सकता है. इस आसन में घुटनों को मोड़कर एड़ियों पर बैठा जाता है. इस स्थिति में बैठने से पेट के आसपास रक्त संचार बेहतर होता है और पाचन क्रिया को मदद मिलती है. कई योग विशेषज्ञ मानते हैं कि खाना खाने के बाद 5 से 10 मिनट तक वज्रासन में बैठना पेट को आराम देने और अपच की समस्या कम करने में मददगार हो सकता है. यही वजह है कि इसे पाचन के लिए सबसे लोकप्रिय योगासन माना जाता है.

सुखासन से मिल सकती है राहत

सुखासन एक आसान और आरामदायक योग मुद्रा है. इसमें पालथी मारकर सीधे बैठा जाता है और गहरी सांसों पर ध्यान दिया जाता है।

खाना खाने के कुछ समय बाद सुखासन में बैठने से शरीर शांत होता है और तनाव कम होता है. तनाव कम होने का सीधा असर पाचन तंत्र पर भी पड़ता है. जब मन शांत रहता है तो शरीर भोजन को बेहतर तरीके से पचाने का काम कर पाता है.

अर्ध मत्स्येन्द्रासन पाचन को कर सकता है मजबूत

यह एक हल्का मोड़ वाला योगासन है जो पेट के अंगों को सक्रिय करने में मदद करता है. खाना खाने के तुरंत बाद इसे नहीं करना चाहिए, लेकिन भोजन के लगभग डेढ़ से दो घंटे बाद इसका अभ्यास किया जा सकता है. इस आसन में शरीर को हल्का मोड़ा जाता है, जिससे पेट और आंतों पर सकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है. नियमित अभ्यास करने से गैस और कब्ज जैसी समस्याओं में भी राहत मिल सकती है.

पवनमुक्तासन गैस की परेशानी में फायदेमंद

पवनमुक्तासन का नाम ही बताता है कि यह शरीर में जमा अतिरिक्त गैस को बाहर निकालने में मदद करने वाला आसन माना जाता है. इसे खाली पेट या भोजन के कुछ घंटे बाद करना बेहतर माना जाता है।

इस आसन में घुटनों को मोड़कर पेट की ओर लाया जाता है, जिससे पेट के हिस्से पर हल्का दबाव बनता है. यह प्रक्रिया पाचन तंत्र को सक्रिय करने में मदद कर सकती है और पेट फूलने की समस्या को कम कर सकती है।

गर्मी के 3 महीनो में मिलने वाला जामुन स्वाद के साथ सेहत का भी खजाना, पोषक तत्वों से होता है भरपूर, जाने फायदे

आयुर्वेद में जामुन को एक महत्वपूर्ण फल माना गया है. इसमें कई ऐसे पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो शरीर को स्वस्थ रखने में मदद करते हैं. लोकल 18 से बातचीत के दौरान गोंडा के वैद्य जमुना प्रसाद यादव बताते हैं कि जामुन में विटामिन, आयरन, कैल्शियम, फाइबर और एंटीऑक्सीडेंट भरपूर मात्रा में मौजूद होते हैं. यही कारण है कि इसे सेहत के लिए बेहद लाभकारी माना जाता है.

गर्मियों के मौसम में बाजारों में दिखाई देने वाला जामुन स्वाद और सेहत दोनों का खजाना माना जाता है. यह ऐसा फल है, जिसका लोग पूरे साल इंतजार करते हैं, क्योंकि यह केवल लगभग तीन महीने ही उपलब्ध रहता है. अपने खट्टे-मीठे स्वाद और गहरे बैंगनी रंग के कारण जामुन बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक सभी को पसंद आता है. लेकिन जामुन सिर्फ स्वाद के लिए ही नहीं, बल्कि अपने औषधीय गुणों के कारण भी काफी प्रसिद्ध है.

आयुर्वेद में जामुन को एक महत्वपूर्ण फल माना गया है. इसमें कई ऐसे पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो शरीर को स्वस्थ रखने में मदद करते हैं. गोंडा के वैद्य जमुना प्रसाद यादव बताते हैं कि जामुन में विटामिन, आयरन, कैल्शियम, फाइबर और एंटीऑक्सीडेंट भरपूर मात्रा में मौजूद होते हैं. यही कारण है कि इसे सेहत के लिए बेहद लाभकारी माना जाता है.

रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में मददगार- वैद्य जमुना प्रसाद यादव के अनुसार जामुन में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत बनाने का काम करते हैं. नियमित रूप से जामुन खाने से शरीर को बीमारियों से लड़ने की ताकत मिलती है. बदलते मौसम में होने वाली कई छोटी-मोटी समस्याओं से बचाव में भी यह मददगार साबित हो सकता है.

पाचन तंत्र को रखता है दुरुस्त: जामुन पाचन तंत्र के लिए भी काफी फायदेमंद माना जाता है. इसमें फाइबर अच्छी मात्रा में पाया जाता है, जो भोजन को पचाने में मदद करता है. जिन लोगों को कब्ज, अपच या पेट फूलने जैसी समस्याएं रहती हैं, उनके लिए जामुन लाभकारी हो सकता है. इसका सेवन पेट को साफ रखने और पाचन क्रिया को बेहतर बनाने में मदद करता है.

मधुमेह रोगियों के लिए लाभकारी: जामुन को मधुमेह यानी डायबिटीज के मरीजों के लिए भी उपयोगी माना जाता है. आयुर्वेद में जामुन के फल के साथ-साथ इसकी गुठली का भी विशेष महत्व बताया गया है. जामुन की गुठली का चूर्ण कई लोग पारंपरिक रूप से उपयोग करते हैं. हालांकि मधुमेह के मरीजों को किसी भी घरेलू उपाय को अपनाने से पहले डॉक्टर या विशेषज्ञ की सलाह जरूर लेनी चाहिए.

शरीर को रखता है तरोताजा: गर्मियों के मौसम में जामुन का सेवन शरीर को ताजगी देने का काम करता है. इसमें मौजूद पोषक तत्व शरीर को ऊर्जा प्रदान करते हैं. तेज गर्मी और उमस के बीच जामुन खाने से ताजगी का एहसास होता है और शरीर को जरूरी पोषण भी मिलता है.

हड्डियों को मजबूत बनाता है: इस फल में कैल्शियम भी मौजूद होता है, जो हड्डियों और दांतों के लिए जरूरी पोषक तत्व है. नियमित रूप से सीमित मात्रा में जामुन खाने से हड्डियों को मजबूती मिल सकती है. बढ़ते बच्चों और बुजुर्गों के लिए भी यह फल लाभकारी माना जाता है। खून की कमी दूर करने में सहायक: जामुन में आयरन अच्छी मात्रा में पाया जाता है. आयरन शरीर में खून बनाने की प्रक्रिया में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है. जिन लोगों में खून की कमी की समस्या होती है।

चेहरे के अनचाहे बालों से बिना दर्द चाहिए छुटकारा? 10रुपए की फिटकरी से करें ये उपाय, स्किन बनेगी सॉफ्ट

चेहरे के बाल अगर आपका कॉन्फिडेंस कम करते हैं, तो ये घरेलू उपाय आपके लिए बहुत मददगार साबित हो सकता है. वैक्स और थ्रेडिंग के दर्द के बिना ही आपकी स्किन क्लीन और क्लीयर नजर आने लगेगी.

चेहरे के बालों को हटाने के लिए फीमेल्स गर्म वैक्स से लेकर रेजर, थ्रेडिंग, महंगे लेजर ट्रीटमेंट तक करवाती हैं. लेकिन यदि आप अनचाहे बालों को हटाने के लिए हर महीने हजारों रुपए और दर्द नहीं सहना चाहती तो ये फिटकरी का घरेलू उपाय आपके बहुत काम आ सकता है. लेकिन इस उपाय को करने के तरीके को जानने से पहले, जान लीजिए कि फिटकरी स्किन के लिए कितना फायदेमंद होता है.

आयुर्वेद में फिटकरी का इस्तेमाल सफाई करने वाले एजेंट के तौर पर किया जाता है. इसके इस्तेमाल से ऑयली स्किन, मुहांसे, दाने, जलन और कीड़े के काटने जैसी कई स्किन समस्याओं से छुटकारा पाया जा सकता है. इसके अलावा एंटी-फंगल और एंटी-माइक्रोबियल गुण होने के कारण, स्किन पर फिटकरी लगाने से फंगस नहीं पनपता है. मेडिकल साइंस में भी फिटकरी को स्किन के लिए फायदेमंद माना लगया है. लेकिन इसका ओवरयूज करने से बचना चाहिए.

फिटकरी से हटाएं चेहरे के बाल

चेहरे के अनचाहे बालों को हटाने के लिए फिटकरी को मिल्क पाउडर, चीनी, गुलाब जल, ग्लिसरीन और थोड़े से बेसने के साथ यूज करें. इसकी जगह आप सिर्फ फिटकरी और मिल्क पाउडर भी इस्तेमाल कर सकते हैं.

इस्तेमाल की विधि

सबसे पहले गैस पर नॉनस्टिक तवे पर फिटकरी को गर्म आंच पर रोस्ट करें. फिटकरी पिघलकर पपड़ी में बदल जाएगा. जब पूरी फिटकरी मेल्ट हो जाए तो तवे से खुरचकर पपड़ी को निकालें और मिक्सर में पिसकर इससे पाउडर तैयार करें.

फिर एक बाउल में एक चम्मच मिल्क पाउडर से दूध तैयार करें और इसमें फिटकरी पाउडर को डाल दें. इसके बाद एक-एक करके बाकी सारी सामग्री मिलाकर एक थिक पेस्ट तैयार कर लें.

फिर इस पेस्ट को उस जगह पर लगाएं जहां के बाल आपको हटाना है. 10-15 बाद पेस्ट को हटा लें. और हल्के ठंडे पानी से धोकर साफ टॉवेल से पोंछ लें. बेहतर रिजल्ट के लिए हफ्ते में दो बार यूज करें. धीरे-धीरे इससे हेयर ग्रोथ कम होती नजर आएगी.

इस बात का रखें ध्यान

वैसे तो ये उपाय नेचुरल सामाग्री से किया जाता है, लेकिन फिर भी एक पार पैच टेस्ट जरूरी है. अगर आपको कोई इरिटेशन या रेडनेस स्किन पर नजर आए तो इसे यूज न करें।

गुड़ियों की जादुई दुनिया! एक ही छत के नीचे 85 देशों की झलक, बच्चों को मिनी वर्ल्ड टूर कराएगा यह म्यूजियम

दिल्ली में अपने बच्चों के साथ घूमने के लिए कोई ऐसी जगह ढूंढ रहे हैं, जहां आप घूम भी सकें और कुछ नया सीख भी सकें? तो दिल्ली ITO के पास शंकर इंटरनेशनल डॉल्स म्यूज़ियम आएं. यहां पर 85 देशों की 6500 से ज्यादा गुड़िया, कॉस्ट्यूम और इंडियन सेक्शन आकर्षण का केंद्र हैं. यहां पर सुबह 10 से शाम 5.30 तक आप इसका आनंद ले सकते हैं. साथ ही ये मंगलवार से लेकर रविवार तक खुला रहता है. सोमवार बंद रहता है. आइए जानते हैं इस म्यूजियम की खासियत.

अगर आप दिल्ली में अपने बच्चों के साथ घूमने के लिए कोई ऐसी जगह ढूंढ रहे हैं जहाँ आप घूम भी सकें और कुछ नया सीख भी सकें, तो ITO के पास शंकर इंटरनेशनल डॉल्स म्यूज़ियम एक बढ़िया ऑप्शन है. यह जगह बच्चों के लिए किसी जादुई दुनिया से कम नहीं है, क्योंकि यहाँ एक या दो नहीं बल्कि अलग-अलग देशों की हज़ारों रंग-बिरंगी गुड़िया हैं.

यहां करीब 6500 से ज्यादा डॉल्स हैं, जो 85 देशों से लाई गई हैं. मतलब एक ही जगह पर जापान, रूस, अमेरिका, स्पेन, फ्रांस और भारत समेत कई देशों की झलक देखने को मिलती है. बच्चों के लिए यह किसी मिनी वर्ल्ड टूर से कम नहीं.

इस म्यूजियम की सबसे यूनिक बात इसकी कॉस्ट्यूम डॉल्स हैं. ये सिर्फ खिलौने नहीं, बल्कि अपने देश की असली पारंपरिक ड्रेस और रीति-रिवाजों को दिखाती हैं. जैसे जापान की किमोनो पहनी डॉल, स्पेन की फ्लेमेंको डांसर डॉल और भारत की दुल्हन वाली गुड़िया.

यहां एक खास इंडियन सेक्शन भी है, जहां भारत के अलग-अलग राज्यों की संस्कृति को डॉल्स के जरिए दिखाया गया है. राजस्थान की घाघरा-चोली, पंजाब का भांगड़ा लुक और दक्षिण भारत की पारंपरिक साड़ी सब कुछ बच्चों को अपनी संस्कृति से जोड़ता है.

टाइमिंग की बात करें तो म्यूजियम सुबह 10 बजे खुलता है और शाम 5:30 बजे तक खुला रहता है. सोमवार को बंद रहता है, इसलिए प्लान बनाते वक्त इस बात का ध्यान रखें. टिकट भी ज्यादा महंगी नहीं है. बड़ों के लिए करीब 15 से 30 रुपये और बच्चों के लिए 5 से 13 रुपये तक टिकट मिल जाती है. यानी कम खर्च में बच्चों के लिए बढ़िया आउटिंग हो सकती है। तो, अपने बच्चों की गर्मी की छुट्टियां खत्म होने से पहले बच्चों को इस डॉल म्यूज़ियम में ज़रूर ले जाना चाहिए. यहां आपको न सिर्फ़ डॉल्स देखने को मिलेंगी, बल्कि अलग-अलग देशों के पारंपरिक कल्चर भी देखने को मिलेंगे. यहां कई देशों की डॉल्स दिखाई गई हैं, जिससे आपका बच्चा खेलते-खेलते बहुत कुछ सीख सकता है।

बिना डांटे और रुलाए बच्चों से कैसे कराएं छुट्टियों का होमवर्क? अपनाएं ये 4 टिप्स,खुद ही बैठ जाएगा पढ़न

गर्मियों की छुट्टियां बीत रही हैं और समर वेकेशन होमवर्क आफत बन गया है? रोज़-रोज़ की डांट और चिकचिक से बचें! अपनाएं ये 4 मजेदार पेरेंटिंग हैक्स, जिनकी मदद से बच्चे खेल-खेल में और बिना रोए अपना स्कूल टास्क पूरा कर लेंगे.

गर्मियों की छुट्टियां यानी बच्चों के लिए मौज-मस्ती, नानी का घर और ढेर सारा टाइम पास! लेकिन जैसे ही छुट्टियों का आधा समय बीतता है, हर घर में एक ही भूत मंडराने लगता है समर वेकेशन होमवर्क (Summer Vacation Homework). शुरुआत में जिस होमवर्क को बच्चे 'कल कर लेंगे' कहकर टालते हैं, वो जून का महीना आते-आते माता-पिता के लिए सिरदर्द बन जाता है. रोज़ की चिकचिक, रोना-धोना और डांट-

फटकार... अगर आपके घर का माहौल भी कुछ ऐसा ही हो गया है, तो टेंशन छोड़िए.

आज हम आपके लिए लेकर आए हैं 4 ऐसे मजेदार पेरेंटिंग हैक्स (Parenting Hacks), जिनकी मदद से बच्चे बिना रोए, खेल-खेल में अपना स्कूल टास्क पूरा कर लेंगे.

1, 'होमवर्क टाइम' को बनाएं 'चैलेंज गेम'-बच्चों को सीधे बोलने के बजाय कि 'चलो पढ़ने बैठो ', इसे एक गेम में बदल दें.

कैसे करें: एक टाइमर (स्टॉपवॉच) सेट करें और कहें, 'चलो देखते हैं कि क्या तुम 20 मिनट में ये 5 मैथ्स के सवाल सही हल कर सकते हो? '

फायदा: बच्चे स्वभाव से कॉम्पिटिटिव होते हैं. जब उन्हें कोई चैलेंज मिलता है, तो वो उसे बोझ समझने के बजाय एक खेल की तरह लेते हैं।

हॉलीवुड की मशहूर गायिका

कॉन्सर्ट में कैटी पेरी का अनोखा अंदाज, पूर्व मंगेतर ऑरलेंडो ब्लूम पर तंज की अटकलें तेज

एंजिल्स। हॉलीवुड की मशहूर गायिका और गीतकार कैटी पेरी एक बार फिर सुर्खियों में हैं। इस बार चर्चा उनकी नई परफॉर्मेंस को लेकर हो रही है, जिसे कई लोग उनके पूर्व मंगेतर ऑरलैंडो ब्लूम पर किया गया एक तंज मान रहे हैं।

यह मामला स्पेन के सैंटियागो डी कॉम्पोस्टेला में आयोजित प्रसिद्ध 'ओ सोन डो कैमिनो' का है। कैटी पेरी यहां मुख्य कलाकार के रूप में प्रस्तुति दे रही थीं। अपने 2020 के हिट गाने 'नेवर रियली ओवर' की परफॉर्मेंस के दौरान मंच पर एक विशाल आईफोन ग्राफिक दिखाया गया, जिसने दर्शकों का ध्यान अपनी ओर खींचा।

इस ग्राफिक में कैटी पेरी के कई कथित रिश्तों से जुड़े लोगों के नाम या उनके शुरुआती अक्षर दिखाई दिए। इनमें डीजे डिप्लो, संगीतकार जॉन मेयर के शुरुआती अक्षर, पूर्व पति रसेल ब्रांड और ऑरलैंडो ब्लूम का नाम शामिल था। स्क्रीन पर ऐसा दिखाया गया मानो इन सभी की कॉल कैटी पेरी को आ रही हो।

दिलचस्प बात यह रही कि कैटी ने इन सभी कॉल्स को नजरअंदाज कर दिया। बाद में उन्होंने एक कॉल रिसीव की, जिस पर 'जेपीजेटी' लिखा हुआ था। इसे कई लोगों ने जस्टिन ट्रूडो के पूरे नाम 'जस्टिन पियरे जेम्स ट्रूडो' के शुरुआती अक्षरों से जोड़कर देखा।

इस दृश्य ने सोशल मीडिया पर काफी चर्चा बटोरी। कई प्रशंसकों ने इसे कैटी पेरी के पुराने रिश्तों और उनके नए रिश्ते की ओर इशारा करने वाला मजाकिया अंदाज बताया। हालांकि, कैटी पेरी ने मंच से इस बारे में कोई सीधी टिप्पणी नहीं की।

कैटी पेरी और ऑरलैंडो ब्लूम पहली बार 2016 में गोल्डन ग्लोब्स की एक आफ्टर पार्टी में मिले थे। 2017 में दोनों कुछ समय के लिए अलग हुए, लेकिन 2018 में फिर साथ आए और 2019 में वैलेंटाइन डे पर सगाई कर ली। अगस्त 2020 में उनकी बेटी डेजी डव का जन्म हुआ।

करीब एक दशक तक साथ रहने के बाद जून 2025 में दोनों के अलग होने की खबरें सामने आईं। अलगाव के बावजूद, दोनों अपनी बेटी की संयुक्त रूप से परवरिश कर रहे हैं।

ऑरलैंडो ब्लूम को फिल्मों 'द लॉर्ड ऑफ द रिंग्स' में लेगोलास और पाइरेट्स ऑफ द कैरीबीन्स में विल टर्नर के किरदार के लिए जाना जाता है। उनकी पूर्व पत्नी मिरांडा केर से एक बेटा फ्लिन भी है।

वहीं, ऑरलैंडो ब्लूम से पहले कैटी पेरी की शादी 2010 से 2012 तक रसेल ब्रांड से रही थी। इसके बाद 2012 से 2015 के बीच उनका जॉन मेयर के साथ भी रिश्ता रहा। पिछले वर्ष डिप्लो ने भी सार्वजनिक रूप से स्वीकार किया था कि वह और कैटी एक-दूसरे को डेट कर चुके हैं।

जुलाई 2025 से कैटी पेरी और जस्टिन ट्रूडो के रिश्ते को लेकर भी लगातार चर्चाएं होती रही हैं, जिसके बाद अब उनकी इस नई स्टेज परफॉर्मेंस ने एक बार फिर लोगों का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है।

कौन हैं ऑरलैंडो ब्लूम?

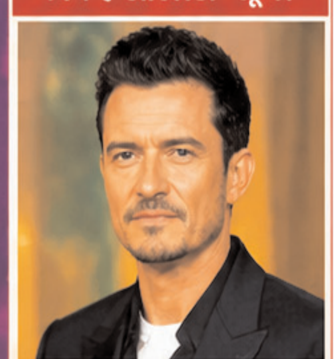

ऑरलैंडो ब्लूम को फिल्मों 'द लॉर्ड ऑफ द रिंग्स' में लेगोलाड और पाइरेट्रस ऑफ द कैरिबियनस में विल टर्नर के किरदार के लिए जाना जाता है। उनकी पूर्व पत्नी मिरांज खर से एक बेटा पलिन भी है।

सोशल मीडिया पर छाया वीडियो

इस द्रश्य ने सोशल मीडिया पर काफी चर्चा बटोरी। कई प्रशंसकों ने इसे कैटी पेरी के पुराने रिश्तों और उनके नए रिश्ते की ओर इशारा करने वाला मजाकिया अंदाज बताया। हालांकि, कैटी पेरी ने मंच से इस बारे में कोई सीधी टिप्पणी नहीं की।

कैटी के अन्य रिश्ते

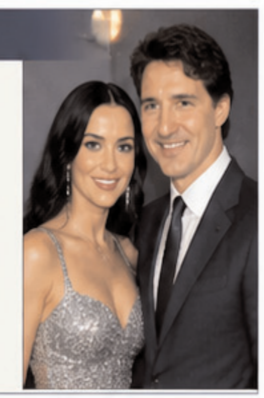

- रसेल ब्रांड : 2010 में शादी, 2012 में अलगाव
- जॉन मेयर : 2012 से 2015 तक रिश्ता
- डिप्लो : 2024 में सार्वजनिक रूप से स्वीकार किया कि दोनों एक-दूसरे को डेट कर चुके हैं
- जस्टिन ट्रूडो : जुलाई 2025 से रिश्ते की चर्चाएं लगातार जारी

अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी ने तस्वीरें शेयर कर मां को दी जन्मदिन की बधाई, पुराने दिनों को किया याद

विश्व केसरी

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी की मां सुनंदा शेट्टी रविवार को अपना 72वां जन्मदिन मना रही हैं। मां के जन्मदिन पर शिल्पा शेट्टी ने सोशल मीडिया पर तस्वीरें शेयर कर पुराने दिनों को याद किया। अभिनेत्री ने सुनंदा को अपनी सबसे बड़ी आलोचक, सबसे अच्छी दोस्त और सोलमेट बताया।

शिल्पा ने सोशल मीडिया पर अपनी मां सुनंदा, पति राज कुंद्रा, बहन शमिता और बच्चों के साथ कई तस्वीरें शेयर कीं। इन तस्वीरों में उन्होंने सुनंदा की जवानी के दिनों की तस्वीरें भी शामिल थीं।

अभिनेत्री ने पोस्ट पर कैप्शन लिखा, 'हैप्पी बर्थडे, मां! मेरी सबसे बड़ी ब्लेसिंग, सबसे बड़ी ताकत, सबसे सख्त आलोचक, सबसे अच्छी दोस्त, टीचर, गाइड और सोलमेट, मेरी सब कुछ। आप मेरे लिए क्या मायने रखती हैं, इसे शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता। आपके बेपनाह प्यार, आशीर्वाद और अटूट साथ के लिए धन्यवाद।'

उन्होंने आगे कहा, 'मैं प्रार्थना करती हूं कि आपको अच्छी सेहत, शांति और खुशी मिले और आपके सभी सपने सच हों, क्योंकि आपको मुस्कुराते हुए देखने से ज्यादा खुशी मुझे किसी चीज से नहीं मिलती। मैं आपसे हमेशा प्यार करती हूं।'

51 वर्षीय शिल्पा शेट्टी के काम की बात करें तो वे आखिरी बार सोनल जोशी की फिल्म 'सुखी' में नजर आई थीं। इस फिल्म में शिल्पा ने मुख्य भूमिका निभाई थी। उनके साथ इस फिल्म में अमित साध, दिलनाज ईरानी, ? ?कुशा कपिला और पवलीन गुजराल भी थे।

यह फिल्म 38 वर्ष की पंजाबी हाउसवाइफ सुखप्रीत 'सुखी' कालरा के जीवन पर आधारित है। अपनी रोजमर्रा की जिंदगी से तंग आकर सुखप्रीत हाईस्कूल रीयूनियन में शामिल होने के लिए दिल्ली जाती हैं।

सुखी सिर्फ सात दिनों में कई तरह के अनुभव करते हुए अपनी टीनएज की यादें ताजा करती है और एक नई ऊर्जा के साथ लौटती है और एक महिला के तौर पर अपनी पहचान बनाती है।

अभिनेत्री एलनाज नौरोजी की जिंदगी में योग और संगीत से आया बदलाव, बताया अपना अनुभव

विश्व केसरी

मुंबई। 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस और वर्ल्ड म्यूजिक डे मनाया जाएगा। जिसकी तैयारी जोरों-शोरों से चल रही है। जिसको लेकर अभिनेत्री एलनाज नौरोजी की प्रतिक्रिया सामने आई है। उनका कहना है कि योग और संगीत ने उनकी पर्सनल और प्रोफेशनल जिंदगी में बदलाव लाने वाली भूमिका निभाई है।

जुबिन नौटियाल के साथ एलनाज अपने हिंदी सिंगिंग डेब्यू 'हुआ' के जरिए म्यूजिक की दुनिया में एक नया सफर शुरू करने जा रही हैं और साथ ही योग से मिलने वाले सुकून का भी जश्न मना रही हैं। उन्होंने कहा, 'योग और म्यूजिक, दोनों से मुझे हमेशा एक जैसा सुकून मिला है। दोनों के लिए जरूरी है कि आप थोड़ा ठहरें, वर्तमान में रहें और अपने अंदर की गहराई से जुड़ें।'

उन्होंने कहा, 'एक आर्टिस्ट के तौर पर, मेरी जिंदगी अक्सर यात्रा, परफॉर्मेंस और लगातार भागदौड़ से भरी रहती है, इसलिए योग मुझे बैलेंस बनाने में मदद करता है, जबकि म्यूजिक मुझे उन भावनाओं को जाहिर करने में मदद करता है, जिन्हें कभी-कभी शब्दों में नहीं कहा जा सकता।'

उन्होंने आगे कहा, 'यह साल मेरे लिए बहुत खास है क्योंकि मैं इंटरनेशनल योग डे मना रही हूं और साथ ही जुबिन नौटियाल के साथ अपने हिंदी सिंगिंग डेब्यू 'हुआ' के जरिए म्यूजिक की दुनिया में एक रोमांचक नया सफर भी शुरू कर रही हूं।

नेगेटिव कमेंट्स का असर खुद पर नहीं पड़ने देता : अनुपम खेर

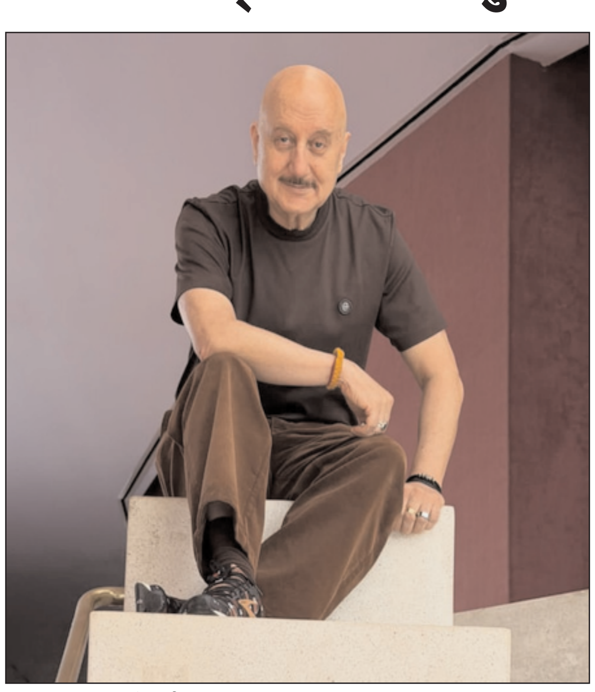

विश्व केसरी

मुंबई। अभिनेता अनुपम खेर ने सफलता, दृढ़ता और आलोचना का सामना करने के बारे में एक प्रेरक संदेश शेयर किया है।

हाल ही में इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट में अनुपम खेर बताया कि अब वे नेगेटिव कमेंट्स का खुद पर असर नहीं पड़ने देते। चुनौतियों के प्रति अपने जीवनभर के लगाव के बारे में बात करते हुए खेर ने कहा कि असली खुशी सिर्फ शिखर पर पहुंचने में नहीं, बल्कि मुश्किलों को पार करने के सफर में मिलती है।

अपनी कई तस्वीरें शेयर करते हुए 'तन्वी द ग्रेट' के एक्टर ने लिखा, 'मुझे हमेशा से चढ़ाई करना पसंद रहा है। इसलिए नहीं कि मैं शिखर पर पहुंचना चाहता हूं, बल्कि इसलिए क्योंकि मुझे चढ़ाई की चुनौती पसंद है। रास्ता जितना मुश्किल होता है, ऐसी जगह पहुंचने पर उतनी ही अधिक खुशी मिलती है, जहां पहुंचने की आपने कभी उम्मीद नहीं की थी। हां, जब आप किसी खास मुकाम पर पहुंच जाते हैं, तो हमेशा ऐसे लोग होते हैं जो आपको नीचे खींचना चाहते हैं। शायद ऐसा करने से उन्हें बेहतर महसूस होता है।'

अभिनेता ने आलोचना को लेकर कहा, 'अगर वे वहां नहीं पहुंच पाते जहां आप पहुंचे हैं, तो उनके पास दो रास्ते होते हैं, या तो वे इसके लिए मेहनत करें या आपकी आलोचना करें।

आलोचना करना आमतौर पर आसान होता है। अब मैं इसे दिल पर नहीं लेता। मैं बस एक और पहाड़, एक और सीढ़ी, एक और चुनौती की तलाश में रहता हूं। आखिर, असली खुशी कभी भी सबसे ऊपर खड़े होने में नहीं थी। खुशी तो हमेशा ऊपर चढ़ने में रही है। है ना!

इस पोस्ट के साथ कई तस्वीरें भी साझा की है। इन तस्वीरों में अभिनेता खेर सीढ़ी पर बैठकर अलग-अलग पोज़ देते हुए दिखाई दे रहे हैं। यह उनके उस संदेश को दिखाता है जिसमें वे लगातार कोशिश करने, आगे बढ़ने और नई चुनौतियों को अपनाने की खुशी की बात करते हैं।

इसके पहले अनुपम खेर ने 'आई एम एन इंडियन' नाम से एक दमदार और भावुक वीडियो शेयर किया था। इस वीडियो में खेर ने भारतीयों से जुड़ी कई आम धारणाओं और रूढ़ियों पर बात की, चाहे वे देश में हों या विदेश में।

प्रोफेशनल तौर पर बात करें तो अनुपम खेर आखिरी बार फिल्म 'तन्वी द ग्रेट' में नज़र आए थे, जिसे उन्होंने खुद डायरेक्ट भी किया था। इस फिल्म में जैकी श्रॉफ, अरविंद स्वामी, बोमन ईरानी, पल्लवी जोशी, करण टैकर, नसीरुद्दीन शाह और इयान ग्लेन जैसे कई कलाकार अहम भूमिकाओं में थे।

फिल्ममेकर और फैशन स्टाइलिस्ट रिया अनिल कपूर की ज्वेलरी चोरी

विश्व केसरी

मुंबई। फिल्ममेकर और फैशन स्टाइलिस्ट रिया अनिल कपूर की किराए की ज्वेलरी चोरी करने का मामला सामने आया है। मुंबई के सहार पुलिस स्टेशन ने अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी शिकायत के अनुसार, न्यूयॉर्क में एक फैशन शो के लिए जाते समय रिया कपूर की मेकअप आर्टिस्ट के हैंडबैग से 1.35 करोड़ के हीरे-जड़े इयररिंग्स चोरी हो गए हैं। इयररिंग्स मुंबई के मेहता और गोयंका ज्वेलर्स से किराए पर लिए गए थे। मुंबई की मशहूर मेकअप आर्टिस्ट सवलीन सिंह पिछले 7 साल से रिया अनिल कपूर के साथ काम करती हैं। 29 अप्रैल को न्यूयॉर्क में 'नेट गाला' फैशन शो इवेंट के लिए रिया कपूर को आमंत्रित किया गया था। रिया के साथ उनकी पूरी टीम भी जा रही थी।

मेकअप टीम के साथ रिया कपूर के लिए मेहता ज्वेलर्स और गोयंका ज्वेलर्स मुंबई से दो जोड़ी महंगे इयररिंग्स किराए पर लिए गए थे। सवलीन सिंह ने ये दोनों बॉक्स अपनी हैंडबैग में रखे थे। सभी लोगों ने 27 अप्रैल की रात 10 :25 बजे मुंबई से अमीरात फ्लाइट से उड़ान भरी थी। मुंबई से दुबई और फिर दुबई से न्यूयॉर्क के कैनेडी एयरपोर्ट पर 28 अप्रैल की शाम 5 :30 बजे टीम पहुंची। यहां से सभी होटल पियर न्यूयॉर्क में अपने-अपने कमरे में चले गए।

कमरे में सवलीन सिंह ने जब टीम की शिरीन को इयररिंग्स देने के लिए बॉक्स खोले तो दोनों खाली थे। मेहता ज्वेलर्स के पन्ना स्टोन डायमंड वाले सोने के इयररिंग्स कीमत 66 लाख और गोयंका ज्वेलर्स के जाम्बियन स्टोन सोने की बॉर्डर वाले इयररिंग्स कीमत 69 लाख रुपये गायब थे। सवलीन सिंह ने मुंबई लौटकर मुंबई की सहार पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने चोरी का केस दर्ज जांच शुरू कर दी है।

पुलिस ने बताया कि मेकअप आर्टिस्ट सवलीन सिंह की शिकायत पर एफआईआर दर्ज की गई है। शिकायतकर्ता रिया कपूर की टीम के साथ न्यूयॉर्क जा रही थीं, तभी किराए पर लिए गए 1.35 करोड़ के इयररिंग्स चोरी हो गए। एयरपोर्ट से लेकर होटल तक की पूरी टाइमलाइन चेक की जा रही है। मुंबई पुलिस अब ये पता लगाने की कोशिश कर रही है कि चोरी मुंबई एयरपोर्ट, फ्लाइट या न्यूयॉर्क पहुंचने के बाद हुई।

'मार दो या अनाथालय में छोड़ दो', पूजा चोपड़ा के जन्म पर ससुराल वालों ने रखी थी शर्त, मां ने किया खुलासा

विश्व केसरी

मुंबई। मिस इंडिया 2009 और एक्ट्रेस पूजा चोपड़ा की मां ने पूजा के जन्म के बाद आए मुश्किल दौर की कहानी बताई है।

रियलिटी शो 'तुम हो ना - घर की सुपरस्टार' पर एक भावनात्मक बातचीत में पूजा की मां नीरा ने मेजबान राजीव खंडेलवाल से बातचीत के दौरान बताया कैसे उन्होंने सभी बाधाओं के बावजूद दो

बेटियों की परवरिश की। बेटियों को सफलता मिलने से पहले तक यह दौर बहुत मुश्किलों से भरा रहा।

शादी के बाद अपने शुरुआती वर्षों को याद करते हुए नीरा ने कहा, 'जब शादी हुई तो ससुराल बहुत अच्छा था, हम एक मिडिल क्लास परिवार थे। शादी के बाद जब पहली बेटी हुई तब भी सबका रवैया ठीक-ठाक था। उसके बाद जब बेटी डेढ़ साल की हुई तो सास को कैंसर हुआ। उनको मैं नहलाते हुए ऐसे बोलती थी कि 'मम्मी सब ठीक हो जाएगा ना?' तो उन्होंने मुझसे कहा, 'अगर तुम्हारा बेटा हो जाएगा ना तो माहौल बहुत अच्छा हो जाएगा।''

कई साल बाद जब उनकी दूसरी बेटी पूजा चोपड़ा का जन्म हुआ, तो नीरा ने बताया कि कैसे जीवन में एक दर्दनाक मोड़ आया जिसने उन्हें अंदर से तोड़ दिया। उस कठिन दौर के बारे में उन्होंने खुलासा किया, 'मेरी बड़ी बेटी सात साल की हुई तो मुझे दूसरी बेटी हुई।

बांग्लादेश में भगवान राम की मूर्ति के अपमान मामले में प्रदर्शन तेज

विश्व केसरी

ढाका। बांग्लादेश में धार्मिक असहिष्णुता को लेकर बढ़ती चिंताओं के बीच विरोध प्रदर्शन तेज हो गए हैं। स्थानीय मीडिया के अनुसार, गाइबांधा जिले में भगवान राम की सबसे ऊंची प्रतिमा बनाने के विरोध में एक प्रदर्शन के दौरान कट्टरपंथी इस्लामवादियों ने कथित तौर पर उनकी तस्वीर का अपमान किया।

प्रस्तावित मूर्ति का निर्माण अभी भी रुका हुआ है, इसलिए शुक्रवार को हजारों हिंदुओं ने मशालें लेकर ढाका में मार्च किया, 'जय श्री राम' के नारे लगाए और मूर्ति के अपमान के लिए कथित तौर पर जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

बांग्लादेशी अखबार ब्लिट्ज के एडिटर सलाह उद्दीन शोएब चौधरी ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'बांग्लादेश में हिंदू 'जय श्री राम' का नारा लगाकर इस्लामिस्टों के खिलाफ विरोध जता रहे हैं! बांग्लादेश में हजारों हिंदू मशालें लेकर सड़कों पर उतर आए और रंगपुर विभाग के गैबांधा जिले में सनातन कॉम्प्लेक्स के खिलाफ इस्लामवादियों की हालिया बदनामी और भगवान राम की तस्वीरों का अपमान करने के खिलाफ 'जय श्री राम' का नारा लगाया। उन्होंने पूरे देश में ऐसा विरोध करने का ऐलान किया है और पहली बार (अपमान का) जवाब देने की कसम खाई है।'

स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, गाइबांधा जिले के पलाशबाड़ी उपजिला में स्थित श्रीश्री राधागोविंद और काली मंदिर परिसर में भगवान राम की दुनिया की सबसे बड़ी प्रतिमा के निर्माण पर रोक लगा दी गई। यह आदेश वहां के अधिकारियों ने दिया। मंदिर के सलाहकार श्यामल कुमार महंत ने पिछले हफ्ते के गुरुवार को शाम मंदिर के सभागार में हुई एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में यह घोषणा की।

इससे पहले देश के प्रमुख अल्पसंख्यक अधिकार संगठन बांग्लादेश हिंदू बौद्ध क्रिश्चियन एकता परिषद ने घटना की कड़ी निंदा करते हुए इसे हिंदू समुदाय की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाला बताया है। संगठन के अनुसार, एक सांप्रदायिक समूह द्वारा निकाले गए जुलूस के दौरान भगवान राम की तस्वीर का अपमान किया गया।

विश्वास विदु सपकाल स्लोवाक गणराज्य में भारत के अगले राजदूत नियुक्त

विश्व केसरी

नई दिल्ली। भारतीय विदेश मंत्रालय ने स्लोवाक गणराज्य के नए राजदूत की नियुक्ति का ऐलान किया है। एक बयान जारी कर मंत्रालय ने बताया कि विश्वास विदु सपकाल अगले राजदूत होंगे।

बयान में आगे लिखा है कि सपकाल वर्तमान में पेरू गणराज्य में भारतीय राजदूत के रूप में कार्यरत हैं, और वो बहुत जल्द अपना नया दायित्व संभालेंगे। 1998 बैच के आईएफएस सपकाल ने महाराष्ट्र के वालचंद इंजीनियरिंग कॉलेज से इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग की।

पेरू स्थित भारतीय दूतावास की आधिकारिक साइट में दी गई जानकारी के अनुसार, पेरू से पहले, वे फिजी में भारत के उच्चायुक्त और सेंट पीटर्सबर्ग (रूस) में महावाणिज्यदूत के रूप में कार्य कर चुके हैं। इसके अलावा उन्होंने मॉस्को, शिकागो, येरेवन (आर्मेनिया) और काहिरा (मिस्र)

में विभिन्न पदों पर काम किया है।

1993 में स्लोवाकिया के गठन के बाद से ही भारत के इस देश से संबंध मजबूत रहे हैं। हाल ही में व्यापक साझेदारी के स्तर तक ये उन्नत किए गए हैं।

बता दें कि हाल ही में भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्लोवाक गणराज्य के प्रधानमंत्री महामहिम रॉबर्ट फिको के आमंत्रण पर 15 जून, 2026 को स्लोवाक गणराज्य का राजकीय दौरा किया था।

पीएमओ की ओर से दौरे को लेकर बयान जारी किया गया। बताया गया कि यह स्लोवाकिया को स्वतंत्रता मिलने के बाद किसी भारतीय प्रधानमंत्री का इस देश का पहला दौरा था। इस दौरान द्विपक्षीय सहयोग को बढ़ाने पर गहराई से मंथन किया गया। साझेदारी को विस्तार दिया गया। इस विस्तृत साझीदारी का उद्देश्य द्विपक्षीय संबंधों को एक नए स्तर पर ले जाना, सहयोग के मौजूदा तंत्र को मजबूती देना तथा द्विपक्षीय और बहुपक्षीय साझीदारी को गहराई देने के नए अवसरों की तलाश करना है। दोनों नेताओं ने हिंद-प्रशांत के बढ़ते भू-राजनीतिक, आर्थिक और प्रौद्योगिकीय महत्व को मानते हुए दोनों पक्षों के लिए लाभकारी सहयोग, क्षेत्रीय कनेक्टिविटी, मुक्त अंतरराष्ट्रीय व्यापार, नौवहन की आजादी, विवादों के शांतिपूर्ण हल तथा नियम-आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था के समर्थन में भारत और स्लोवाकिया के बीच ज्यादा मजबूत साझीदारी की अहमियत को स्वीकार किया।

संक्षिप्त खबर

नेपाल के सेंट्रल जू में 12 से ज्यादा पशु-पक्षी बर्ड फ्लू से संक्रमित, चिड़ियाघर अनिश्चितकाल के लिए बंद

विश्व केसरी

दिल्ली। काठमांडू घाटी में नेपाल के सेंट्रल जू (चिड़ियाघर) में एक दर्जन से ज्यादा पक्षियों और जानवरों में बर्ड फ्लू के मामले पाए गए। इस घटना के बाद सेंट्रल जू को शुक्रवार से अनिश्चित काल के लिए बंद कर दिया गया है। चिड़ियाघर में अलग-अलग प्रकार वन्यजीव रहते हैं, जो इसे खूबसूरत बनाते हैं। ऐसे में यह स्थान घाटी में आने वाले पर्यटकों, छात्रों और पर्यटकों के लिए प्रमुख आकर्षणों में से एक है। शुक्रवार देर रात एक नोटिस जारी करते हुए, सेंट्रल जू के अधिकारियों ने कहा कि चिड़ियाघर परिसर के अंदर पक्षियों और जानवरों के बीच एवियन इन्फ्लूएंजा (बर्ड फ्लू) संक्रमण का पता चलने के बाद आम जनता और आगंतुकों के स्वास्थ्य और सुरक्षा की रक्षा के लिए अगली सूचना तक सुविधा बंद कर दी गई है। सेंट्रल चिड़ियाघर के संचालन के लिए नेशनल ट्रस्ट फॉर नेचर कंजर्वेशन जिम्मेदार है। हालांकि इंसानों से इंसानों में बर्ड फ्लू का फैलना बहुत कम होता है, लेकिन ऐसे मामले सामने आए हैं जहां संक्रमित पक्षियों के रोजाना संपर्क में रहने वाले लोगों इस वायरस के चपेट में आ गए। सेंट्रल जू के सूचना अधिकारी गणेश कोइराला ने न्यूज एजेंसी आईएएनएस को बताया कि बर्ड फ्लू का पता चलने के बाद चिड़ियाघर को डिसइंफेक्शन के लिए बंद कर दिया गया है।

बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान जल्द जाएंगे मलेशिया और चीन

विश्व केसरी

ढाका। बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान पद संभालने के बाद अपने पहले विदेश दौरे पर मलेशिया और चीन जाने वाले हैं। बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय ने शनिवार को यह जानकारी दी। ढाका की सरकारी समाचार एजेंसी बीएसएस ने विदेश मंत्रालय के हवाले से बताया कि रहमान रविवार को मलेशिया जाएंगे और उसके अगले दिन चीन की यात्रा पर रवाना होंगे। विदेश सचिव असद आलम सियाम ने मीडिया ब्रीफिंग के दौरान यह जानकारी दी। आलम के अनुसार, बीजिंग में उनकी बातचीत के एजेंडे में व्यापार और बुनियादी ढांचा परियोजनाएं प्रमुख रहेंगी। उन्होंने बताया कि बांग्लादेश और चीन के बीच इस यात्रा के दौरान 15 से 17 द्विपक्षीय समझौतों पर हस्ताक्षर होने की संभावना है। इनमें 13 समझौता ज्ञापन (एमओयू), दो समझौते, एक कार्य योजना और एक प्रोटोकॉल शामिल हैं। प्रधानमंत्री तारिक रहमान रविवार दोपहर मलेशिया की राजधानी कुआलालंपुर के लिए रवाना होंगे। वह मलेशियाई प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम के निमंत्रण पर वहां जा रहे हैं। इसके बाद सोमवार दोपहर वह चीनी प्रधानमंत्री ली कियांगके निमंत्रण पर चीन की यात्रा करेंगे। सियाम ने कहा, 'फरवरी में सरकार के सत्ता संभालने के बाद प्रधानमंत्री की यह पहली विदेश यात्रा है।' उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री के साथ मलेशिया और चीन जाने वाले प्रतिनिधिमंडलों को अपेक्षाकृत छोटा रखा गया है। दोनों यात्राओं के लिए प्रतिनिधिमंडल में करीब 27 से 28 सदस्य शामिल होंगे। उन्होंने पत्रकारों से कहा, 'हमने इसे एक उचित स्तर तक सीमित रखने की कोशिश की है।' बीएसएस ने विदेश मंत्रालय के हवाले से बताया, 'इन यात्राओं को बांग्लादेश की आर्थिक साझेदारियों को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ी कूटनीतिक पहल के रूप में देखा जा रहा है।' आलम के अनुसार मलेशिया के साथ भी व्यापार, द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने पर केंद्रित होगा।

दुबई में महिलाओं ने किया योग, बर्लिन के 'हृदय स्थल' पर भव्य आयोजन की तैयारी

विश्व केसरी

दुबई/बर्लिन/कोपेनहेगन। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस को लेकर दुनिया के कई देशों में तैयारी अंतिम चरण पर है। विभिन्न देशों में मौजूद भारतीय उच्चायुक्त और दूतावास योग सत्र आयोजित कर लोगों को स्वस्थ रहने का संदेश दे रहे हैं।

दुबई में 'सशक्त महिलाएं, स्वस्थ जीवन और मजबूत समुदाय' के संकल्प संग योग किया गया तो डेनमार्क में भी विशेष योग सत्र में राजनयिक और शीर्ष अधिकारी जुटे। वहीं जर्मनी के दिल ब्रांडेनबर्ग गेट में भी भव्य आयोजन की तैयारी पूरी है।

इस साल का थीम 'योग फॉर हेल्दी एजिंग' यानी 'स्वस्थ वृद्धावस्था के लिए योग' है। दुबई में महावाणिज्य दूतावास की कौंसुल अंकिता वाकेकर ने एमिरेट्स गोल्फ क्लब में महिलाओं, युवतियों और बच्चियों के लिए आयोजित विशेष सत्र में भाग लिया।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर तस्वीरों के साथ उन्होंने लिखा कि इस वर्ष की थीम को ध्यान में रखते हुए आयोजित सत्र में जीवन के हर चरण में योग की शक्ति, संतुलन, सुदृढ़ता और समग्र स्वास्थ्य को

बढ़ावा देने की क्षमता को प्रदर्शित किया गया।

बर्लिन में भी साधकों से अहम अपील भारतीय दूतावास ने की। खास आयोजन राजधानी के जानमाने ब्रांडेनबर्ग गेट पर होगा। एक्स पर दूतावास ने आधिकारिक एक्स अकाउंट पर लिखा, अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2026 (आईवाईडी) में अब सिर्फ एक दिन बाकी है! आगे लिखा, '21 जून 2026 को बर्लिन के प्रतिष्ठित ब्रांडेनबर्ग गेट पर आयोजित होने वाले विशेष योग कार्यक्रम में शामिल होकर योग की भावना का अनुभव करें। योग, ध्यान, संस्कृति और सामुदायिक सहभागिता से भरपूर इस सुबह में हमारे साथ जुड़ें, जहां हम बर्लिन के हृदय स्थल पर एक साथ योग उत्सव मनाएंगे।' डेनमार्क भी योग के लिए तैयार है। कोपेनहेगन स्थित भारतीय दूतावास ने डेनमार्क के विदेश मंत्रालय में एक योग सत्र का आयोजन किया। इस सत्र में डेनिश राजनयिकों तथा मंत्रालय के अन्य सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

ब्रिक्स एनएसए की बैठक में शामिल होंगे चीनी विदेश मंत्री

विश्व केसरी

दिल्ली। नई दिल्ली में 22 और 23 जून को ब्रिक्स राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों की बैठक का आयोजन करने जा रहा है। इस मौके पर चीन के विदेश मंत्री वांग यी भी मीटिंग में शामिल होने वाले हैं। भारत में चीनी दूतावास के राजदूत शू फीहोंग ने कहा कि चीनी पक्ष मौजूदा अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा स्थिति, बड़े अंतरराष्ट्रीय और क्षेत्रीय मुद्दों और परंपरागत और गैर-परंपरागत सुरक्षा चुनौतियों पर चर्चा करेगा।

भारत में चीनी दूतावास के राजदूत शू फीहोंग ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'ब्रिक्स राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार और राष्ट्रीय सुरक्षा को लेकर उच्च प्रतिनिधियों की 16वीं मीटिंग के दौरान चीनी पक्ष मौजूदा अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा स्थिति, बड़े अंतरराष्ट्रीय और क्षेत्रीय मुद्दों और परंपरागत और गैर-परंपरागत सुरक्षा चुनौतियों को लेकर जॉइंट रेस्पॉन्स

पर दूसरे ब्रिक्स सदस्यों के साथ विचारों का लेन-देन करेगा और सितंबर में होने वाले ब्रिक्स समिट के लिए राजनीतिक तैयारी करेगा।' उन्होंने आगे कहा कि चीन ब्रिक्स सदस्यों के साथ संचार और समन्वय बढ़ाने के लिए उत्सुक है ताकि राजनीतिक और सुरक्षा सहयोग को बेहतर बनाया जा सके और दुनिया की शांति और सुरक्षा में योगदान दिया जा सके। अगस्त 2025 के बाद उनका भारत का पहला दौरा होगा। वांग केंद्रीय विदेश मामलों के आयोग के निदेशक के तौर पर चीन के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार भी हैं।

सीजफायर के कुछ घंटों बाद ही इजरायल ने लेबनान पर किया हमला , 5 की मौत

विश्व केसरी

बेरूत। दक्षिण लेबनान में इजरायली हमले जारी है। हालिया हमले में 5 लोगों की मौत हो गई है। लेबनान की नेशनल न्यूज एजेंसी (एनएनए) ने शनिवार को बताया कि, हिज्बुल्लाह और इजरायल के बीच युद्धविराम लागू होने के 24 घंटों के भीतर ही दक्षिणी लेबनानी शहर सज्द के निकट स्थित जबल अल-रफी क्षेत्र पर एयर स्ट्राइक की गई।

एक दिन पहले ही दोनों के बीच सीजफायर पर सहमति बनी थी। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, युद्धविराम शुक्रवार को स्थानीय समयानुसार शाम 4:00 बजे से प्रभावी हुआ।

इस बीच, हिज्बुल्लाह प्रमुख नईम कासिम ने शुक्रवार को कहा कि यदि संगठन पर हमला किया गया तो वह हथियारों के बल पर इजरायल का मुकाबला करेगा।

उन्होंने जोर देकर कहा कि मौत की धमकियां उनके सदस्यों को डराने में सफल नहीं होंगी। अल-मनार टीवी चैनल पर प्रसारित अपने संबोधन में कासिम ने कहा, 'हिज्बुल्लाह को खत्म करने और कब्जे को स्थायी बनाने की परियोजना विफल हो चुकी है, और इजरायल हमारी जमीन के अंतिम हिस्से तक से पीछे हटेंगे।' उन्होंने कहा कि लेबनान इस समय 'सबसे खतरनाक दौर' और देश के भविष्य को निशाना बनाने वाली 'अमेरिकी-इजरायली अभियान' का सामना कर रहा है। कासिम ने आरोप लगाया कि लेबनान की राजनीतिक सत्ता के खिलाफ इजरायल नया आंदोलन खड़ा करना चाहता है और संघर्ष से प्रभावित क्षेत्रों के पुनर्निर्माण में भी बाधाएं पैदा कर रहा है। कासिम ने यह भी कहा कि हिज्बुल्लाह के हथियार केवल इजरायल के खिलाफ इस्तेमाल के लिए हैं और उन्होंने इजरायल से लेबनान की संप्रभुता तथा क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान करने की अपील की।

ओबामा ने ट्रंप की ईरान नीति पर उठाए सवाल, कहा- हालात पहले से भी बदतर

विश्व केसरी

वाशिंगटन। अमेरिका-ईरान के बीच पीस डील हो चुकी है। जी7 समिट से लेकर ट्रुथ सोशल से लगातार वर्तमान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा को निशाने पर लेते आए हैं। 'जॉइंट कॉम्प्रिहेंसिव प्लान ऑफ एक्शन' (जेसीपीओए) को 'ईरान को रिश्वत देने की कोशिश' कहते आए हैं और अपने हालिया शांति समझौते को बेहतरीन करार दे रहे हैं। अब ओबामा ने ईरान नीति की सख्त मुखालफत की है। उन्होंने कहा है कि हालात पहले से बदतर हो गए हैं।

ईरान के साथ अमेरिका के पिछले परमाणु समझौते पर हस्ताक्षर करने वाले पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा ने एनबीसी को दिए एक साक्षात्कार में ट्रंप प्रशासन की ईरान नीति की आलोचना की।

शुक्रवार को प्रसारित कार्यक्रम में, ओबामा ने कहा, 'हमने अब एक युद्ध लड़ा है, अरबों-खरबों

डॉलर खर्च किए हैं, अपनी सेना पर भारी दबाव डाला है। बहुत से लोगों की जान गई है। और ऐसा लगता है कि हम वहीं वापस आ गए हैं जहां युद्ध शुरू करने से पहले थे, बल्कि शायद स्थिति उससे भी थोड़ी खराब हो गई है।'

ओबामा ने कहा कि वह संघर्ष विराम से खुश हैं और उम्मीद करते हैं कि यह कायम रहेगा। उन्होंने कहा, 'मैं युद्धविराम देखकर बहुत खुश हूं और आशा करता हूं कि यह बना रहेगा।' इसके साथ ही पूर्व राष्ट्रपति ने ट्रंप प्रशासन द्वारा ईरान के खिलाफ अपनाई गई नीति और सैन्य कार्रवाई के औचित्य पर भी सवाल उठाया, कहा कि उनके कार्यकाल में हुए ईरान परमाणु समझौते के तहत ईरान ने परमाणु हथियार विकसित न करने पर सहमति जताई थी। ओबामा ने कहा, 'ईरान ने परमाणु हथियार विकसित नहीं करने पर सहमति दी थी। इस प्रशासन ने, या इसी प्रशासन ने पहले, उस समझौते से खुद को अलग कर लिया, जिसके परिणामस्वरूप ईरान ने अपनी परमाणु क्षमता को और बढ़ाया।' दरअसल, 2015 में बराक ओबामा प्रशासन ने ईरान के साथ 'जॉइंट कॉम्प्रिहेंसिव प्लान ऑफ एक्शन' (जेसीपीओए) नाम से एक परमाणु समझौता किया था। ट्रंप प्रशासन की नीतियों से अलग, यह एक विस्तृत और औपचारिक समझौता था, जिसमें 160 से अधिक पन्नों का दस्तावेज शामिल था। इसका मुख्य उद्देश्य ईरान की परमाणु गतिविधियों पर रोक लगाना और उसके परमाणु कार्यक्रम को सीमित करना था।

योग मानवता और दुनिया के लिए भारत का अनमोल तोहफा : रूसी राजनयिक

विश्व केसरी

नई दिल्ली। दुनियाभर में 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया जाएगा। इस मौके पर दुनिया के अलग-अलग देशों में योग कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। 12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस से पहले कई भारतीय मिशनों में योग सत्र का आयोजन किया जा रहा है। इस अवसर पर भारत में रूस के राजदूत की पत्नी डायना अलीपोवा और रूसी दूतावास की काउंसलर (कल्चर) यूलिया आर्यवा ने न्यूज एजेंसी आईएएनएस से खास बातचीत की।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस से पहले भारत में रूसी दूतावास की काउंसलर (कल्चर) यूलिया आर्यवा ने कहा,

'मुझे यकीन है कि योग एक अनमोल तोहफा है। भारत की ओर से मानवता और दुनिया के लिए एक तोहफा। जहां तक मेरी बात है, मुझे योग करना बहुत पसंद है, खासकर 'योग लाइफ स्टूडियो' के साथ और आज के सेशन को होस्ट करना और अपने भारतीय दोस्तों और डिप्लोमैटिक कॉर्प्स के उन दोस्तों के साथ दूतावास में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाना, जो आज हमारे साथ शामिल हुए हैं, हमारे लिए सचमुच सम्मान और खुशी की बात है।' वहीं, भारत में रूस के राजदूत की पत्नी डायना अलीपोवा ने कहा, 'हम 'लाइफ योग स्टूडियो' के बहुत आभारी हैं कि वे आज यहां आए और अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के जश्न से ठीक पहले सुबह-सुबह यह शानदार योग सत्र आयोजित किया।

असल में, मॉस्को समेत रूस के दूसरे शहरों में भी यह एक बहुत लोकप्रिय त्योहार है।' इसके अलावा, कई भारतीय डिप्लोमैटिक मिशन ने शनिवार को 12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस से पहले योग सत्र का आयोजन किया।

ईरान-यूएस के बीच अंतरिम शांति समझौते पर बर्गेनस्टॉक में चर्चा : स्विस विदेश मंत्रालय

विश्व केसरी

ज्यूरिख। अंतरिम शांति समझौते के क्रियान्वयन और आगे की प्रक्रिया को लेकर अमेरिका-ईरान के प्रतिनिधि स्विट्जरलैंड में जरूरी चर्चा कर रहे हैं। हालांकि इस उच्च प्रतिनिधिमंडल की अगुवाई कौन कर रहा है इसे लेकर गोपनीयता बरती गई है।

स्विट्जरलैंड के विदेश मंत्रालय ने कहा है कि वह बर्गेनस्टॉक रिजॉर्ट में एक 'गोपनीय और भरोसेमंद वातावरण' उपलब्ध कराता रहेगा, ताकि अमेरिका और ईरान के बीच हुए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) को लागू करने से जुड़ी चर्चाओं को आगे बढ़ाया जा सके।

मंत्रालय ने अपने बयान में यह भी स्पष्ट किया कि वार्ता में शामिल प्रतिभागियों और बातचीत की विषयवस्तु के बारे में कोई अतिरिक्त जानकारी साझा नहीं की जाएगी, क्योंकि यह प्रक्रिया पूरी तरह गोपनीय रखी जा रही है।

स्विस विदेश मंत्रालय ने कहा, ' यह व्यवस्था स्विट्जरलैंड की उस परंपरा के अनुरूप है, जिसमें वह संवेदनशील अंतरराष्ट्रीय वार्ताओं के लिए तटस्थ और सुरक्षित मंच प्रदान करता है।'

अमेरिका और ईरान के बीच हुए अंतरिम शांति समझौते को लागू करने संबंधी शुरुआती वार्ता शुक्रवार को होने वाली थी, लेकिन बाद में इसे स्थगित किए जाने की घोषणा कर दी गई।

सिन्हुआ न्यूज एजेंसी ने कुछ रिपोर्ट्स के हवाले से बताया कि, अमेरिकी राष्ट्रपति के विशेष दूत स्टीव विट्कॉफ संभावित बातचीत के लिए स्विट्जरलैंड रवाना होने वाले थे। वहीं, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दामाद जेरेड कुशनर पहले से ही स्विट्जरलैंड में मौजूद थे। अमेरिकी मीडिया संस्थान एक्सियोस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

रिपोर्ट के मुताबिक, ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची शनिवार को स्विट्जरलैंड जाने की योजना बना रहे हैं। हालांकि, मामले से जुड़े एक सूत्र के हवाले से एक्सियोस ने बताया कि इस यात्रा कार्यक्रम में अभी बदलाव भी हो सकता है।

हाल ही में अमेरिका और ईरान के बीच तनाव कम करने और एक प्रारंभिक समझौते को लागू करने के लिए इसी स्थान पर आगे की बातचीत की योजना बनाई गई है।

बुधवार रात (भारतीय समयानुसार गुरुवार तड़के) अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने फ्रांस के वर्साय पैलेस में फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के सामने रात्रिभोज के दौरान 14 सूत्रीय प्रारंभिक समझौता मसौदे (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए।

ललितपुर को मिली मेडिकल कॉलेज-फार्मा पार्क की सौगात

विश्व केसरी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को ललितपुर में राजकीय मेडिकल कॉलेज समेत विभिन्न विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास करते हुए विपक्षी दलों पर तीखा हमला बोला। उन्होंने समाजवादी पार्टी और कांग्रेस पर परिवारवाद तथा माफियावाद को बढ़ावा देने का आरोप लगाते हुए कहा कि पिछली सरकारों की नीतियों ने बुंदेलखंड को वर्षों तक विकास से वंचित रखा, जबकि आज यही क्षेत्र निवेश, शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के नए केंद्र के रूप में उभर रहा है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ललितपुर में आयोजित कार्यक्रम के दौरान कहा कि कभी उपेक्षा और बदहाली का प्रतीक रहा ललितपुर अब विकास और नवाचार की नई पहचान बन चुका है। उन्होंने कहा कि पहले यहां न पर्याप्त सड़कें थीं, न बिजली की व्यवस्था थी और न ही किसानों को सिंचाई की सुविधाएं उपलब्ध थीं। महिलाओं को पानी के लिए लंबी दूरी तय करनी पड़ती थी और गरीबों के लिए आवास, शिक्षा तथा स्वास्थ्य जैसी बुनियादी सुविधाएं भी सपना बनी हुई थीं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछली सरकारों के दौरान क्षेत्र के प्राकृतिक संसाधनों की खुली लूट होती थी। अवैध खनन और माफियाओं के संरक्षण के कारण विकास की संभावनाएं बाधित रहीं। उन्होंने आरोप लगाया कि बुंदेलखंड के युवाओं को रोजगार के अभाव में पलायन के लिए मजबूर होना पड़ा और विकास योजनाओं पर भी माफियाओं का कब्जा रहता था।

विपक्ष पर निशाना साधते हुए योगी ने कहा कि समाजवादी पार्टी के लिए पूरा प्रदेश नहीं, केवल सैफई ही परिवार था, जबकि कांग्रेस के लिए दिल्ली का एक परिवार ही देश बनकर रह गया था। उन्होंने कहा कि संकीर्ण राजनीतिक सोच के कारण प्रदेश के हर जिले में माफियाओं को संरक्षण मिला, जिन्होंने अवैध खनन, वन कटान, गो-तस्करी और अवैध वसूली के जरिए जनता के अधिकारों का हनन किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज स्थिति पूरी तरह बदल चुकी है। ललितपुर में राजकीय मेडिकल कॉलेज की स्थापना स्वास्थ्य सेवाओं को नई दिशा देगी, जबकि अटल आवासीय विद्यालय गरीब और वंचित वर्ग के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध करा रहा है। सीएम योगी ने घोषणा की कि लगभग डेढ़ हजार एकड़ क्षेत्र में प्रदेश का पहला फार्मा पार्क ललितपुर में स्थापित किया जाएगा, जिसकी सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। इससे हजारों युवाओं को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार मिलेगा तथा बुंदेलखंड औद्योगिक विकास के नए मानचित्र पर उभरेगा मुख्यमंत्री ने कहा कि बुंदेलखंड के विकास के लिए उनकी सरकार प्रतिबद्ध है और जल, शिक्षा, स्वास्थ्य, उद्योग तथा रोजगार के क्षेत्र में किए जा रहे निवेश आने वाले वर्षों में इस क्षेत्र की तस्वीर और तकदीर दोनों बदल देंगे। इससे पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मध्य प्रदेश के दतिया स्थित प्रसिद्ध पीतांबरा पीठ पहुंचकर मां बगुलामुखी के दर्शन और पूजा-अर्चना की। उन्होंने परिसर में स्थित वनखंडेश्वर महादेव मंदिर में जलाभिषेक भी किया। दतिया हवाई पट्टी पर मध्य प्रदेश के पूर्व गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा ने उनका स्वागत किया। दतिया से ललितपुर पहुंचने के बाद मुख्यमंत्री ने तुवन मंदिर में भी दर्शन-पूजन किया। मंदिर परिसर में वैदिक मंत्रोच्चार के बीच पूजा-अर्चना संपन्न हुई। इसके बाद उन्होंने विभिन्न विकास परियोजनाओं के लोकार्पण एवं शिलान्यास कार्यक्रम में हिस्सा लिया।

राष्ट्रपति मुर्मू और पीएम मोदी का ओडिशा दौरा प्रदेश के लिए ऐतिहासिक : सीएम मोहनचरण माझी

विश्व केसरी

रायरंगपुर। ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने शनिवार को रायरंगपुर में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की संयुक्त मौजूदगी को राज्य के इतिहास में एक सुनहरा पल बताया। उन्होंने कहा कि यह मौका ओडिशा के लिए एक यादगार अध्याय के तौर पर याद किया जाएगा।

राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री के दौरे के दौरान मुख्यमंत्री ने राष्ट्रपति मुर्मू को उनके 68वें जन्मदिन पर दिल से बधाई दी और ओडिशा की 4.5 करोड़ जनता की ओर से दोनों गणमान्य व्यक्तियों का स्वागत किया। राष्ट्रपति मुर्मू के जीवन सफर की तारीफ करते हुए माझी ने कहा कि मयूरभंज के एक दूर-दराज के आदिवासी गांव से देश के सर्वोच्च संवैधानिक पद तक उनका पहुंचना समर्पण, जनसेवा, कड़ी मेहनत और भारत की लोकतांत्रिक संस्थाओं में अटूट विश्वास का एक बेहतरीन उदाहरण है। उन्होंने उन्हें देश भर की महिलाओं के लिए प्रेरणा बताया और उनके लंबे, स्वस्थ और शांतिपूर्ण जीवन की कामना करते हुए भगवान जगन्नाथ से उनकी भलाई के लिए प्रार्थना की। मुख्यमंत्री ने राष्ट्रपति के जन्मदिन के समारोह में व्यक्तिगत रूप से शामिल होने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का भी धन्यवाद किया और कहा कि उनकी मौजूदगी ने इस मौके को और भी यादगार बना दिया है।

राज्य सरकार के दो साल पूरे होने का जिक्र करते हुए, माझी ने ओडिशा को लगातार समर्थन देने के लिए प्रधानमंत्री का आभार जताया। उन्होंने बताया कि सरकार बनने के बाद से मोदी आठ बार ओडिशा का दौरा कर चुके हैं। जिसकी शुरुआत शपथ ग्रहण समारोह से हुई थी और कहा कि हर दौरे से विकास की अहम परियोजनाएं शुरू हुईं और केंद्र-राज्य साझेदारी मजबूत हुई।

प्रधानमंत्री के कार्यकाल के 12 वर्षों की उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए माझी ने कहा कि 2014 से शुरू की गई कल्याणकारी योजनाओं का समाज के हर वर्ग पर सकारात्मक असर पड़ा है।

संक्षिप्त खबर

अवैध शराब और गांजा तस्करी गिरोह का भंडाफोड़, तीन आरोपी गिरफ्तार

विश्व केसरी

नई दिल्ली। नशीले पदार्थों और अवैध शराब के कारोबार के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत दिल्ली के करावल नगर थाना पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने एक संगठित तस्करी नेटवर्क का पर्दाफाश किया है। इस कार्रवाई के दौरान तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। आरोपियों के कब्जे से 22 किलो से अधिक गांजा, भारी मात्रा में अवैध शराब तथा 2.51 लाख रुपए नकद बरामद किए गए हैं। पुलिस को आशंका है कि बरामद नकदी अवैध कारोबार से अर्जित की गई है। पुलिस के अनुसार, 18 और 19 जून की दरम्यानी रात करीब 2 बजे करावल नगर थाने में तैनात हेड कांस्टेबल तरुण गश्त पर थे। इसी दौरान उन्होंने शिव विहार इलाके में एक मकान के बाहर दो व्यक्तियों को संदिग्ध परिस्थितियों में खड़े देखा। उनके पास कुछ गत्ते के डिब्बे और एक बैग मौजूद था। पुलिस द्वारा पूछताछ और तलाशी लेने पर डिब्बों में बड़ी मात्रा में अवैध शराब तथा बैग में हरे रंग का संदिग्ध पदार्थ मिला। जांच में बरामद पदार्थ गांजा निकला, जबकि डिब्बों में विभिन्न ब्रांडों की शराब की बोतलें और बीयर कैन पाए गए। मौके से कुल 122 क्वार्टर नाइट ब्लू व्हिस्की, 278 क्वार्टर संत्रा देसी शराब, 22 क्वार्टर व्हाइट एंड ब्लू व्हिस्की, 24 क्वार्टर ऑफिसर्स चॉइस व्हिस्की, 18 बीयर कैन तथा 320 ग्राम गांजा बरामद किया गया। सभी शराब की बोतलों पर 'फॉर सेल इन हरियाणा/दिल्ली ओनली' अंकित था।

शाहदरा रेलवे स्टेशन पर जनरल कोच में सीट के लिए हत्या, 8 आरोपी गिरफ्तार

विश्व केसरी

नई दिल्ली। दिल्ली के शाहदरा रेलवे स्टेशन से एक दर्दनाक मामला सामने आया है। यहां प्लेटफॉर्म नंबर-3 पर सुबह करीब 6 बजे कुछ युवकों के बीच हुए झगड़े में 34 वर्षीय पंकज धामा की मौत हो गई। परिवार का आरोप है कि झगड़े के दौरान पंकज के साथ मारपीट की गई, जिसके बाद वह गिर पड़े। आरोप है कि मौके पर मौजूद रेलवे पुलिस ने उन्हें समय रहते अस्पताल नहीं पहुंचाया। वहीं, इस मामले में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 8 आरोपियों को मुजफ्फरनगर रेलवे स्टेशन के पास से गिरफ्तार कर लिया है। दिल्ली के शाहदरा रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर-3 पर उस वक्त अफरा-तफरी मच गई, जब सुबह करीब 6 बजे कुछ लोगों के बीच किसी बात को लेकर विवाद हो गया। देखते ही देखते यह विवाद झगड़े में बदल गया। आरोप है कि इस झगड़े के दौरान 34 वर्षीय पंकज धामा के साथ करीब 8 लड़कों ने मारपीट की। मारपीट के दौरान पंकज धामा प्लेटफॉर्म पर गिर पड़े और उनकी हालत बिगड़ती चली गई। इसी दौरान वहां मौजूद रेलवे पुलिस का एक कर्मचारी पंकज को खींचकर किनारे ले जाता दिखाई दिया। परिवार का आरोप है कि पंकज को तुरंत अस्पताल नहीं पहुंचाया गया, जिसकी वजह से उनकी हालत और गंभीर हो गई। मृतक के परिवार का आरोप है कि रेलवे पुलिस ने पंकज को समय रहते अस्पताल नहीं पहुंचाया। परिवार का कहना है कि अगर रेलवे पुलिस फौरन कार्रवाई करती और पंकज को तुरंत अस्पताल ले जाया जाता, तो शायद उनकी जान बच सकती थी।

भारत का एक प्रस्ताव, 175 देशों का समर्थन और 90 दिन से कम का सफर, ऐसे शुरू हुआ अंतरराष्ट्रीय योग दिवस

विश्व केसरी

नई दिल्ली। जब पूरी दुनिया 21 जून को 12वां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाने की तैयारी कर रही है। ऐसे समय में इसकी प्रासंगिकता पहले से कहीं अधिक बढ़ गई है। वैश्विक तनाव, युद्ध और बढ़ती मानसिक चुनौतियों के बीच योग सिर्फ एक शारीरिक गतिविधि नहीं, बल्कि संतुलित, स्वस्थ और शांतिपूर्ण जिंदगी की एक जीवन-पद्धति के रूप में उभरा है।

'योग' शब्द का मूल संस्कृत भाषा में है, जिसका अर्थ है, 'शामिल या एकत्र' होना। इसका भावार्थ शरीर और चेतना को एक करने से है। यह शरीर व मस्तिष्क, मानवता व प्रकृति, और विश्व भर में करोड़ों लोगों को एकता के धागे में पिरोता है। योग एक ऐसी शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक व्यायाम प्रक्रिया है जो भारत में शुरू हुई थी और अब दुनियाभर में विभिन्न रूपों में लोकप्रिय व प्रचलित है। दुनिया के सबसे प्रभावशाली योग गुरुओं में से एक बीकेएस अयंगर के शब्दों में कहें तो योग रोजमर्रा की जिंदगी में संतुलित दृष्टिकोण बनाए रखने के तरीके विकसित करता है और व्यक्ति को अपने कार्यों को कुशलतापूर्वक करने की क्षमता प्रदान करता है।

एक-दो दशक पहले के दौर में योग मुख्य रूप से भारत जैसे कुछ ही देशों तक सीमित था, क्योंकि इसकी जड़ें भारतीय प्राचीन ग्रंथों में मिलती हैं। योग की शुरुआत 5,000 साल पुरानी भारतीय शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक पद्धति से हुई, जिसका मकसद मन, शरीर और आत्मा में बदलाव लाना है। हाल तक पश्चिमी देश योग को शरीर को सुडौल बनाने वाली एक शारीरिक कसरत मानते थे, मगर भारत के प्रमुख योग संस्थानों और शिक्षकों की लगातार कोशिशों से योग को बढ़ावा मिला। लोगों को पता चला कि योग कई बीमारियों से लड़ने और स्वस्थ मन, शरीर और आत्मा को विकसित करने में फायदेमंद है, जो एक शांत, शांतिपूर्ण, स्वस्थ और खुशहाल जीवन का आधार है। संयुक्त राष्ट्र की ओर से 21 जून को 'अंतरराष्ट्रीय योग दिवस' के रूप में मनाने की घोषणा के बाद से दुनिया भर के लोग एक बार फिर योग की ओर देख रहे हैं।

नोएडा श्रमिक हिंसा मामले में जांच पूरी, एसआईटी ने डेढ़ हजार पन्नों की विस्तृत चार्जशीट कोर्ट में की दाखिल

विश्व केसरी

नोएडा। नोएडा में अप्रैल माह में हुई श्रमिक हिंसा के मामले में गठित विशेष जांच दल (एसआईटी) ने अपनी जांच पूरी कर ली है। मामले की गंभीरता को देखते हुए एसआईटी ने करीब डेढ़ हजार पन्नों की विस्तृत चार्जशीट न्यायालय में दाखिल कर दी है। चार्जशीट में हिंसा की साजिश रचने वालों और उपद्रव में सीधे तौर पर शामिल लोगों के खिलाफ कई महत्वपूर्ण साक्ष्य और तथ्य प्रस्तुत किए गए हैं।

जानकारी के अनुसार, 13 और 14 अप्रैल को नोएडा के विभिन्न क्षेत्रों में श्रमिकों के विरोध प्रदर्शन के दौरान हिंसा भड़क गई थी। इस दौरान कई स्थानों पर आगजनी, तोड़फोड़ और सार्वजनिक तथा निजी संपत्तियों को नुकसान पहुंचाने की घटनाएं सामने आई थीं।

हिंसा के कारण क्षेत्र में तनाव का माहौल बन गया था और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस प्रशासन को अतिरिक्त बल तैनात करना पड़ा था। मामले की जांच के लिए गठित एसआईटी ने पिछले कई महीनों में घटनास्थलों का निरीक्षण करने, सीसीटीवी फुटेज खंगालने, डिजिटल साक्ष्य जुटाने और बड़ी संख्या में प्रत्यक्षदर्शियों एवं संबंधित लोगों के बयान दर्ज करने का काम किया। जांच के दौरान मिले तथ्यों के आधार पर एसआईटी ने करीब 10 ऐसे लोगों की पहचान की है, जिन पर हिंसा भड़काने और पूरी साजिश को अंजाम देने का आरोप है। इसके अलावा लगभग दो दर्जन लोगों को हिंसक घटनाओं में प्रत्यक्ष रूप से शामिल पाए जाने के आधार पर कार्रवाई के दायरे में लिया गया है। एसआईटी की जांच में मुख्य साजिशकर्ताओं के रूप में रूपेश राय, आकृति, मनीषा, सत्यम वर्मा, हिमांशु ठाकुर और सतीश कुमार सहित कई अन्य लोगों के नाम सामने आए हैं। जांच एजेंसी के अनुसार, इन आरोपियों की भूमिका हिंसा की योजना बनाने, लोगों को उकसाने और घटनाओं को अंजाम तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण रही।

हीरा ग्रुप मामले में ईडी ने की 159 करोड़ रुपए की संपत्तियों की नीलामी

विश्व केसरी

हैदराबाद। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कथित वित्तीय धोखाधड़ी मामले की आरोपी नोहेरा शेख, हीरा ग्रुप ऑफ कंपनीज और उससे जुड़ी संस्थाओं की लगभग 159 करोड़ रुपए मूल्य की 23 अचल संपत्तियों की नीलामी कर दी है। एजेंसी ने शनिवार को कहा कि यह कदम देश भर में कथित तौर पर ठगे गए हजारों निवेशकों को उनका पैसा लौटाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

गौरतलब है कि नोहेरा शेख हीरा ग्रुप ऑफ कंपनीज की प्रमुख हैं। ईडी के अनुसार, यह नीलामी 19 जून को मेटल स्क्रैप ट्रेड कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एमएसटीसी) के माध्यम से कराई गई। यह कार्रवाई मामले से संबंधित चल रही सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिए गए निर्देशों के अनुपालन में की गई। ईडी की हैदराबाद यूनिट ने नोहेरा शेख, हीरा ग्रुप और अन्य लोगों के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग की जांच शुरू की थी। आरोप है कि इन लोगों ने आम जनता से 36 प्रतिशत से अधिक वार्षिक रिटर्न का वादा करके 5,978 करोड़ रुपए से अधिक का निवेश जुटाया था। जांच एजेंसियों का आरोप है कि आरोपियों ने निवेशकों को मूलधन तक वापस नहीं किया, जिससे कई राज्यों के निवेशकों को भारी नुकसान हुआ। नीलामी में बेची गई संपत्तियों को पहले धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के तहत जब्त किया गया था।

ईडी के मुताबिक, इन संपत्तियों की पहचान अपराध से अर्जित आय (प्रोसीड्स ऑफ क्राइम) के रूप में की गई थी, और बाद में पीएमएलए के तहत न्यायनिर्णयक प्राधिकरण ने भी इनकी जब्ती को मंजूरी दी थी। एजेंसी ने बताया कि सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के अनुसार एमएसटीसी के माध्यम से नीलामी प्रक्रिया पारदर्शी और प्रतिस्पर्धी तरीके से पूरी की गई। नीलामी से प्राप्त राशि का उपयोग सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में वास्तविक निवेशकों और पीड़ितों को पैसा लौटाने के लिए किया जाएगा। ईडी का कहना है कि इस कदम से कथित निवेश घोटाले से प्रभावित हजारों निवेशकों को मुआवजा देने की प्रक्रिया को गति मिलेगी।

ईडी ने मामले में आपराधिक कार्रवाई की जानकारी देते हुए बताया कि सुप्रीम कोर्ट ने नोहेरा शेख की जमानत रद्द कर दी थी क्योंकि उन्होंने अदालत के निर्देशों का पालन नहीं किया था।

मीठापुर में शराब और ड्रग्स के नशे में धुत पिता ने दो साल के बेटे को पीटकर मार डाला

विश्व केसरी

नई दिल्ली। दक्षिणी दिल्ली के बदरपुर विधानसभा क्षेत्र के मीठापुर इलाके से दिल दहला देने वाली घटना प्रकाश में आई है। जहां शराब और ड्रग्स के नशे में धुत एक पिता ने अपने ही दो साल के मासूम बच्चे को बुरी तरह पीटकर मौत के घाट उतार दिया। पति ने सिर्फ अपने बच्चे पर ही हमला नहीं किया बल्कि उसने पत्नी पर भी जोरदार हमला किया। पत्नी की शिकायत पर दिल्ली पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

दिल्ली पुलिस के अनुसार, शुक्रवार दोपहर 1:30 बजे मीठापुर स्थित लखपत कॉलोनी के एक मकान में यह दर्दनाक घटना हुई। पुलिस स्टेशन जैतपुर को पीसीआर कॉल मिलने के तुरंत बाद टीम मौके पर पहुंची।

शिकायतकर्ता आरती (पत्नी) ने पुलिस को बताया कि उसका पति चंदन शर्मा (34) नियमित रूप से शराब और ड्रग्स का सेवन करता था। छोटी-सी बात पर घरेलू झगड़ा शुरू हुआ, जो जल्द ही हिंसक रूप ले लिया। पीड़ित पत्नी ने कहा कि उसके पति चंदन शर्मा ने झगड़े के बाद उस पर और उसके दो नाबालिग बच्चों पर बुरी तरह हमला किया।

बुरी तरह से घायल दो साल के बेटे को तुरंत सफदरजंग हॉस्पिटल ले जाया गया। अच्छे इलाज के बावजूद बच्चे ने शनिवार सुबह दम तोड़ दिया। पुलिस की ओर से भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) और जुवेनाइल जस्टिस एक्ट की संबंधित धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज की गई। आरोपी चंदन शर्मा को तुरंत पकड़ लिया गया।

कोलकाता एयरपोर्ट के बाहर हथियार मिलने पर अभिषेक बनर्जी ने उठाए सुरक्षा पर सवाल

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के राष्ट्रीय महासचिव और सांसद अभिषेक बनर्जी ने कोलकाता के नेताजी सुभाष चंद्र बोस अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के बाहर एक व्यक्ति के हथियार के साथ पकड़े जाने की घटना के बाद पश्चिम बंगाल की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठाए हैं। अभिषेक बनर्जी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि शुक्रवार रात दिल्ली से कोलकाता पहुंचने के तुरंत बाद एयरपोर्ट के बाहर एक चौंकाने वाली घटना हुई। उन्होंने कहा कि हथियारबंद व्यक्ति को पकड़े जाने से सुरक्षा व्यवस्था और कुछ लोगों की मंशा पर गंभीर सवाल खड़े होते हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि इस घटना को मुख्यधारा के मीडिया के एक वर्ग ने पर्याप्त महत्व नहीं दिया। अभिषेक ने लिखा कि इस खबर को मीडिया में उचित कवरेज मिलने की संभावना कम है।

शाहदरा रेलवे स्टेशन पर यात्री की पीट-पीटकर हत्या, मुजफ्फरनगर से आठ गिरफ्तार

विश्व केसरी

नई दिल्ली। दिल्ली के शाहदरा रेलवे स्टेशन पर शनिवार को हुई हिंसक झड़प में ट्रेन के एक यात्री की हत्या के कुछ ही घंटों बाद, पुलिस टीम ने मुजफ्फरनगर रेलवे स्टेशन से आठ आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

दिल्ली मेट्रो में सिक्योरिटी गार्ड के तौर पर काम करने वाले 32 साल के एक व्यक्ति की मौत मामले में पुलिस हिरासत में लेकर आरोपियों से पूछताछ कर रही है।

यह घटना शनिवार को पूर्वी दिल्ली के शाहदरा रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर 3 पर हुई, जहां एक व्यक्ति योगा एक्सप्रेस में चढ़ने की कोशिश कर रहा था। जब वह और दूसरे यात्री ट्रेन के अंदर जाने की कोशिश कर रहे थे तो यात्रियों के एक समूह के बीच झगड़ा शुरू हो गया, जो बाद में हिंसक हो गया।

शुरुआती जांच से पता चला है कि मृतक पंकज धामा को झगड़े के दौरान सह-यात्रियों ने मुक्कों और लातों से पीटा। वह प्लेटफॉर्म पर गिर पड़े और उनकी हालत बिगड़ गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, पंकज धामा पर सात-आठ यात्रियों के एक समूह ने हमला किया और मारपीट की। मृतक के परिवार का दावा है कि उन्हें रेलवे अधिकारियों से समय पर मदद नहीं मिली, जिसके कारण उनकी मौत हो गई। उनके कुछ रिश्तेदारों ने कहा कि पीड़ित को अधिकारियों के बजाय कुछ यात्रियों ने अस्पताल पहुंचाया और इस देरी के कारण उनकी जान चली गई। परिवार के एक सदस्य ने कहा कि अगर उन्हें जल्दी अस्पताल ले जाया जाता, तो उनकी जान बच सकती थी।

महाराष्ट्र लोक भवन में पश्चिम बंगाल राज्य का स्थापना दिवस मनाया गया

विश्व केसरी

मुंबई। मुंबई स्थित महाराष्ट्र लोक भवन में पश्चिम बंगाल राज्य स्थापना दिवस को सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ धूमधाम से मनाया गया। महाराष्ट्र के राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा ने महाराष्ट्र और देश भर में रहने वाले पश्चिम बंगाल के लोगों को शुभकामनाएं दीं।

राज्यपाल ने बंगाली गीतों और नृत्यों की उत्कृष्ट सांस्कृतिक प्रस्तुति के लिए पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होलकर सोलापुर विश्वविद्यालय और उसके छात्रों को बधाई दी। उन्होंने पश्चिम बंगाल की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को प्रस्तुत करने में विश्वविद्यालय के मराठी भाषी छात्रों के सराहनीय प्रयासों की विशेष रूप से प्रशंसा की।

यह कार्यक्रम भारत सरकार की 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' पहल के तहत आयोजित किया गया था। कार्यक्रम की शुरुआत में पश्चिम बंगाल के राज्यपाल आरएन रवि का एक वीडियो संदेश भी दिखाया गया।

सभा को संबोधित करते हुए राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा ने कहा कि यद्यपि महाराष्ट्र और पश्चिम बंगाल लगभग दो हजार किलोमीटर की दूरी पर स्थित हैं, फिर भी दोनों राज्यों के लोगों की भावना, सांस्कृतिक चेतना और राष्ट्रवाद की सोच में उल्लेखनीय समानता है। उन्होंने कहा कि दोनों राज्य इतिहास, संस्कृति, आध्यात्मिकता और राष्ट्रवाद की साझा विरासत से एकजुट हैं। दोनों राज्यों ने देश को चैतन्य महाप्रभु, संत तुकाराम, अहिल्यादेवी होलकर और स्वामी विवेकानंद जैसे महान व्यक्तित्व दिए हैं।

राज्यपाल ने कहा कि भारत के स्वतंत्रता संग्राम के दौरान महाराष्ट्र और पश्चिम बंगाल दोनों ने महत्वपूर्ण नेतृत्व प्रदान किया। बंगाल ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस और बिपिन चंद्र पाल जैसे नेताओं को जन्म दिया, वहीं महाराष्ट्र ने लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक, गोपाल कृष्ण गोखले और कई अन्य जैसे महान व्यक्तित्वों को देश को दिया।

उन्होंने आगे कहा कि जिस प्रकार पश्चिम बंगाल साहित्य और संस्कृति के प्रति समर्पित है, उसी प्रकार महाराष्ट्र भी साहित्य और सांस्कृतिक उत्कृष्टता की भूमि है। बंगाल ने साहित्य और संगीत के क्षेत्र में अपार योगदान दिया है। उन्होंने प्रसिद्ध कहावत, 'जो बंगाल आज सोचता है, वही भारत कल सोचता है,' का जिक्र करते हुए कहा कि बंगाल के सपूतों ने राष्ट्र को 'वंदे मातरम' और 'जन गण मन' दोनों का उपहार दिया है। राज्यपाल ने कहा कि मुंबई भारत की वित्तीय राजधानी है, जबकि कोलकाता को व्यापक रूप से इसकी सांस्कृतिक राजधानी माना जाता है। उन्होंने बंगाली भाषा को मधुर और प्रसिद्ध रसगुल्ले की तरह मीठा बताया। इस अवसर पर, विश्वविद्यालय के छात्रों ने दुर्गा पूजा गीत 'हेलो गिरि शुनो बोलोर' प्रस्तुत किया, जो पश्चिम बंगाल के महान व्यक्तित्वों के जीवन और योगदान को दर्शाने वाला एकालाप था।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवसः पीएम मोदी के साथ जुड़ने के लिए 6 लाख संगठनों ने 'योग संगम पोर्टल' पर रजिस्ट्रेशन कराया

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की तैयारी चल रही है। आयुष मंत्रालय अंतरराष्ट्रीय योग दिवस को भव्य बनाने के लिए पूरी तरह से जुट गया है। आयुष मंत्रालय की ओर से बताया गया कि 'योग संगम पोर्टल' पर रजिस्ट्रेशन का आंकड़ा छह लाख के पार पहुंच गया है। इस आंकड़े से ही समझा जा सकता है कि लोग योग दिवस मनाने के लिए कितने उत्साही हैं।

आयुष मंत्रालय के अनुसार, देश भर के संगठन 'कॉमन योग प्रोटोकॉल' (सीवाईपी) के आधार पर एक साथ योग सत्र आयोजित करेंगे और 21 जून को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ योगाभ्यास करेंगे।

मंत्रालय ने इस उपलब्धि को 'देश भर के संस्थानों और समुदायों के बीच अभूतपूर्व उत्साह' का प्रमाण बताया है। मंत्रालय का कहना है कि रजिस्टर्ड संगठनों से उम्मीद है कि वे अपनी-अपनी जगहों पर जन-जन को इकट्ठा करेंगे और स्वास्थ्य व समग्र कल्याण को बढ़ावा देने वाले एक सामूहिक राष्ट्रीय आंदोलन का हिस्सा बनेंगे।

'योग संगम' अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2026 की प्रमुख पहलों में से एक है। इसका उद्देश्य है कि योग दिवस के दिन होने वाला योगाभ्यास किसी एक जगह तक सीमित न रहे, बल्कि इसे राष्ट्रीय कार्यक्रम से भी जोड़ा जा सके। मंत्रालय ने कहा कि 'योग संगम पोर्टल' रजिस्ट्रेशन, तालमेल और भागीदारी पर नजर रखने की सुविधा देकर 'इस पहल की डिजिटल रीढ़' बन गया है।

यह पहल अब देश के सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों तक पहुंच गई है और इसमें 778 जिले शामिल हैं। मंत्रालय की ओर से जारी आंकड़ों से पता चलता है कि पोर्टल पर 3.22 लाख से ज्यादा सरकारी संस्थानों ने रजिस्ट्रेशन कराया है। इसके अलावा, लगभग दो लाख शिक्षण संस्थान, 16,000 से ज्यादा निजी संगठन, 5,000 से ज्यादा गैर-सरकारी संगठन (एनजीओ) और अन्य श्रेणियों से लगभग 44,000 संस्थाएं भी इसमें शामिल हुई हैं।

राज्यों की बात करें तो पश्चिम बंगाल में सबसे ज्यादा भागीदारी देखी गई है। बंगाल में 2.76 लाख से ज्यादा संगठनों ने रजिस्ट्रेशन कराया है। इसके बाद राजस्थान है, जहां लगभग 1.50 लाख रजिस्ट्रेशन हुए हैं।

महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, मध्य प्रदेश, असम, उत्तर प्रदेश, तमिलनाडु, ओडिशा और छत्तीसगढ़ से भी बड़ी संख्या में लोगों के शामिल होने की जानकारी मिली है।

आयुष मंत्रालय की ओर से और अधिक संगठनों और सामुदायिक समूहों को 'योग संगम पोर्टल' पर रजिस्ट्रेशन करके इस पहल से जुड़ने के लिए अपील की गई है। रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया में संगठन और संपर्क से जुड़ी जानकारी देना, क्रेडेंशियल्स (प्रमाण-पत्रों) की पुष्टि करना, कार्यक्रम स्थल की जानकारी देना और भागीदारी के लिए एक रेफरेंस नंबर प्राप्त करना शामिल है।

इस साल का 'अंतरराष्ट्रीय योग दिवस' 'स्वस्थ बुढ़ापे के लिए योग' थीम के तहत मनाया जा रहा है। मंत्रालय ने कहा कि योग संगम पोर्टल पर बढ़ती भागीदारी 'जन भागीदारी' की भावना और योग को एक वैश्विक आंदोलन से बदलकर स्वास्थ्य और सद्भाव के सामुदायिक उत्सव में बदलने के प्रति भारत की सामूहिक प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

आयुष मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट में लिखा, 'अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2026 में बस 1 दिन बाकी है। जैसा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है, 'स्वस्थ लोग एक स्वस्थ समाज बनाने में मदद करते हैं और योग इसे सुनिश्चित करता है।' आइए, इस बेहतरीन सामाजिक सेवा को बढ़ावा देने और इस साल की थीम, 'स्वस्थ उम्र बढ़ने के लिए योग' को अपनाने के लिए साथ आएं।

इजरायल में डीआरसी से लौटे शख्स को किया गया आइसोलेट, इबोला संक्रमण की हो रही जांच

तेल अवीव। इजरायली स्वास्थ्य मंत्रालय ने डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो की हालिया यात्रा करके लौटे शख्स को आइसोलेशन में रखा है। इबोला संक्रमण की आशंका के चलते जांच की जा रही है। मंत्रालय ने बयान जारी कर कहा कि अंतिम जांच रिपोर्ट आने में करीब 48 घंटे लग सकते हैं।

बयान के अनुसार, मरीज का इलाज आइसोलेशन (अलग रखकर) में किया जा रहा है और उन लोगों का पता लगाने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है, जो इस व्यक्ति के संपर्क में आए हो सकते हैं।

मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि अभी यह पुष्टि नहीं हुई है कि व्यक्ति वास्तव में इबोला वायरस से संक्रमित है या नहीं।

इजरायली नागरिकों को खौफजदा न होने की अपील करते हुए कहा गया कि इबोला हवा के जरिए नहीं फैलता। इसका संक्रमण किसी बीमार व्यक्ति के लक्षणों के दौरान उसके सीधे संपर्क में आने या उसके खून, शरीर के तरल पदार्थों अथवा स्राव (सेक्रेशन) के संपर्क में आने से फैलता है।

शुक्रवार को ही इजरायली स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया था कि उन्हें एक ऐसे व्यक्ति के बारे में जानकारी मिली है, जिसने हाल ही में डीआरसी की यात्रा की है। इस यात्रा के बाद उसमें इबोला संक्रमण की आशंका जताई गई।

मंत्रालय के बयान के अनुसार, मरीज को हाइफा स्थित रैंबम मेडिकल सेंटर में स्थानांतरित कर दिया गया है। इस अस्पताल को इबोला मरीजों के इलाज के लिए नामित किया गया है। मंत्रालय ने इबोला की पुष्टि नहीं की थी।

इस बीच, विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने शुक्रवार को इबोला संक्रमण की स्थिति को लेकर अपडेट जारी किया। संगठन के अनुसार, 17 जून तक देश के 31 स्वास्थ्य क्षेत्रों में इबोला के 896 मामलों की पुष्टि हो चुकी थी, जबकि 232 लोगों की मौत दर्ज की गई थी। वहीं, युगांडा में भी 19 संक्रमण के मामले सामने आए हैं और दो लोगों की मौत की पुष्टि हुई है। डब्ल्यूएचओ के महानिदेशक टैड्रॉस ऐडहेनॉम घेबरेयेसस ने मौजूदा हालात पर चिंता जताते हुए डीआरसी के पूर्वी क्षेत्र में स्थानीय प्रशासन और एम23 सशस्त्र समूह से संघर्ष विराम की अपील की थी। उनका कहना था कि संघर्ष विराम होने से प्रभावित लोगों तक दवाएं और जरूरी स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाना आसान हो सकेगा। डीआरसी के पूर्वी क्षेत्र में 20 लाख से अधिक विस्थापित रहते हैं। यहीं इबोला तेजी से फैल रहा है।

ऑस्ट्रेलिया में बर्ड फ्लू की दस्तक के बीच न्यूजीलैंड अलर्ट

विश्व केसरी ■

वेलिंगटन। पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया में एक जंगली समुद्री पक्षी में बर्ड फ्लू (एच5एन1) वायरस पाए जाने के बाद न्यूजीलैंड ने संभावित संक्रमण से निपटने के लिए अपनी तैयारियों को मजबूत कर लिया है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी।

समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, जैव सुरक्षा और खाद्य सुरक्षा मंत्री एंड्रयू होगार्ड ने एक बयान में कहा कि कई सरकारी विभागों ने निगरानी और तैयारियों को और तेज कर दिया है।

होगार्ड ने कहा, 'एच5एन1 बर्ड फ्लू का यह स्ट्रेन दुनिया भर में फैल रहा है, लेकिन न्यूजीलैंड के भौगोलिक अलगाव की स्थिति ने हमें सुरक्षा प्रदान की है और तैयारी के लिए पर्याप्त समय दिया है।'

ऑस्ट्रेलिया ने पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया में एक प्रवासी समुद्री पक्षी में एच5एन1 2.3.4.4बी स्ट्रेन की पुष्टि की है। वहीं, पास में पाए गए एक विशाल समुद्री पक्षी जायंट पेट्रेल में भी

संक्रमण की आशंका जताई गई है। हालांकि अब तक पोल्ट्री फार्मों में संक्रमण या पक्षियों की सामूहिक मौत की कोई घटना सामने नहीं आई है।

होगार्ड ने कहा, 'हम स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए हैं और ऑस्ट्रेलियाई अधिकारियों के साथ संपर्क में हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि न्यूजीलैंड जंगली पक्षियों के माध्यम से वायरस के आगमन को पूरी तरह नहीं रोक सकता और यदि यह देशी पक्षियों की आबादी में स्थापित हो जाता है, तो इसे खत्म करना बेहद मुश्किल होगा।

मंत्री ने किसानों, घरों में मुर्गी पालन करने वालों और फिर घूमने-फिरने वाले लोगों से जैव सुरक्षा उपायों को मजबूत करने तथा बीमार या मृत पक्षियों के समूह दिखाई देने पर तुरंत सूचित करने की अपील की। उन्होंने कहा कि फिलहाल खाद्य सुरक्षा को कोई खतरा नहीं है और मानव स्वास्थ्य के लिए जोखिम भी कम बना हुआ है।

यह ऑस्ट्रेलियाई मुख्यभूमि में अत्यधिक रोगजनक एच5एन1 स्ट्रेन का पहला कंफर्म मामला है। यह वायरस 2020 से दुनिया के कई हिस्सों में फैल चुका है और लाखों पक्षियों तथा अन्य जानवरों की मौत का कारण बन चुका है।

गुरुवार को पास के क्षेत्र में एक दूसरा पक्षी, जायंट पेट्रेल, बीमार अवस्था में मिला था, जिसे एहतियातन क्वारंटीन में रखा गया है।

ऑस्ट्रेलियाई सरकार ने पहले ही एच5एन1 के संभावित प्रकोप से निपटने की तैयारी के लिए 11.3 करोड़ ऑस्ट्रेलियाई डॉलर (करीब 7.92 करोड़ अमेरिकी डॉलर) की धनराशि आवंटित की थी।

थ्रेटेंड स्पीशीज (संकटग्रस्त प्रजातियों के) कमिश्नर फियोना फ्रेजर ने कहा कि कुछ ही दिनों में यह स्पष्ट हो जाएगा कि यह वायरस ऑस्ट्रेलिया की किसी पक्षी आबादी में स्थायी रूप से स्थापित हुआ है या नहीं।

गौरतलब है कि इससे पहले ऑस्ट्रेलिया एकमात्र ऐसा महाद्वीप था जहां एच5एन1 बर्ड फ्लू स्ट्रेन की पुष्टि नहीं हुई थी। यह वायरस पोल्ट्री और जंगली पक्षियों के बीच तेजी से फैल सकता है।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय का बड़ा फैसला, 16 दवाओं पर लगाई तुरंत रोक

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य व परिवार कल्याण मंत्रालय ने बड़ा फैसला लेते हुए 16 दवाओं (एफडीसी) के निर्माण, बिक्री और वितरण पर तुरंत रोक लगाई है। मंत्रालय ने इस संबंध में औषधि व सौंदर्य प्रसाधन अधिनियम, 1940 की धारा 26ए के तहत अधिसूचना जारी की। आदेश में कहा गया कि ये अधिसूचनाएं तत्काल प्रभाव से लागू हो गई हैं।

यह फैसला सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के बाद लिया गया है, जिसमें देश में उपलब्ध फिक्स्ड डोज कॉम्बिनेशन (एफडीसी) दवाओं की समीक्षा करने का आदेश दिया गया था। इन निर्देशों का पालन करते हुए 'ड्रग्स टेक्निकल एडवाइजरी बोर्ड' (डीटीएबी) ने एक विशेषज्ञ समिति बनाई। इसका उद्देश्य अलग-अलग एफडीसी दवाओं की जांच कर उन दवाओं की पहचान करना था जो अवैज्ञानिक, चिकित्सकीय रूप से अनुचित या मानव स्वास्थ्य के लिए जोखिमपूर्ण हो सकती हैं।

मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि वैज्ञानिक मूल्यांकन और विशेषज्ञ समिति की सिफारिशों के आधार पर सरकार ने 16 दवाओं (एफडीसी) के खिलाफ कार्रवाई की है, जिनका चिकित्सीय औचित्य नहीं पाया गया और जिनका निरंतर उपयोग संभावित जोखिमों के संदर्भ में लाभकारी नहीं माना गया।

प्रतिबंधित एफडीएसी अलग-अलग चिकित्सीय श्रेणियों से संबंधित हैं, जिनमें कुछ त्वचा संबंधी दवाएं, दर्द निवारक और ऐंठनरोधी दवाएं व एंटीबायोटिक-आधारित दवाएं शामिल हैं।

मंत्रालय ने कहा कि यह कार्रवाई सरकार के उन निरंतर प्रयासों के अनुरूप है, जिनके तहत जनता को सिर्फ सुरक्षित, प्रभावी और वैज्ञानिक रूप से प्रमाणित दवाएं ही उपलब्ध कराई जाती हैं। पहले भी, विस्तृत वैज्ञानिक समीक्षा के बाद कई दवाओं (एफडीसी) पर प्रतिबंध लगाया गया था, जो मरीजों की सुरक्षा और साक्ष्य-आधारित स्वास्थ्य सेवा के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को और मजबूत करता है।

बयान में आगे कहा गया, 'इसके अनुसार, 16 एफडीसी के निर्माण (बिक्री के लिए), बिक्री, वितरण और सप्लाई पर पूरे देश में तुरंत प्रभाव से रोक रहेगी। सभी राज्य ड्रग कंट्रोलर, रेगुलेटरी अथॉरिटी और प्रवर्तन एजेंसियों को निर्देश दिया गया है कि वे इन अधिसूचना का सख्ती से पालन और कार्यान्वयन सुनिश्चित करें।'

मंत्रालय ने दवा निर्माताओं, आयातकों, वितरकों और अन्य हितधारकों को भी कानून के प्रावधानों का अनुपालन करने के लिए जरूरी सुधारात्मक उपाय करने की सलाह दी है।

रातभर करवटें बदल रहे हैं? शरीर में इन जरूरी पोषक तत्वों की हो सकती है कमी

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। आज की तेज रफ्तार जिंदगी में अच्छी और गहरी नींद लोगों के लिए सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक बनती जा रही है। कई लोग रात को समय पर बिस्तर पर तो चले जाते हैं, लेकिन घंटों तक नींद नहीं आती। कुछ लोगों की नींद बार-बार टूटती है, जबकि कुछ सुबह उठते ही खुद को थका हुआ महसूस करते हैं। आमतौर पर इसकी वजह तनाव, काम का दबाव, मोबाइल और लैपटॉप का ज्यादा इस्तेमाल या अनियमित दिनचर्या को माना जाता है। हालांकि वैज्ञानिक शोध बताते हैं कि कई मामलों में शरीर में कुछ जरूरी विटामिन और पोषत तत्वों की कमी भी नींद की गुणवत्ता को प्रभावित कर सकती है।

वैज्ञानिकों के अनुसार, जब हम सोते हैं, तब शरीर खुद की मरम्मत करता है, मस्तिष्क दिनभर की जानकारियों को व्यवस्थित करता है और हार्मोन संतुलित होते हैं। अगर यह प्रक्रिया बार-बार बाधित होती है, तो इसका असर पूरे शरीर पर पड़ सकता है। लंबे समय तक खराब नींद रहने से थकान, चिड़चिड़ापन, ध्यान की कमी और कई स्वास्थ्य समस्याएं पैदा हो सकती हैं।

शोधों में विटामिन डी को नींद से जुड़े महत्वपूर्ण पोषक तत्वों में से एक माना गया है। विटामिन डी केवल हड्डियों के लिए ही जरूरी नहीं है, बल्कि यह मस्तिष्क और शरीर की कई जैविक प्रक्रियाओं में भी भूमिका निभाता है। जिन लोगों में विटामिन डी का स्तर कम होता है, उनमें नींद की अवधि कम हो सकती है या रात में नींद बार-बार टूट सकती है। हालांकि यह संबंध हर व्यक्ति में एक जैसा नहीं होता और इसके पीछे अन्य कारण भी हो सकते हैं।

इसी तरह विटामिन बी12 को भी शरीर की तंत्रिका प्रणाली के लिए बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है। यह विटामिन बॉडी क्लॉक को संतुलित रखने में मदद करता है। जब इसका स्तर बहुत कम हो जाता है, तो कुछ लोगों में नींद और जागने के प्राकृतिक चक्र पर असर पड़ सकता है।

गर्मियों में ठंडक और पोषण का मेल 'खरबूजे की खीर', जानें बनाने की विधि

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। देश के कई राज्यों में भीषण गर्मी पड़ रही है। ऐसे में लोग परेशान हैं कि क्या खाएं, क्या नहीं? गर्मियों के मौसम में शरीर को ठंडक और ताजगी देने वाली मौसमी चीजों की मांग बढ़ जाती है। ऐसे में खरबूजे की खीर एक खास मीठा है। जो न सिर्फ स्वाद में हल्की और ताजगी भरी बल्कि सेहत के लिए भी बेहद फायदेमंद है।

खरबूजे की खीर दूध, चावल और पके हुए खरबूजे के गूदे से तैयार की जाती है। इसका स्वाद हल्का मीठा और क्रीमी होता है, जो गर्मियों में ठंडक का अहसास देता है। लोग इसे घरों में आसानी से बना सकते हैं।

आयुर्वेद के अनुसार, खरबूजा गर्मियों में शरीर के लिए एक प्राकृतिक वरदान माना जाता है। इसमें लगभग 90 प्रतिशत तक पानी पाया जाता है, जो शरीर को हाइड्रेट रखने में मदद करता है। गर्मी में जब पसीने के कारण शरीर में पानी की कमी होने लगती है, तब खरबूजा इस कमी को दूर करने में अहम भूमिका निभाता है।

इसके अलावा, खरबूजे में विटामिन ए, विटामिन सी, पोटेशियम और फाइबर जैसे कई जरूरी पोषक तत्व पाए जाते हैं। ये तत्व न केवल शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत बनाते हैं, बल्कि पाचन तंत्र को भी बेहतर रखते हैं। फाइबर की मौजूदगी कब्ज जैसी समस्याओं को दूर करने में सहायक होती है।

आयुर्वेद में खरबूजे को ठंडा प्रभाव वाला फल माना गया है, जो शरीर की अतिरिक्त गर्मी को कम करता है और पेट को ठंडक देता है। यह त्वचा के लिए भी लाभकारी है, क्योंकि इसमें मौजूद विटामिन ए और सी त्वचा को स्वस्थ और चमकदार बनाए रखने में मदद करते हैं। साथ ही यह आंखों की सेहत के लिए भी उपयोगी माना जाता है।

विशेषज्ञों का कहना है कि खरबूजा कम कैलोरी वाला फल है, जो वजन नियंत्रित रखने में भी सहायक है। यह पेट को लंबे समय तक भरा हुआ महसूस कराता है।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवसः पीएम मोदी के साथ कोलकाता के 10 लाख लोग करेंगे योगा, कार्यक्रम को लेकर जबरदस्त तैयारियां

विश्व केसरी ■

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता में रविवार को आयोजित होने वाले अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के मुख्य कार्यक्रम में नया रिकॉर्ड बन सकता है। कोलकाता में करीब 10 लाख लोग प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ योगाभ्यास करेंगे। आयुष मंत्रालय के सचिव वैद्य राजेश कोटेचा ने यह जानकारी दी।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के कार्यक्रम के बारे में सचिव वैद्य राजेश कोटेचा ने आईएएनएस से बात करते हुए कहा, 'यह पहली बार है जब पश्चिम बंगाल के कोलकाता में यह इवेंट हो रहा है और यहां हमारे प्रधानमंत्री का स्वागत करने के लिए बहुत उत्साह है।'

उन्होंने कहा कि आज, 20 जून को एक बड़ा कार्निवल होने वाला है। एक बड़ा ड्रोन शो भी होगा। वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने की कोशिश में लगभग 500 नावें एक साथ आएंगी।

आयुष मंत्रालय के सचिव वैद्य राजेश कोटेचा ने यह भी बताया कि रविवार सुबह रधानमंत्री यहां इस इवेंट की अगुवाई करेंगे। इस जगह पर रविवार को 35 हजार लोग इकट्ठा होंगे। वहीं, पूरे कोलकाता में 10 लाख लोग प्रधानमंत्री मोदी के साथ योग करेंगे। पोर्टल पर अब तक 7 लाख लोगों ने रजिस्ट्रेशन कराए हैं। रात तक यह संख्या 10 लाख के करीब तक पहुंच जाएगी।

आयुष मंत्रालय की संयुक्त सचिव मोनालिसा दास ने कहा, 'अंतरराष्ट्रीय योग दिवस हर साल एक नई जगह पर मनाया जाता है, खासकर इसका मुख्य कार्यक्रम। हर राज्य बढ़-चढ़कर इसे अपने-अपने तरीके से मनाता है। इस साल भी कई नई पहल की गई हैं। जैसा कि आपने देखा होगा, शुक्रवार को कोलकाता में चार जगहों पर 'रन फॉर योग' का आयोजन किया गया था। इसमें 10,000 लोगों, बच्चों, बड़ों और महिलाओं ने हिस्सा लिया और दौड़ लगाई। इसी तरह अन्य जिलों में भी 'रन फॉर योग' का आयोजन हुआ।'

संयुक्त सचिव मोनालिसा दास ने बताया कि शनिवार को एक ड्रोन शो का आयोजन होना है। फिर रविवार को कोलकाता के हर कौने में योग दिवस मनाया जाएगा।

इस अवसर पर योग गुरु और योग इन्फ्लुएंसर उमंग त्यागी ने कहा, 'इस बार प्रधानमंत्री मोदी खुद हमारे साथ योग करेंगे। मुझे गर्व है कि मैं उनके साथ यहां कोलकाता में योग करूंगा।

फीफा वर्ल्ड कप: ब्राजील ने हैती को 3-0 से हराया, मैथ्यूस कुन्हा ने किए दो गोल

विश्व केसरी ■

फिलाडेल्फिया। फीफा वर्ल्ड कप 2026 में ग्रुप सी के मुकाबले में ब्राजील ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए हैती को 3-0 से हराया। फिलाडेल्फिया स्टेडियम में ब्राजील की जीत के नायक मैथ्यूस कुन्हा रहे, जिन्होंने मैच में दो गोल दागे।

इस जीत के साथ ही गोल अंतर के आधार पर ब्राजील ने ग्रुप सी में पहला स्थान हासिल कर लिया है। मोरक्को के खिलाफ 1-1 से ड्रॉ खेलने के बाद टीम के प्रदर्शन पर कई तरह के सवाल खड़े किए जा रहे थे। हालांकि, ब्राजील ने हैती के खिलाफ दमदार प्रदर्शन से आलोचकों को करारा जवाब भी दिया है।

मैच की शुरुआत से ही ब्राजील ने खेल पर नियंत्रण बनाया। मैथ्यूस कुन्हा ने अपने पहले वर्ल्ड कप मैच की शुरुआत को बेहद खास बनाया। उन्होंने लगातार अच्छे मूव बनाए और टीम के आक्रमण को मजबूती दी। उनके साथ विनीसियस जूनियर और राफिन्हा का प्रदर्शन भी दमदार रहा। ब्राजील के लिए मैच का पहला गोल 23वें मिनट में आया, जब हैती के गोलकीपर जॉनी प्लासाइड विनीसियस जूनियर का शॉट तो रोकने में सफल रहे, लेकिन उसके बाद हेंस डेलक्रोइक्स का क्लीयरेंस शॉट कुन्हा से लगकर गोल पोस्ट में चला गया।

पहले हाफ के अंत से 9 मिनट पहले कुन्हा ने ब्राजील की बढ़त को जल्द ही दोगुना कर दिया। विनीसियस जूनियर से मिले अच्छे पास का फायदा उठाते हुए कुन्हा ने बॉक्स के किनारे से जोरदार शॉट लगाते हुए गेंद को गोल पोस्ट के टॉप कॉर्नर में पहुंचा दिया। इसके बाद पहले हाफ के स्टॉपेज टाइम में विनीसियस जूनियर ने ब्राजील के लिए मैच का तीसरा गोल दागा। इस गोल के साथ ब्राजील ने पहले हाफ का अंत 3-0 के साथ किया।

दूसरे हाफ में हैती ने वापसी करने का कई बार प्रयास किया, लेकिन ब्राजील के मजबूत डिफेंस ने उन्हें कोई मौका नहीं दिया। रिकार्डो एडे ने कॉर्नर पर ऊंची छलांग लगाकर हेडर लगाया, लेकिन ब्राजील के गोलकीपर एलिसन ने शानदार बचाव किया। मैच के अंतिम समय में ब्राजील के युवा खिलाड़ी एंड्रिक ने गोल किया, लेकिन वह ऑफसाइड करार दिया गया। लगातार दूसरी हार के साथ ही हैती फीफा वर्ल्ड कप 2026 से बाहर हो गई है।

दोहा डायमंड लीग: नीरज चोपड़ा चौथे स्थान पर, श्रीलंका के रुमेश पथिरगे बने विजेता

विश्व केसरी ■

दोहा । सुहैन बिन हमाद स्टेडियम में खेले गए दोहा डायमंड लीग में भारत के स्टार जैवलिन थ्रोअर नीरज चोपड़ा टॉप-3 में जगह बनाने में असफल रहे। नीरज चोपड़ा चौथे स्थान पर रहे। नीरज ने तीसरे प्रयास में अपना बेस्ट थ्रो (85.69) फेंका था। नीरज के लिए अच्छी बात यह रही कि उन्होंने कॉमनवेल्थ गेम्स के लिए क्वालीफाई कर लिया है। श्रीलंका के रुमेश पथिरगे 88.68 मीटर के थ्रो के साथ पहले स्थान पर रहे।

चोट से वापसी कर रहे नीरज चोपड़ा का सीजन का यह पहला डायमंड लीग इवेंट था। उनकी शुरुआत बेहद निराशाजनक रही। उनका पहला थ्रो फाउल रहा था। नीरज चोपड़ा ने दूसरे प्रयास में 82.77 मीटर का थ्रो किया। इस थ्रो के साथ कॉमनवेल्थ गेम्स में उनकी जगह पक्की हो गई। कॉमनवेल्थ में जगह पक्की करने के लिए 82.61 मीटर का ही थ्रो जरूरी था।

नीरज चोपड़ा ने तीसरे राउंड में 85.69 मीटर का थ्रो किया। इस प्रयास के बाद वह टॉप-3 में आ गए थे।

तीसरे राउंड की समाप्ति के बाद नीरज चोपड़ा तीसरे स्थान पर थे। पहले स्थान पर ग्रेनाडा के एंडरसन पीटर्स (86.38 मीटर), दूसरे स्थान पर अमेरिका के कर्टिस थॉम्पसन (85.99 मीटर) और तीसरे स्थान पर नीरज चोपड़ा (85.69 मीटर) थे। नीरज चोपड़ा अपने चौथे प्रयास में 83.45 मीटर का थ्रो फेंक पाए। इस प्रयास के बाद वह टॉप-3 से बाहर हो गए थे। चौथे प्रयास में श्रीलंका के जेवलिन स्टार रुमेश पथिरगे 88.68 मीटर का थ्रो फेंककर सीधे पहले स्थान पर जगह बना ली थी।

चोपड़ा का पांचवां प्रयास भी फाउल रहा था। नीरज आखिरी राउंड के लिए क्वालीफाई नहीं कर सके। सूची पर नजर डालें तो रुमेश पथिरगे (88.68 मीटर) पहले, एंडरसन पीटर्स (86.38 मीटर) दूसरे, कर्टिस थॉम्पसन (85.99 मीटर) तीसरे, और नीरज चोपड़ा (85.69 मीटर) चौथे स्थान पर रहे।

आर्टुर फेल्फनर (83.62 मीटर) पांचवें और जूलियस येगो (82.22 मीटर) छठे स्थान पर रहे।

गरीबी और चुनौतियों को मात देकर पहली आदिवासी युवती विनीता सोरेन ने फतह किया था माउंट एवरेस्ट

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। झारखंड की धरती से निकलकर दुनिया की सबसे ऊंची चोटी माउंट एवरेस्ट तक पहुंचने वाली विनीता सोरेन साहस, संघर्ष और दृढ़ संकल्प की मिसाल हैं। सीमित संसाधनों और चुनौतियों के बावजूद उन्होंने अपने सपनों को पंख दिए और एवरेस्ट फतह करने वाली पहली आदिवासी महिला बनकर इतिहास रच दिया। 25 साल की उम्र में विनीता ने जिस ऊंचाई को छुआ, उसके पीछे उनकी मेहनत और अदम्य साहस की कहानी है। दुनिया के सबसे ऊंचे शिखर को छूकर, उन्होंने यह साबित कर दिया कि सपनों की ऊंचाई किसी सामाजिक सीमा में नहीं बंधा जा सकता है।

झारखंड के सेराइकेला खरसावां जिले के राजनगर ब्लॉक के केसोरसोरा गांव में 21 जून 1987 को विनीता का जन्म एक साधारण आदिवासी परिवार में हुआ था। गरीबी और सीमित संसाधनों के बावजूद उन्होंने बड़े सपने देखने का साहस किया। विनीता का जीवन आम आदिवासी लड़कियों की तरह ही शुरू हुआ। वे खेतों में काम करने, सीमित शिक्षा और सीमित सपनों तक ही निर्धारित थीं लेकिन विनीता के सपने एवरेस्ट से भी ऊंचे थे। विनीता के गांव और आसपास के इलाकों में लड़कियों के लिए टीचिंग या नर्सिंग ही करियर माने जाते थे।

फीफा वर्ल्ड कप: पैराग्वे ने 1-0 से दर्ज की जीत, हार के साथ टूर्नामेंट से बाहर तुर्किये

विश्व केसरी ■

कैलिफोर्निया। फीफा वर्ल्ड कप 2026 के ग्रुप डी मुकाबले में पैराग्वे ने शानदार प्रदर्शन करते हुए तुर्किये को 1-0 से हराया। सैन फ्रांसिस्को बे एरिया स्टेडियम में इस जीत के साथ पैराग्वे ने टूर्नामेंट के अगले राउंड में पहुंचने की अपनी उम्मीदों को जिंदा रखा है। वहीं, हार के साथ ही तुर्किये का टूर्नामेंट में सफर समाप्त हो गया है।

मैच का एकमात्र गोल मटियास गैलार्जा ने खेल शुरू होने के सिर्फ 64 सेकंड बाद किया। यह मौजूदा टूर्नामेंट का सबसे तेज गोल भी है। गैलार्जा ने करीब 25 मीटर की दूरी से जोरदार शॉट लगाया और तुर्किये के गोलकीपर को छकाते हुए शानदार गोल दागा। इससे पहले फीफा वर्ल्ड कप 2026 में सबसे तेज गोल का रिकॉर्ड मोरक्को के इस्माइल सैबारी के नाम था, जिन्होंने स्कॉटलैंड के खिलाफ 70 सेकंड में गोल किया था।

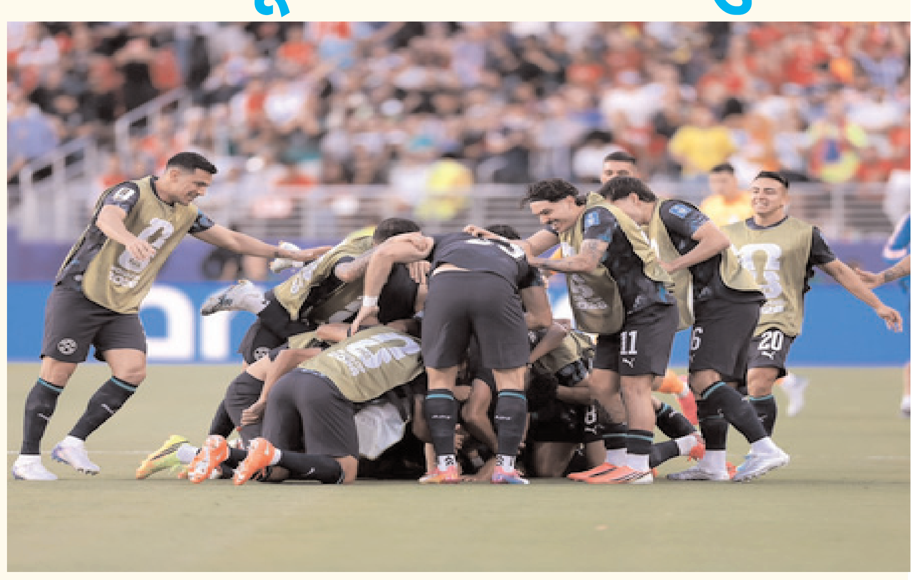

पैराग्वे ने मैच की शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया और मैच पर अपनी पकड़ बनाई रखी। हालांकि, हाफ टाइम से ठीक पहले टीम को उस वक्त बड़ा झटका लगा, जब मिडफील्डर मिगुएल अल्मिरोन को रेड कार्ड दिखाकर मैदान से बाहर भेज दिया गया। पैराग्वे के मिडफील्डर वर्ल्ड कप के इतिहास में पहले ऐसे खिलाड़ी बने, जिन्हें फीफा के नए अनुशासनात्मक नियम के तहत सजा मिली। अल्मिरोन ने मर्ट मुल्डुर के साथ मुकाबले के दौरान अपना मुंह ढक लिया था और इसी कारण उन्हें रेड कार्ड थमाया गया। वीएआर रिव्यू के बाद इस फैसले को पूरी तरह से सही ठहराया गया और पैराग्वे को पूरा दूसरा हाफ 10 खिलाड़ियों के साथ खेलना पड़ा।

टूर्नामेंट से पहले लाए गए इस नए नियम के तहत, अगर कोई खिलाड़ी मुकाबले के दौरान अपना मुंह ढकता है तो उसे रेड कार्ड दिखाना जरूरी है। यह नियम उस घटना के बाद लाया गया, जब बेनफिका के खिलाड़ी जियानलुका प्रेस्टियानी पर आरोप लगा था कि उन्होंने रियल मैड्रिड के खिलाड़ी विनिसियस जूनियर से मुंह छिपाकर भेदभावपूर्ण टिप्पणी की थी।

दूसरे हाफ में तुर्किये ने बराबरी का गोल करने के लिए लगातार दबाव बनाया। टीम ने गेंद पर ज्यादा नियंत्रण रखा और कई हमले किए, लेकिन 10 खिलाड़ियों संग खेल रही पैराग्वे की टीम ने शानदार रक्षात्मक खेल दिखाया।

साउथ अफ्रीका के खिलाफ होगी मंधाना और शेफाली की अग्निपरीक्षा : शिखा पांडे

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। भारत की पूर्व तेज गेंदबाज शिखा पांडे का मानना है कि आईसीसी महिला टी20 विश्व कप 2026 में साउथ अफ्रीका के खिलाफ होने वाले मुकाबले में स्मृति मंधाना और शेफाली वर्मा की जोड़ी की अग्निपरीक्षा होगी।

टूर्नामेंट में लगातार दो धमाकेदार जीत दर्ज करने वाली भारतीय टीम की साउथ अफ्रीका से भिड़ंत रविवार को होगी। शिखा ने साउथ अफ्रीका के जबरदस्त पेस अटैक से मिलने वाली चुनौती पर जोर दिया, और इसे टूर्नामेंट की सबसे मजबूत गेंदबाजी यूनिट बताया। उन्होंने जियोस्टार से कहा, 'भारत की ओपनिंग जोड़ी स्मृति मंधाना और शेफाली वर्मा ने भारत को कई बार मजबूत शुरुआत दी है। हालांकि, वे अब तक की अपनी सबसे कड़ी परीक्षा का सामना करेंगी। इस महिला टी20 वर्ल्ड कप में साउथ अफ्रीका का गेंदबाजी अटैक सबसे अच्छा है। उनकी नई गेंद वाली जोड़ी टूर्नामेंट की सबसे खतरनाक जोड़ी में से एक है।'

पांडे ने अनुभवी तेज गेंदबाज शबनम इस्माइल और ऑलराउंडर मारिजाने कैप को मुख्य खतरा बताया। उन्होंने कहा, 'शबनम इस्माइल ने जबरदस्त वापसी की है और वह अच्छी रफ्तार से गेंदबाजी कर रही हैं। मारिजाने कैप पाकिस्तान के खिलाफ पहले ही तीन विकेट ले चुकी है और बहुत कंट्रोल के साथ गेंदबाजी कर रही हैं। दोनों ही स्विंग, सीम और बाउंस से भारतीय ओपनर्स की परीक्षा लेंगी। शिखा पांडे ने अयाबोंगा खाका की दाएं हाथ की बल्लेबाजों से गेंद को दूर ले जाने की काबिलियत की ओर भी इशारा किया, जिससे साउथ अफ्रीका के अटैक में एक और पहलू जुड़ गया है। भारत की पूर्व पेसर का मानना ??है कि मंधाना को मूव करती गेंद से सावधान रहने की जरूरत होगी।

इस्माइल और वर्मा के बीच एक रोमांचक मुकाबले की भविष्यवाणी करते हुए पांडे ने कहा, 'स्मृति मंधाना पहले भी अपने शरीर से दूर ड्राइव करने की कोशिश में आउट हो चुकी हैं, अक्सर स्लिप में या स्टंप के पीछे कैच आउट हो जाती हैं।

महिला टी20 विश्व कप: वेदा कृष्णमूर्ति ने किया जेमिमा रोड्रिग्स का बचाव, बोलीं- वह सिर्फ एक बड़ी पारी से दूर

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। भारत की पूर्व बल्लेबाज वेदा कृष्णमूर्ति ने महिला टी20 विश्व कप 2026 में रनों के लिए संघर्ष कर रहीं भारतीय बल्लेबाज जेमिमा रोड्रिग्स का बचाव किया है। उन्होंने उम्मीद जताई है कि साउथ अफ्रीका के खिलाफ रविवार को होने वाले मुकाबले में जेमिमा दमदार प्रदर्शन करेंगी।

पाकिस्तान के खिलाफ टूर्नामेंट के पहले मुकाबले में जेमिमा सिर्फ एक रन बनाकर पवेलियन लौटी थीं, जबकि नीदरलैंड्स के खिलाफ वह 19 रन ही बना सकी थीं। कृष्णमूर्ति ने 'जियोस्टार' पर कहा, 'आप इस टी20 वर्ल्ड कप में अब तक जेमिमा रोड्रिग्स के प्रदर्शन को लेकर ज्यादा परेशान नहीं हो सकते। वह इतनी अच्छी खिलाड़ी हैं कि उन्हें कुछ मैचों के आधार पर जज नहीं किया जा सकता। वह जानती हैं कि इस अभियान में उन्हें बड़ा रोल निभाना है। यह सिर्फ आत्मविश्वास की बात है।'

उन्होंने साल 2025 में हुए वनडे वर्ल्ड कप में रोड्रिग्स के शानदार प्रदर्शन को उनकी क्वालिटी का सबूत बताया। उन्होंने कहा, 'हां, टी20 विश्व कप में उनके नंबर बहुत अच्छे नहीं रहे हैं, लेकिन उन्होंने 50 ओवर के वर्ल्ड कप में खुद को साबित किया। न्यूजीलैंड के खिलाफ पारी और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सेमीफाइनल में मैच जिताने वाली पारी ने दिखाया कि वह क्या कर सकती है।'

कृष्णमूर्ति ने जोर देकर कहा कि टीम मैनेजमेंट से लगातार सपोर्ट मिलना बहुत जरूरी होगा। 'जेमिमा को टीम और मैनेजमेंट का सपोर्ट है। टीम मैनेजमेंट को उन्हें वह आत्मविश्वास देते रहना होगा। लय में वापस आने के लिए बस एक अच्छी पारी ही काफी है। वह नीदरलैंड्स के खिलाफ अच्छी लय में दिख रही थीं। टाइमिंग बेहतर थी, और वह ज्यादा स्थिर लग रही थी। यह बस समय की बात है कि वह एक बड़ी पारी खेलेगी, जो मुझे लगता है कि बहुत जल्द होने वाला है। कृष्णमूर्ति ने उम्मीद जताई कि भारतीय टीम साउथ अफ्रीका के खिलाफ भी दमदार प्रदर्शन करने में सफल रहेगी। उन्होंने कहा, 'खास बात यह है कि अब बहुत सारी जानकारी मौजूद है।

'वह पहले ऐसे खिलाड़ी हैं, जिन्हें रिमोट वर्क के लिए बुलाया गया'

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। फीफा वर्ल्ड कप 2026 के बीच ब्राजील के स्टार फुटबॉलर नेमार एक बार फिर चर्चा का विषय बन गए हैं। चोट के कारण उनकी टीम से लगातार गैरमौजूदगी को लेकर ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला डा सिल्वा ने मजाकिया टिप्पणी की, जिसके बाद इस मुद्दे पर बहस और तेज हो गई है।

नेमार ग्रुप सी में हैती के खिलाफ खेले गए ब्राजील के दूसरे मुकाबले में भी मैदान पर नहीं उतरे। 34 वर्षीय फॉरवर्ड खिलाड़ी को 17 मई को अपने क्लब सैंटोस के लिए खेलते समय पिंडली में ग्रेड-2 चोट लगी थी। वह अब भी पूरी तरह फिट नहीं हुए हैं और इसी कारण वर्ल्ड कप के शुरुआती मैचों में नहीं खेल रहे हैं। मोरक्को के खिलाफ ब्राजील का पहला मैच 1-1 से ड्रॉ रहा था। उस मुकाबले में टीम को नेमार की कमी साफतौर पर खली थी। ब्राजील को गोल करने के ज्यादा मौके नहीं मिले और टीम आक्रमण में वह धार नहीं दिख सकी जिसके लिए ब्राजील को जाना जाता है। नेमार के शुरुआती दो मुकाबलों में न खेलने को लेकर ब्राजील के राष्ट्रपति लूला ने एक कार्यक्रम के दौरान माजाकिया अंदाज में कहा, 'नेमार तो खेल भी नहीं रहे हैं। वह दुनिया के पहले ऐसे खिलाड़ी हैं जिन्हें रिमोट वर्क के लिए बुलाया गया है।' उनकी यह टिप्पणी सोशल मीडिया और ब्राजीलियाई मीडिया में तेजी से वायरल हो गई। राष्ट्रपति के बयान के बाद यह सवाल फिर उठने लगे कि क्या नेमार को पूरी तरह फिट हुए बिना वर्ल्ड कप टीम में शामिल करना सही फैसला था। कई आलोचकों का मानना है कि टीम में किसी फिट खिलाड़ी को जगह दी जा सकती थी, जो टीम के लिए पहले मैच से योगदान दे सकता था। हालांकि, ब्राजील के मुख्य कोच कार्लो एंसेलोटी अपने फैसले पर कायम हैं। उनका मानना है कि नेमार सिर्फ एक खिलाड़ी नहीं, बल्कि टीम के सबसे अनुभवी और प्रभावशाली सदस्यों में से एक हैं। एंसेलोटी का कहना है कि बड़े टूर्नामेंट में उनका अनुभव और नेतृत्व टीम के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। रिपोर्ट्स के अनुसार, नेमार अब हल्की ट्रेनिंग और टीम के साथ कुछ अभ्यास सत्रों में हिस्सा लेने लगे हैं। हालांकि, मेडिकल टीम ने अभी उन्हें प्रतिस्पर्धी मैच खेलने की अनुमति नहीं दी है। उम्मीद की जा रही है कि अगर उनकी फिटनेस में सुधार जारी रहा तो वह 24 जून को स्कॉटलैंड के खिलाफ ब्राजील के अंतिम ग्रुप मैच में वापसी कर सकते हैं। नेमार ब्राजील के लिए सबसे ज्यादा 79 अंतरराष्ट्रीय गोल करने वाले खिलाड़ी हैं। वह इस मामले में महान खिलाड़ी पेले को भी पीछे छोड़ चुके हैं। यह उनका चौथा वर्ल्ड कप है। इससे पहले वह 2014, 2018 और 2022 में हुए वर्ल्ड कप में ब्राजील टीम का हिस्सा रह चुके हैं और इस दौरान उन्होंने कुल 8 गोल किए हैं।

स्वात्वधिकारी राइवल्स मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सुजीत कुमार द्वारा साई प्रींटिंग प्रेस, डी-85, सेक्टर 6 नोएडा,गौतम बुध्द नगर पिन कोड -201301 उ.प्र. से मुद्रित और मकान संख्या एन-58 जगतराम पार्क के सामने, लक्ष्मी नगर पूर्व दिल्ली-110053 से प्रकाशित
समाचार संपादक : चन्द्रमणी साव (पीआरबी एक्ट के अनुसार समाचार पत्र चयन एवं संपादन के लिए उत्तरदायी। नोट किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्यायक्षेत्र दिल्ली होगा) मोबाइल 9340573892 ई-मेल: vishwakesari2026@gmail.com,आर.एन.आई.नं. DLHIN/2015/61415